हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, सोमवार | 31 मार्च 2025 | वर्ष : 03 अंक : 87 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

कर्नाटक सरकार भद्रा जलाशय से दो टीएमसी पानी छोड़ेगी: सिद्धरमैया

एजेंसी

कर्नाटक: कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को कहा कि सरकार ने एक से पांच अप्रैल तक भद्रा जलाशय से दो टीएमसी (एक अरब घनफुट) पानी छोड़ने का फैसला किया है ताकि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में फसलों और पीने के वास्ते तुंगभद्रा नहरों तक पानी पहुंच सके ।उन्होंने एक बयान में कहा, ।ुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने तुंगभद्रा नहरों में जल प्रवाह के लिए एक से पांच अप्रैल तक भद्रा जलाशय से दो टीएमसी पानी छोड़ने का फैसला किया है। इससे कोप्पल, रायचूर और यादगिर में खड़ी फसलों की रक्षा करने में मदद मिलेगी और साथ ही इन जिलों के लिए पर्याप्त पेयजल सुनिश्चित होगा ।तीस मार्च की स्थिति के हिसाब से भद्रा जलाशय में 28 टीएमसी पानी था। मुख्यमंत्री ने कहा, ह्यह्यआठ मई तक सिंचाई के लिए 11 टीएमसी और पेयजल के लिए 14 टीएमसी पानी की जरूरत है - जिससे तीन टीएमसी पानी की बचत होगी ।छह अप्रैल से नहरों का इस्तेमाल केवल पेयजल आपूर्ति के लिए किया जाएगा।

ईद-उल-फितर 2025: चांद के हुए दीदार,

भारत में आज मनेगा ईद का जश्न; विशेष इंतजाम

भारत में रविवार (30 मार्च) को ईद का चांद दिखने के साथ ही ईद-उल-फितर का जश्न शुरू हो गया। सोमवार को देशभर में उत्साहपूर्वक ईद मनाई जाएगी। लखनऊ, भोपाल और दिल्ली में विशेष इंतजाम किए गए हैं।

एजेंसी

दिल्ली: रमजान का पवित्र महीना कल (सोमवार, 31 मार्च) को ईद के जश्न के साथ समाप्त हो जाएगा। रविवार शाम आखिरी रोजे के बाद चांद दिखने का ऐलान हुआ। जिसके बाद लोग एक-दूसरे को ईद मुबारकबाद कहने लगे। दुबई में चांद के दीदार शनिवार को हुए थे। लिहाजा, ईद रविवार को मनाई गई ।भारत में चांद दिखाई दे गया है। ईद-उल-फितर 31 मार्च 2025 को भारत सहित पश्चिम एशिया, अमेरिका, यूरोप और दुनिया के अन्य देशों में मनाया जाएगा ।सेंट्रल मून साइटिंग कमेटी के अध्यक्ष खालिद रशीद फरंगी ने बताया, लखनऊ में ईद का चांद रविवार को दिखाई दिया है। लिहाजा, ईद-उल-फितर सोमवार (31 मार्च) को मनाई जाएगी। लखनऊ ईदगाह में सुबह 10 बजे नमाज अदा की जाएगी ।दिल्ली के जामा मस्जिद इफ्तार दिल्ली के जामा मस्जिद में ईद-उल-फितर से एक दिन

पहले जामा मस्जिद में इफ्तार हुई। फतेहपुरी मस्जिद के इमाम मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने भी बताया, रविवार देर शाम ईद का चांद दिखा है। इसलिए ईद का पर्व सोमवार को मनाया जाएगा। बताया कि रमजान के बाद ईद विभिन्न देशों में अलग-अलग दिन मनाया जाता है। इस दिन हम सब देश में सौहार्द और भाईचारे के लिए प्रार्थना करते हैं। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में रविवार शाम ईद-उल-फितर से पहले बाजार में भारी भीड़ रही। सुरक्षा के दृष्टि से 1500 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र ने बताया, प्रमुख मस्जिदों और ईदगाहों पर ड्रोन और उउळश की निगरानी की जाएगी। बैरिकेडिंग, पार्किंग सहित अन्य इंतजाम भी किए गए हैं। पश्चिम बंगाल के मालदा में झड़प के तनाव पूर्ण महौल है। रढ प्रदीप यादव ने बताया, ईद-उल-फितर और चैत्र नवरात्रि के लिए शांति बैठक हुई है। इसमें जनप्रतिनिधि, धार्मिक्र, वित्तीय और सामाजिक संस्थाओं के सदस्य शामिल हुए। साभी ने आपसी के सौहार्द के साथ ईद और रामनवमी मनाने का संकल्प लिया है।

संबल में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

उत्तर प्रदेश के संबल में कड़ी सुरक्षा के बीच ईद मनाई जाएगी। सीओ अनुज चौधरी ने बताया कि ईद के लिए कल पर्याप्त फोर्स तैनात की गई है। 1300 उउळश और ड्रोन से निगरानी की जाएगी।

'मैं नहीं, हम की भावना': नागपुर में पीएम मोदी का भाषण; बोले- नया भारत गुलामी की बेड़ियों को तोड़कर बढ़ रहा

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार (30 मार्च) को नागपुर में माधव नेत्रालय की नई एक्सटेंशन बिल्डिंग की आधारशिला रखी। शिलान्यास समारोह में मोदी बोले-नया भारत गुलामी की बेड़ियों को तोड़कर आगे बढ़ रहा ।प्रधानमंत्री मोदी रविवार (30 मार्च) को नागपुर पहुंचे। पीएम मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर एस एस) मुख्यालय पहुंचे। संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) को श्रद्धांजलि दी। दीक्षाभूमि पहुंचकर मोदी ने संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर को भी श्रद्धांजलि दी ।मोदी ने माधव नेत्रालय की एक्सटेंशन बिल्डिंग की आधारशिला रखी। नेत्रालय प्रीमियम सेंटर के शिलान्यास समारोह में मोदी ने कहा कि हमारी सरकार गरीबों को जनऔषधि केंद्र के जरिए सस्ती दवाएं दे रही है। डायलिसिस सेंटर मुफ्त डायलिसिस सुविधा दे रहे हैं। ढट मोदी ने कहा कि माधव नेत्रालय है तो दृष्टि की बात स्वाभाविक है। जीवन में दृष्टि ही दिशा देती है। वेदों में भी यह कामना की गई है कि हम सौ वर्ष तक देखें। यह दृष्टि केवल बाह्य नहीं, बल्कि अंतर्दृष्टि भी होनी चाहिए। पीएम नरेंद्र मोदी बोले-हम देव से देश और राम से राष्ट्र के जीवन मंत्र को लेकर चले हैं, हम अपना कर्तव्य निभाते हैं'। हमने महाकुंभ में देखा है कि कैसे स्वयंसेवकों ने लोगों की मदद की। 'जहां सेवा कार्य, वहां स्वयंसेवक। मोदी ने कहा कि जब प्रयासों में मैं नहीं, हम की भावना होती है, जब राष्ट्र प्रथम का भाव सर्वोपरि होता है, जब नीतियों और निर्णयों में देशवासियों का हित ही सबसे बड़ा होता है, तब उसका प्रभाव और प्रकाश सर्वत्र दिखाई देता है। राष्ट्रीय गौरव के नए अध्याय लिखे जा रहे मोदी ने आगे कहा कि आज भारत उन बेड़ियों को तोड़ रहा है, जिनमें वह उलझा था। भारत कैसे गुलामी की मानसिकता और पुरानी

दिल्ली में भाजपा सरकार बनने से राम राज्य की शुरूआत हुई: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

एजेंसी

दिल्ली: दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में 27 वर्ष बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने से रामराज्य की शुरूआत हुई है। रेखा गुप्ता ने पीतमपुरा में एक यात्रा में शामिल होते हुए लोगों को नव हिंदू वर्ष और नवरात्रि की शुरूआत की शुभकामनाएं दीं ।उन्होंने कहा, ह्लभाजपा सरकार का गठन दिल्ली में रामराज्य की शुरूआत है ।ह्व रेखा गुप्ता ने कहा कि वह चाहती हैं कि दिल्ली सूर्य की तरह चमके और लोगों का जीवन खुशियों व समृद्धि से भर जाए। इस वर्ष फरवरी में हुए विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद भाजपा 1998 के बाद पहली बार दिल्ली की सत्ता में लौटी है। भाजपा ने 70 विधानसभा सीट में से 48 पर जीत हासिल की थी जबकि आम आदमी पार्टी (आप) 22 सीट पर जीत दर्ज करने में सफल रही थी ।भाजपा सरकार का गठन दिल्ली में रामराज्य की शुरूआत है ।ह्व रेखा गुप्ता ने कहा कि वह चाहती हैं कि दिल्ली सूर्य की तरह चमके और लोगों का जीवन खुशियों व समृद्धि से भर जाए।

नीतीश कुमार ने अमित शाह के सामने एनडीए छोड़ने के अपने फैसले पर फिर खेद जताया

एजेंसी

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को एक बार फिर एनडीए छोड़ने के अपने पहले के फैसले पर खेद जताया। उन्होंने पटना के बापू सभागार में आयोजित विभिन्न केंद्रीय और राज्य योजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी वहां मौजूद थे। शाह से अपने संबोधन में नीतीश कुमार ने कहा कि हमसे गलती हुई। पार्टी ने दो बार ऐसा फैसला लिया। लेकिन अब ऐसी गलती नहीं होगी ।नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री के

तौर पर अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि पहले बिहार में गुंडागर्दी होती थी लेकिन हमारी सरकार ने इसे खत्म कर दिया। पहले लोग शाम होते ही घरों से निकलना बंद कर देते थे लेकिन अब लोग बिना किसी डर के सड़कों पर निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बिहार में बहुत अच्छा काम कर रही है ।इस दौरान उन्होंने कहा कि दो बार हमने पार्टी के कुछ लोगों के कहने पर वहां (महागठबंधन) जाकर गलती की। लेकिन अब हमने तय किया है कि ऐसा दोबारा कभी नहीं होगा। यह गलत है। मुझे मुख्यमंत्री किसने बनाया था? अटल बिहारी वाजपेयी ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया था। हम कैसे भूल सकते हैं?

आप ने भाजपा सरकार पर फरिश्ते दिल्ली के योजना को बंद करने का आरोप लगाया

एजेंसी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत दिल्ली सरकार पर ह्यफरिश्ते दिल्ली केह्न योजना को बंद करने का आरोप लगाया। फरिश्ते दिल्ली के योजना के तहत सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए लोगों को निजी अस्पतालों में मुफ्त चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाती है। भाजपा ने आप के इस आरोप पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है ।आप की दिल्ली इकाई के प्रमुख और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री

सौरभ भारद्वाज ने एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि पूर्ववर्ती ह्यआपह्न सरकार द्वारा शुरू की गई इस पहल से हजारों लोगों की जान बचाने में मदद मिली थी, लेकिन अब इसे बंद किया जा रहा है। भारद्वाज ने सवाल किया, ह्यह्यऐसी अच्छी योजना जो लोगों की जान बचाती है, उसे कोई कैसे बंद कर सकता है? भाजपा सरकार ने इसे बजट से हटा दिया है ।साल 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा शुरू की गई ह्यफरिश्ते दिल्ली के योजना के तहत सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए लोगों का निजी अस्पतालों में इलाज कराया जाता है और इलाज का पूरा खर्च सरकार उठाती है, ताकि राहगीर वित्तीय बोझ के डर के बिना घायलों की सहायता करने के लिए प्रोत्साहित हों।

ईद से पहले सड़कों पर नमाज पढ़ने का मुद्दा गरमाया, विवाद पर क्या बोले चिराग पासवान

एजेंसी

पटना: पिछले कुछ सालों में सड़कों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर नमाज अदा करना एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनकर उभरा है। हाल ही में, यह मुद्दा तब सुर्खियों में आया जब उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में जिला प्रशासन ने ईद के दौरान सड़कों पर नमाज अदा करने की अनुमति देने के खिलाफ सख्त रुख अपनाया ।केंद्रीय मंत्री और भाजपा के सहयोगी चिराग पासवान ने मुसलमानों द्वारा सड़कों पर नमाज

अदा करने के खिलाफ किए जा रहे प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि ये बेकार के विषय हैं और देश में कई अन्य बड़े मुद्दे हैं जिन पर चर्चा की जरूरत है ।टाइम्स नाउ के एक कार्यक्रम में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता से पूछा गया कि सड़कों पर नमाज अदा करने के विरोध पर उनका क्या कहना है। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'यह बेकार की बात है। इस पर चर्चा ही नहीं होनी चाहिए, यह निरर्थक है। देश में कई बड़े मुद्दे हैं जिन पर हमें चर्चा करने की जरूरत है। समस्या यह है कि जब हम इन अप्रासंगिक विषयों पर बात करना शुरू करते हैं, तो समाज और देश में तनाव का माहौल पैदा होता है।

गोपालगंज रैली में अमित शाह ने लालू यादव पर जमकर निशाना साधा

एजेंसी

पटना: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को बिहार के गोपालगंज जिले में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद पर निशाना साधा। शाह ने साफ तौर पर कहा कि जो लोग गायों का चारा खाते हैं, वह बिहार के लोगों के कल्याण के बारे में नहीं सोच सकते ।गोपालगंज जिले में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'केंद्र और बिहार दोनों जगह की राजग सरकारें राज्य के समग्र विकास के लिए काम कर रही हैं। जो लोग जानवरों का चारा खाते हैं, वे राज्य के लोगों के कल्याण के बारे में नहीं सोच सकते। लालू जी अलकतरा घोटाला, बाढ़ राहत सामग्री आपूर्ति घोटाला, चरवाहा विद्यालय घोटाला में शामिल थे, उन्होंने गायों का चारा भी खाया।' भाजपा नेता ने लालू-राबड़ी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'यहां (बिहार) लालू-राबड़ी सरकार और केंद्र में सोनिया-मनमोहन सरकार ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया। लालू प्रसाद ने सिर्फ अपने परिवार के लिए काम किया।' उन्होंने कहा, 'लालू प्रसाद ने अपने दोनों बेटों को मुख्यमंत्री बनाने की कोशिश की। अपनी पत्नी को बिहार का मुख्यमंत्री बनाने की तैयारी कर रहे हैं, अपनी बेटी को राज्यसभा भेजा, लेकिन लोगों के लिए कुछ नहीं किया। जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राजग सरकार बिहार के समग्र विकास के लिए काम कर रही है।' शाह ने कहा कि अगले पांच सालों में बिहार को बाढ़ मुक्त बना दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार बिहार में देवी सीता के जन्मस्थान (पुनौरा धाम) पर एक विशाल मंदिर का निर्माण भी कर रही है।

बरेली: ईद पर मुस्लिम महिलाओं को मिली सौगाते-मोदी,

बोलीं, जीते रहें मोदी भईया

एजेंसी

बरेली. उत्तर प्रदेश के बरेली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से दी गई सौगात का असर अब साफ नजर आने लगा है. यहां मुस्लिम अल्पसंख्यक मोर्चा के गरीब मुस्लिम परिवारों को ईद के मौके पर खास किट का वितरण किया गया. इस पहल से गरीब मुस्लिम महिलाओं और परिवारों में खुशी देखने को मिली. दरअसल बरेली में मुस्लिम अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों मुस्लिम महिलाएं और पुरुष पहुंचे. सभी को राशन किट दी गई, जिसमें खाने-पीने की जरूरी चीजें शामिल थीं.टीवी9 डिजिटल से बात करते हुए ने मुस्लिम महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की. महिलाओं का कहना था कि यह पहली बार हुआ है जब किसी प्रधानमंत्री ने गरीब मुसलमानों की चिंता की है और ईद के मौके पर उनके लिए खास

इंतजाम किया है. एक महिला ने कहा पहली बार ऐसा हो रहा है कि ईद से पहले हमें सरकार से इतनी बड़ी मदद मिली है. मोदी जी का शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने हमारा ख्याल रखा. अब हम ईद अच्छी तरह से मनाएंगे.वहीं, मुस्लिम अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष परवेज ने कहा कि इस अभियान की शुरूआत बरेली से हो चुकी है और इसे आगे भी जारी रखा जाएगा. उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत ज्यादा से ज्यादा गरीब मुस्लिम परिवारों तक राहत पहुंचाने की योजना है. ताकि कोई भी जरूरतमंद बिना मदद के न रहे. ईद मुसलमानों के लिए सबसे बड़ा त्योहार होता है, लेकिन कई गरीब परिवार ऐसे हैं जिनके पास त्योहार मनाने के लिए भी पर्याप्त संसाधन नहीं होते. इसी को देखते हुए सरकार की तरफ से यह पहल की गई है, जिससे जरूरतमंदों को जरूरी सामान मिल सके और वह खुशी से अपना त्योहार मना सकें.बरेली में हुए इस आयोजन में महिलाओं की भीड़ यह साबित कर रही थी कि यह योजना उन तक सही तरीके से पहुंच रही है और इसका लाभ भी मिल रहा है. राशन किट में आटा, चावल, दाल, चीनी, तेल और बाकी जरूरत की चीजें दी गईं,

देश के 100 प्रभावशाली व्यक्तियों में 59वें स्थान पर चिराग पासवान

पार्टी के शीर्ष नेताओं ने दी बधाई

इस उपलब्धि पर पार्टी के प्रधान महासचिव संजय पासवान, संसदीय बोर्ड अध्यक्ष हुलास पाण्डेय, युवा प्रदेश अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडेय, प्रचार-प्रसार प्रमुख संजय सिंह, मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट, छात्र प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस मृणाल, महिला प्रदेश अध्यक्ष शोभा पासवान, समेत कई अन्य नेताओं ने चिराग पासवान को बधाई दी और इसे पार्टी के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को देश के 100 प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में 59वें स्थान पर स्थान मिला है। प्रतिष्ठित मीडिया सर्वे के इस नतीजे से पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह है। यह रैंकिंग चिराग पासवान की अटूट प्रतिबद्धता, कुशल नेतृत्व और भारतीय राजनीति में बढ़ते प्रभाव को दर्शाती है। लोजपा (रामविलास) एनडीए के प्रमुख घटक दलों में से एक है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों में सक्रिय भागीदारी निभाती रही है। खासतौर पर युवा पीढ़ी चिराग पासवान की प्रगतिशील सोच को पसंद करती है और उन्हें बिहार के भविष्य के रूप में देखती है।पार्टी कार्यकताओं का मानना है कि आने वाले वर्षों में चिराग पासवान शीर्ष 10 प्रभावशाली व्यक्तियों में जगह बना सकते हैं। प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने कहा कि यह उपलब्धि पार्टी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि इस खबर से लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, जमुई सांसद अरुण भारती, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सत्यानंद शर्मा, डॉ. शाहनवाज अहमद कैफी, राष्ट्रीय सचिव अरविंद सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेंद्र कुमार मुन्ना, युवा राष्ट्रीय महासचिव अनिल पासवान, समेत कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने हर्ष व्यक्त किया है।

पूर्व मंत्री शयामल नबी के निधन पर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार सहित वरिष्ठ नेताओं ने जताया शोक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. रविवार, 30 मार्च 2025 बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं बिहार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शमायल नबी साहब के निधन पर बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने गहरा दुःख व्यक्त किया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा की शमायल नबी के निधन से पार्टी और समाज को भारी क्षति हुई है। उन्होंने उनके निधन पर परिजनों से मिलकर ढांढ़स बढ़ाया।प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार उनके पार्थिव शरीर का दर्शन करने भी पहुंचे।दुःख व्यक्त करने वालों में कांग्रेस विधानमंडल दल नेता डॉ शकील अहमद खान, विधान परिषद में पार्टी के नेता डॉ मदन मोहन झा, राज्यसभा सांसद व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह, एआईसीसी के पूर्व महासचिव व सांसद तारिक अनवर, कांग्रेस मीडिया विभाग चेयरमैन राजेश राठौड़ मोतीलाल शर्मा, जमाल अहमद भल्लू, अजय चौधरी, आनंद माधव, डॉ स्नेहाशीष वर्धन पांडेय, सौरभ सिंहा, शशि रंजन यादव, अरशद अब्बास आजाद, राजीव मेहता, मंजीत आनंद साहू सहित अन्य नेतागण शामिल रहें।

राहुल हत्याकांड मामले में जांच के लिए वारिसनगर के रहुआ पहुंचे एसपी अशोक मिश्रा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/वारिसनगर :- एसपी अशोक मिश्रा ने शनिवार की शाम वारिसनगर थाना क्षेत्र के रोहुआ पुर्वी पंचायत के बहतवारा दुर्गा मंदिर के समीप 25 मार्च को एक युवक के आम के पेड़ में टांगकर की गईं हत्या मामले में घटनास्थल पर जाकर जायजा लिया। मौके पर थानाध्यक्ष निरंजन कुमार से पूछताछ करने के बाद कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये।बता दें कि पुत्र की हत्या मामले में मृतक की मां सुनीता देवी ने तीन लोगो पर हत्या का प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसके बाद एसपी वारिसनगर थाना पर पहुंचकर थाने का निरीक्षण करने के साथ विधि व्यवस्था के संघारण की स्थिति का भी जायजा लिया। साथ ही उन्होंने थाना अध्यक्ष से शांतिपूर्ण दुर्गा पूजा, ईद,रामनवमी पर विशेष चौकसी बरतने को कहा। मौके पर पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

समस्तीपुर मंडल भंडार डिपो के रेल कर्मी संतोष कुमार निराला को उत्कृष्ट कार्य के लिए किया गया सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : मंडल भंडार डिपो में वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक प्रशासन सम्मान समारोह आयोजित किया गया।जिसमें भंडार डिपो के रेल कर्मी संतोष कुमार निराला को वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक प्रशासन गौरव सिंह के द्वारा उत्कृष्ट कार्य के लिए मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। मौके पर सहायक सामग्री प्रबंधक डिपो सहायक कारखाना प्रबंधक एवं सैकड़ों रेल कर्मचारी उपस्थित थे।

हुसैनगंज सुबह 6 बजे से शुरू हो जाएगी ईद की नमाज नए कपड़े, पकवान एवं सिवइयों की हो चुकी है तैयारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज, एक संवाददाता।प्रखंड के विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में आज ईदुल फितर की नमाज अदा की जायेगी जिसके लिए मस्जिदों एवं ईदगाहों की साफ सफाई व रंग रोगन पहले ही किया जा चुका है।प्रखंड के किसी मुसलमान की ईद की नमाज नही छूटे, इसके लिए सभी जगह ईद की नमाज की टाइमिंग अलग अलग रखी गई है।मोहम्मद रहमतुल्लाह ने बताया कि हुसैनगंज प्रखंड के माहपुर स्थित मदीना मस्जिद में सबसे पहले सुबह 6:10 बजे ईद की नमाज अदा की जायेगी। उसके बाद हुसैनगंज चट्टी स्थित फातिमा मस्जिद एवं सलोनेपुर स्थित बेलाल मस्जिद में 6:30 में नमाज अदा की जायेगी।मौलाना सज्जाद हुसैन ने बताया कि गड़ार छोटी मस्जिद एवं बल्ली की मस्जिद में 7:15 बजे सुबह ईदुल फितर की नमाज अदा होगी। वहीं हुसैनगंज ईदगाह, खैरांटी ईदगाह, गड़ार जामा मस्जिद एवं फाजिलपुर ईदगाह में 7:30 में ईद की नमाज अदा होगी।उसके बाद अंत में दरवेशपुर एवं सरेया ईदगाह में 8 बजे ईद की नमाज अदा की जायेगी। बूढ़े, बच्चे, युवा व महिलाएं सभी नए कपड़ों में सजधज कर ईद मनाने की तैयारी में हैं।सिवइयों एवं पुलाव बनाने के सामान भी किचन में रखे जा चुके हैं।सुबह सवेरे नहा धोकर नए कपड़े में सजकर सभी अपने अपने क्षेत्र के मस्जिदों अथवा ईदगाहों में तकबीर पढ़ते हुए जायेंगे।नमाज अदा करने के पहले फितरा अदा कर देना जरूरी है।

मशरक में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के सोनौली गांव में आइडियल पब्लिक स्कूल के प्रांगण में छपरा के निजी अस्पताल के सौजन्य से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।शिविर का आयोजन मणीकांत सिंह उर्फ राजाबाबू के सौजन्य से आयोजित किया गया था। मौके पर चिकित्सक डॉ रवि कुमार, डॉ विश्वजीत कुमार समेत अन्य मौजूद रहें। शिविर में आए मरीजों का चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क चेकअप व इलाज किया गया।चिकित्सकों ने निःशुल्क जांच शुरू किया।जांच के दौरान आए मरीजों का सुगर, श्वास, ब्लड, हार्ट आदि का चेकअप किया गया। इसके बाद मरीजों को चिकित्सकों ने निःशुल्क दवाओं का भी वितरण किया।

गृहमंत्री की रैली में जा रहें भाजपा मंडल अध्यक्ष समेत दो सड़क दुर्घटना में घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

गोपालगंज में गृह मंत्री की रैली में शामिल होने जा रहे मशरक भाजपा मंडल अध्यक्ष दुर्गेश कुमार गुप्ता और एक कार्यकर्ता? स्कारपियो दुघर्टना में घायल हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराए गए। घायल मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के गोला रोड निवासी भाजपा मंडल अध्यक्ष दुर्गेश कुमार गुप्ता और पचखंडा गांव निवासी नन्हे सिंह हैं। घायल भाजपा मंडल अध्यक्ष दुर्गेश कुमार गुप्ता ने बताया कि वे स्कारपियो में सवार होकर काफिले के साथ गोपालगंज में गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे कि मोहम्मदपुर में पीछे से चार चक्का वाहन ने टक्कर मार दी जिसमें दोनों घायल हो गए। घायल हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गये।

ईद, छठ, चैत नवरात्रि और रामनवमी पर्व को लेकर फ्लैग मार्च

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना पुलिस ने एसपी डॉ कुमार आशीष के निदेर्शानुसार असामाजिक तत्वों में भय उत्पन्न करने, बेहतर विधि-व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा आगामी पर्व ईद, छठ ,चैत नवरात्रि एवं रामनवमी को शांतिपूर्ण एवं सौहाद्रपूर्ण माहौल में संपन्न कराने हेतु थाना क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह,सीओ सुमंत कुमार, बीडीओ पंकज कुमार और थानाध्यक्ष रणधीर कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी और भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहें।फ्लैग मार्च थाना परिसर से निकाला गया जो अस्पताल चौंक, दुर्गा चौंक, महावीर चौक, महाराणा प्रताप चौंक होते हुए अन्य इलाकों से गुजरा। सीओ सुमंत कुमार ने सभी से सभी त्योहार शांतिपूर्ण और आपसी प्रेम के साथ मनाने की अपील की गयी। त्योहार में विधि

व्यवस्था भंग करने वालों किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सभी ईदगाह में पुलिस बल के साथ मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाएंगी। थानाध्यक्ष रणधीर कुमार ने बताया कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।संवेदनशील क्षेत्रों में सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे।विशेष फोर्स संवेदनशील क्षेत्रों पर नजर रखेगी। राम नवमी, छठ, चैत्र नवरात्रि और ईद के दौरान जुलूस और भीड़ वाले इलाकों की विशेष निगरानी की जाएगी। इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर साइबर पुलिस की विशेष नजर हैं ,किसी भी प्रकार के पोस्ट जिंससे सामाजिक सौहार्द बिगड़ने वाला हो वैसा पोस्ट न करें न ही शेयर करें।वैसे लोगों पर कानूनी कार्रवाई की जाएंगी।बीडीओ पंकज कुमार ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी पर्व खुशियाली का प्रतीक है, इसलिए इस बार पर्व त्योहार को आपसी भाईचारे के साथ मनाते हुए भाईचारे का एक मिशाल कायम करना है।

मैट्रिक में बेहतर अंक लाने पर शाह जफर इमाम ने छात्र छात्राओं को दी बधाई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।रविवार को गोल्फ फील्ड रेलवे कॉलोनी उच्च माध्यमिक विद्यालय समस्तीपुर के पूर्व प्राचार्य एवं मौलाना मजहरूल हक अरबी फारसी विश्वविद्यालय पटना के सीनेट सदस्य शाह जफर इमाम ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कल बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा जारी मैट्रिक 2025 के रिजल्ट में समस्तीपुर जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र - छात्राओं के बेहतर परिणाम पर खुशी जाहिर की है।उन्होंने कहा कि राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली जेपीएनएस उच्च माध्यमिक विद्यालय, नरहन की छात्रा साक्षी कुमारी सहित टॉप टेन में समस्तीपुर के लगभग एक दर्जन छात्र - छात्राओं ने स्थान प्राप्त किया है, जो समस्तीपुर जिले के लिए गर्व की बात है।हम ऐसे सभी छात्र - छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं सम्बंधित विद्यालयों के शिक्षकों को दिल की गहराइयों से मुबारकबाद देते हैं।टॉप टेन में आने वाले अधिकांश छात्र - छात्राएं ग्रामीण इलाकों के साथ - साथ सामान्य और गरीब परिवारों से आते हैं।हम ऐसे सभी प्रतिभाशाली छात्र - छात्राओं के बेहतर भविष्य की कामना करते हुए उनसे उम्मीद करते हैं कि भविष्य में भी अपने कैरियर में बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में ऊंचा स्थान प्राप्त कर अपने परिवार और गांव समाज का नाम रौशन करेंगे।लगभग एक दर्जन छात्र - छात्राओं ने स्थान प्राप्त किया है, जो समस्तीपुर जिले के लिए गर्व की बात है।हम ऐसे सभी छात्र - छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं सम्बंधित विद्यालयों के शिक्षकों को दिल की गहराइयों से मुबारकबाद देते हैं।टॉप टेन में आने वाले अधिकांश छात्र - छात्राएं ग्रामीण इलाकों के साथ - साथ सामान्य और गरीब परिवारों से आते हैं।

दावत - ए - इफ्तार पार्टी में पहुंचे मंत्री अशोक चौधरी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।शहर के धर्मपुर स्थित क्वालिटी रेस्टोरेंट में शनिवार को दावत - ए - इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। दावत - ए - इफ़्तार पार्टी में ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, श्रीमती अश्वमेघ देवी, तारिक रहमान बॉबी, डॉ दुर्गेश राय, पूर्व डिप्टी मेयर शारिक रहमान लवली, एनडीसी सह अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी रजनीश कुमार रॉय, डॉ रिजवान साहब, अनिल सिंह, बनारसी ठाकुर, रजीउल इस्लाम उर्फ रिज्जो, अंजनी कुशवाहा, आर कौशलेंद्र, एजाजुल हक नन्हें, आदिल खान, मोतवल्ली मख़्दूमजलाल पीर साहब मजार शरीफ से शब्बीर फरीदी, प्रकाश कुमार, मनव्वर मुखिया, शर्फु भाई, इमाम भाई, मजहर इमाम मुन्नू बाबू ,अफरोज आलम, अब्दुल रकीब, अमानुल इस्लाम पीला भाई, आतिफ वासफी के अलावा गणमान्य लोग शरीक हुए।मेहमानों का इस्तेकबाल हमारे अजीज दोस्त फैजल मंसूर साहब ने किया। रमजान हमें अमन और गंगा जमुनी तहजीब का पैगाम देता है। हमारा देश हमेशा भाईचारगी और मोहब्बत की खुशबू से महकता रहे।

गोपालगंज में गृह व सहकारिता मंत्री की जन सभा में शामिल होने को काफिला रवाना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक और तरैया थाना क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता गोपालगंज में गृहमंत्री व सहकारिता मंत्री अमित शाह के जनसभा में शामिल होने को काफिला महावीर चौक से रवाना हुआ। काफिले में तरैया भाजपा विधायक जनक सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष दुर्गेश कुमार गुप्ता, नंदन बाबा,विनय कुमार सिंह, बसंत सिंह,मनोज सिंह, मुसाफिर सिंह, नन्हे सिंह, कृष्णा प्रसाद,शिव कुमार गुप्ता समेत अन्य मौजूद रहें।

हिन्दी दैनिक पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,सोमवार | 31 मार्च 2025 | वर्ष : 03 अंक :87 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

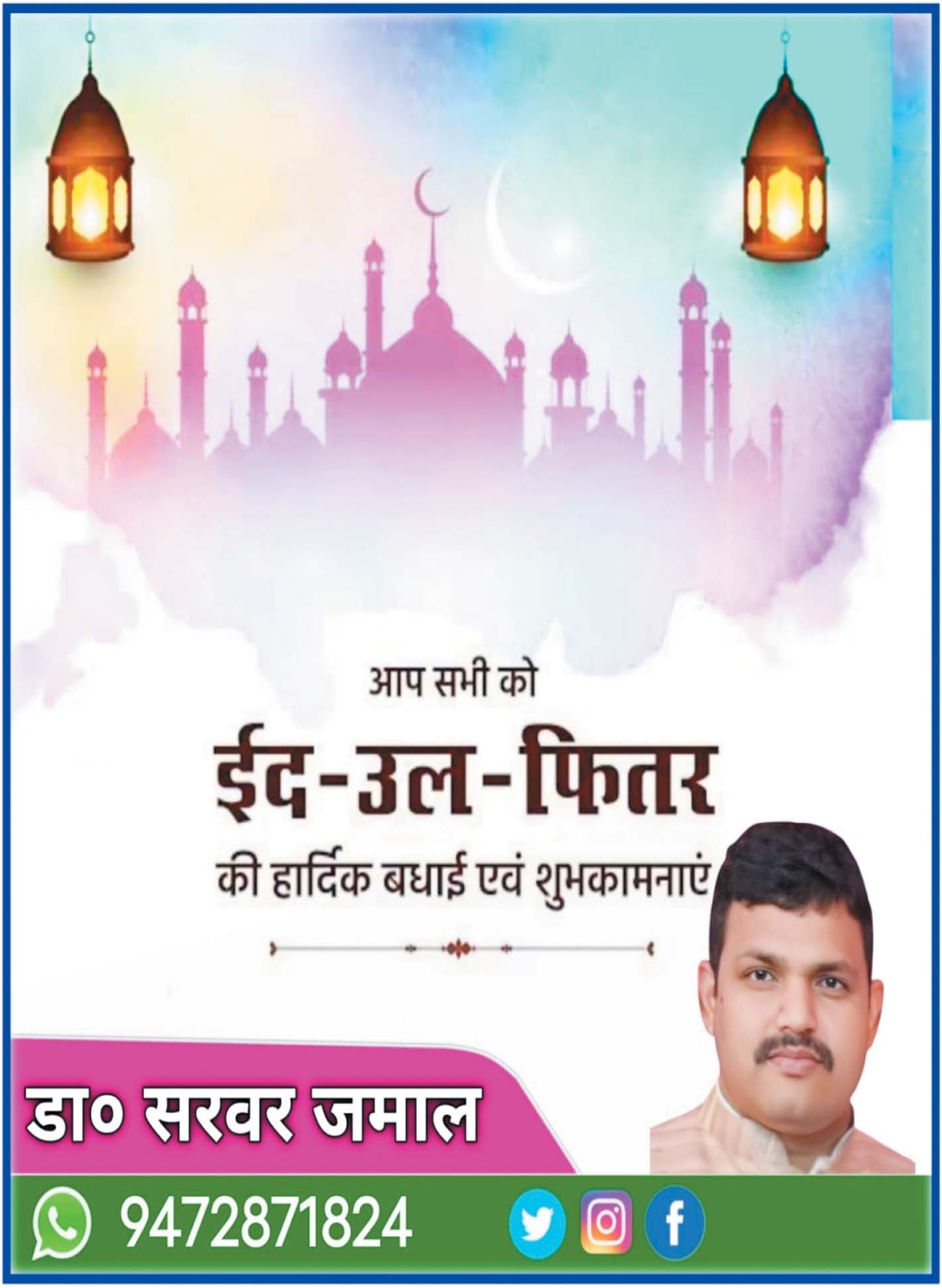

चांद का हुआ दीदार आज मनाई जाएगी ईद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी- चांद का दीदार हो जाने से 31 मार्च को ईद मनाई जाएगी। 29 रोजा पूर्ण होते ही मुस्लिम समुदाय चांद के दीदार के लिए तत्पर दिखे। बहुत से लोगों ने चांद दिखे जाने की पुष्टि की। मुस्लिम समुदाय सोमवार को ईद मनायेंगे। मुस्लिम समुदाय ने रमजान महीना में रोजा रखने के साथ ही अपना अधिकांश समय इबादत में गुजारा। बड़े, बुजुर्ग, युवा के साथ ही बच्चों ने भी रोजा रखा और अभिभावक के साथ इबादत किया। यहां तक की 9 वर्षीय मुसदीक ने एतिकाफ पर खूब इबादत की। रमजान को नेकियों का महीना कहा जाता है। इबादत कर लोगों ने अपने मगफिरत की दुआ और समाज के खुशहाली की दुआ भी की। जरूरतमंदों को जकात और फितरा की राशि से सहयोग की गई ताकि वह भी ईद की खुशी हासिल कर सकें।

खरीदारी करते नजर आए मुस्लिम समुदाय - रमजान के आखिरी हिस्से में खरीदारी करते नजर आए। चांद की पुष्टि के पश्चात शाम में बाजार में रौनक आ गई। 10-11 बजे रात्रि तक ईद की मार्केटिंग की जा रही है। लोगों में खासा उत्साह है। विशेष कर बच्चों और महिलाओं में। 29 के चांद नजर आने पर उत्साह और बढ़ जाता है। बाजार में कपड़े, जुता चप्पल, श्रृंगार के दूकान पर अच्छी खासी भीड़ देखने को मिल रही है।

ईदगाह एवं मस्जिद में ईद की नमाज अदा होगी - ईद की नमाज ईदगाह एवं मस्जिद में अदा की जायेगी। ईदगाह की साफ सफाई व पेंटिग रमजान से पूर्व की जा चुकी है।

क्या कहते हैं मुस्लिम धर्म गुरू एवं बुद्धिजीवी

ईद पर्व इस्लाम धर्म में विशेष महत्व रखता है और इसे रमजान के पवित्र महीने के समापन के बाद मनाया जाता है। ईद प्रेम, सौहार्द्र और भाईचारे का संदेश देता है। ईद-उल-फितर का अर्थ है रोजा खोलने की खुशी। रमजान का महीना त्याग, इबादत और संयम का होता है।

मो कमर अख्तरअध्यक्ष मुस्लिम सिटीजन्स फॉर एम्पावरमेंट

मुस्लिम समुदाय रमजान में सूर्योदय से सूर्यास्त तक उपवास रखते हैं, पांच वक्त की नमाज अदा करते हैं और दान-पुण्य में हिस्सा लेते हैं। जब रमजान समाप्त होता है, तो ईद का त्योहार चांद के दीदार के बाद मनाया जाता है। ईद का दिन दुआओं, नेक कार्यों और खुशियों का दिन होता है।

मो अरमान अली
पूर्व अध्यक्ष मदरसा रहमानिया, मेहसौल

ईद के दिन सुबह विशेष ईद की नमाज अदा की जाती है, जिसमें लोग मस्जिदों और ईदगाहों में इकट्ठा होकर अल्लाह का शुक्रिया अदा करते हैं। नमाज के बाद एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद देते हैं।

मौलाना अब्दुल वदूद
पूर्व प्राचार्य मदरसा रहमानिया, मेहसौल

ईद के पर्व पर खास परंपरा जकात और फितरा देने की भी है, जिसके तहत गरीबों और जरूरतमंदों की मदद की जाती है। यह दान इसलिए दिया जाता है ताकि समाज के सभी वर्ग ईद की खुशियों में शामिल हो सकें।

ईद पर घरों में विशेष पकवान बनाए जाते हैं, जिनमें सेवइयां और मीठे व्यंजन प्रमुख होते हैं।

मो ज्याउल्लाहसांइस फॉर ऑल सीतामढ़ी

सिवान (जमाले फारूक) ईद की नमाज शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में कब और कहां, अदा की जाएगी उसकी सूची समय,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

नया किया नवलपुर ईदगाह	8:15
दरबार मस्जिद	8:00
चौक बाजार बड़ी मस्जिद	8:00
शेख मोहल्ला ग्यारहवीं मस्जिद	7:45
शेख मोहल्ला मस्जिदें सिद्दीक	7:30
खानकाह अमजदिया मस्जिद	7:30
पुराना किला चिक टोली मस्जिद	8:30
पुराना किला जामा मस्जिद	7:30
नया किला जामा मस्जिद	7:30
इस्लामिया हाई स्कूल ईदगाह	6:15
रजिस्ट्री कचहरी मस्जिद	8:00
कागजी मोहल्ला मस्जिद	7:45
मखदूम सराय आसी जामा मस्जिद	7:45
मखदूम सराय पूरब टोला मस्जिद	7:30
एम एम कॉलोनी बेलाल मस्जिद	7:30
एम एम कॉलोनी हैदरी मस्जिद	7:30
हाफिजी चौक करीम शाह मस्जिद	8:30
शुक्ला टोली मदरसा स्थित मस्जिद	7:30
कुतुब छपरा दाता नगर ईदगाह	8:00
पचरुखी सुपौली ईदगाह	8:00
माहपुर अतरसुवा ईदगाह	7:30
हसनपुरा ईदगाह	7:00
आन्दर बाजार स्थित मस्जिद	8:00
आन्दर फिरोजपुर ईदगाह	8:00
आन्दर खुजवां ईदगाह	8:00
आन्दर जमालपुर ईदगाह	8:00
मंदरापाली जाफरिया मस्जिद	8:30
मंदरापाली मस्जिद	8:00
फाजिलपुर शिया मस्जिद	8:00
गोपालपुर, भीखपुर शिया मस्जिद	8:30
बंगरा, अभूउई शिया मस्जिद	8:30
खुजुआ, कर्णपुरा शिया मस्जिद	8:30

एनएसयूआई के पटना विवि छात्रसंघ विजेताओं और रनर अप सहित पदाधिकारियों का प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने किया अभिनंदन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के डाक-बंगला चौंक अवस्थित मां सिद्धिदात्री मंदिर परिसर में चैत नवरात्रि के शुरूआत कलश स्थापना से की गयी। पुरोहित उपेन्द्र तिवारी ने बताया कि चैत्र मास की नवरात्रि रविवार 30 मार्च से शुरू होकर 06 अप्रैल तक रहेगी। पहले दिन आदिशक्ति मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप देवी शैलपुत्री की पूजा-अर्चना, घटस्थापना व दुर्गा सप्तशती के पाठ से प्रारंभ हुआ। इस दौरान साधक नौ दिनों तक अनुष्ठान में लीन रहेंगे। मंदिर को साफ-सुथरा कर सुसज्जित लाइट से सजाया गया है। पहले दिन माता का दरबार लाल फूलों से सजाया गया था। सुबह पांच बजे माता का पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह मंगल आरती के बाद मंदिर में कलश स्थापन की गई। इस दौरान कमेटी के सदस्य एवं सेवादार उपस्थित थे। शाम 6.30 बजे मंदिर प्रांगण में 101 दीपक की दीपमाला की गई। इस दौरान सीमित संख्या में श्रद्धालुओं को माता के दर्शन कराए गए।

बरौनी में हुआ ज्वेलरी शॉप का शुभ उदघाटन

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा):- केवटी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक और तत्कालीन राज्य सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे शमायले नवी का रविवार तड़के निधन हो गया। वे 92 वर्ष के थे। वे कांग्रेस सांसद तारीक अनवर के ससुर थे। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उनके निधन पर प्रो. मो. मोहसिन, डॉ. शहजाद मंजर, मुखिया फतेह अहमद, पूर्व मुखिया जयशंकर मिश्रा और बाबू साहेब झा ने शोक जताया। सभी ने उनकी आत्मा की शांति की कामना

चैती नवरात्र में दुर्गा मंदिर में कलश स्थापना , पूजा अर्चना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के डाक-बंगला चौंक अवस्थित मां सिद्धिदात्री मंदिर परिसर में चैत नवरात्रि के शुरूआत कलश स्थापना से की गयी। पुरोहित उपेन्द्र तिवारी ने बताया कि चैत्र मास की नवरात्रि रविवार 30 मार्च से शुरू होकर 06 अप्रैल तक रहेगी। पहले दिन आदिशक्ति मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप देवी शैलपुत्री की पूजा-अर्चना, घटस्थापना व दुर्गा सप्तशती के पाठ से प्रारंभ हुआ। इस दौरान साधक नौ दिनों तक अनुष्ठान में लीन रहेंगे। मंदिर को साफ-सुथरा कर सुसज्जित लाइट से सजाया गया है। पहले दिन माता का दरबार लाल फूलों से सजाया गया था। सुबह पांच बजे माता का पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह मंगल आरती के बाद मंदिर में कलश स्थापन की गई। इस दौरान कमेटी के सदस्य एवं सेवादार उपस्थित थे। शाम 6.30 बजे मंदिर प्रांगण में 101 दीपक की दीपमाला की गई। इस दौरान सीमित संख्या में श्रद्धालुओं को माता के दर्शन कराए गए।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारीयो, की समीक्षात्मक बैठक हुई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारीयो, की समीक्षात्मक बैठक हुई आयोजित।

मधुबनी 30 मार्च 2025 जिला पदाधिकारी, मधुबनी की अध्यक्षता में समहारणालय स्थित सभा कक्ष में सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने महिला एवं बाल विकास मन्त्रालय द्वारा संचालित पोषण ट्रैकर के महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को पोषण ट्रैकर के सभी मापदंडों पर सेविकाओं एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं से ससमय सही-सही प्रविष्टि सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। साथ ही आंगनवाड़ी केंद्रों के भवन निर्माण हेतु चिह्नित भूमि का अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त कर मनरेगा से भवन निर्माण यथाशीघ्र पूर्ण कराने हेतु निदेशित किया गया। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना एवं मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना में मधुबनी जिला के सतोषप्रद प्रदर्शन पर सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को बधाई दिया गया एवं भविष्य में मधुबनी जिले के सभी मापदंडों पर उच्चतर प्रदर्शन बनाए रखने हेतु निदेशित किया गया। डा० ललिता कुमारी, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, आई.सी.डी.एस. ने समीक्षा के क्रम में कहा कि अगली बैठक से पूर्व सभी मापदंडों पर जिले का प्रदर्शन सुदृढ़ कर लिया जाएगा। बैठक में सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, मधुबनी; स्मित *प्रतीक सिन्हा, जिला समन्वयक, सक्षम आंगनवाड़ी एवं मिशन पोषण 2.0, मधुबनी; शअभिषेक कुमार, प्रतिनियुक्त प्रखण्ड समन्वयक; श्री अजीत कुमार, एवं अन्य उपस्थित थे।

आग लगने से झोपड़ी नुमा घर जलकर हुआ खाक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के मथुरापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नागरबस्ती बहादुरगंज वार्ड संख्या 2 में संध्या आग लगने से एक झोपड़ी नुमा मकान जलकर राख हो गया। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण जुटे और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। भाग अच्छा था कि जिस समय घर में आग लगी उस समय घर में कोई मौजूद नहीं था वरना किसी की भी जान जा सकती थी। किसी ने इसकी जानकारी अग्नि शमन दस्ता को दी, अग्नि शमन दस्ता जबतक पहुंचते उनके आने से पूर्व ग्रामीणों ने आग बुझाने में सफलता हासिल कर ली। सूत्रों ने बताया कि किसी ने दुश्मनी के कारण झोपड़ी में आग लगा दी जिससे झोपड़ी नुमा घर जलकर खाक हो गया। पीड़ित की पहचान स्व लक्ष्मी साह का पुत्र अनिल साह के तौर पर हुई है। इधर अग्नि शमन दस्ता मौके पर पहुंचे और अपने स्तर से जांच पड़ताल कर रहे हैं।

अगलगी से बचाव को लेकर बताया गया गुर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। अगलगी से बचाव को ले प्रशिक्षण देते अधिकारी जिले में हो रही अगलगी घटनाओं को देखते हुए समस्तीपुर जिला अग्निशामक दल द्वारा किसान की फसलों और झुग्गी - झोपड़ियों में आग से बचाव को लेकर लगातार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला अग्निशामक पदाधिकारी के निर्देश पर फायर ब्रिगेड के टीम द्वारा गांव के झुग्गी झोपड़ी में आग से बचाव को लेकर जन जागरूकता चलाया चलाया जा रहा है। प्रशिक्षण दल जिले में विभिन्न प्रखंडों और गांवों के सुदूर देहात गांव में डोर टू डोर जाकर लोगो में अगलगी से बचाव और सुरक्षा करने का उपाय बता रहे हैं, ताकि परिस्थिति में ग्रामीण अपने घर और फसल की सुरक्षा कर सके।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री शमायले नवी का 92 साल की उम्र में निधन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा):- केवटी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक और तत्कालीन राज्य सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे शमायले नवी का रविवार तड़के निधन हो गया। वे 92 वर्ष के थे। वे कांग्रेस सांसद तारीक अनवर के ससुर थे। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उनके निधन पर प्रो. मो. मोहसिन, डॉ. शहजाद मंजर, मुखिया फतेह अहमद, पूर्व मुखिया जयशंकर मिश्रा और बाबू साहेब झा ने शोक जताया। सभी ने उनकी आत्मा की शांति की कामना की।

अग्नि पीड़ितों को समाज सेवी राजू सहनी के द्वारा किया गया मदद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय प्रखंड अंतर्गत हरिशंकरपुर गांव में अगलगी की घटना के शिकार हुए परिवारों के बीच जिले के चर्चित समाजसेवी उजियारपुर प्रखंड के भगवानपुर कमला गांव निवासी युवा समाजसेवी भाई राजू सहनी के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने रविवार को मुलाकात किया तथा उनका हालचाल जाना। इस दौरान युवा समाजसेवी भाई राजू सहनी के टीम के सदस्यों ने अग्निपीड़ित सभी 06 परिवारों के बीच प्रति परिवार 02 बैग चावल, 10 किलो मसुर दाल, 02 क्विंटल आलू, 05 किलो नमक, 05 लीटर सरसों तेल, 02 किलो मसाला, 01 किलो सत्तू, 03 किलो चुड़ा, 01 किलो गुड़, 06 सेट साड़ी, 06 सेट गमछा, 06 सेट गंजी, 10 पीस का खाना बनाने वाला बर्तन सेट, जिसमें बड़ा व छोटा टोकना, 02 थाली, 02 ग्लास, 02 करछुल, सर्फ, साबुन रोटी बनाने वाली तावा, कड़ाही समेत अन्य सामान भी शामिल था आदि का वितरण किया। इस संबंध में अग्नि पीड़ित परिवार की महिला राधा देवी का बताना है कि उनके घर के बगल से 11 हजार वोल्ट बिजली का तार गया हुआ है। जिसमें हुई शॉर्ट सर्किट से उनलोगों के घरों में आग लग गयी। जिसकी सुचना किसी तरह उजियारपुर प्रखंड के भगवानपुर कमला गांव निवासी राजु सहनी को हुई। जिसके बाद उन्होंने उन दुखियारी लोगों की सहायता करने अपने टीम के लोगों को भेजें हैं। जिनके द्वारा करीब 60 - 70 हजार रुपए का सारा सामान दिया गया है। जिसमें चावल, दाल, आलू, प्याज, मसाला बर्तन सेट, कपड़ा आदि शामिल है। इससे संबंधित जानकारी के लिए जब जिले के चर्चित युवा समाजसेवी भाई राजू सहनी से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क की गयी तो, उन्होंने बताया कि उन्हें खबर के माध्यम से सुचना मिली कि उजियारपुर प्रखंड के हरिशंकरपुर गांव में पिछले दिनों हुई, अगलगी की घटना में, राधा देवी, विभा देवी, जुली देवी, मिंटू देवी, शिवकुमारी देवी व खुशबु कुमारी के घरों में आग लग गयी है। जिसमें सभी 6 परिवारों के घरों में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया है। जिसके बाद उन्होंने अपने टीम मेंबर के लोगों को, घटनास्थल पर भेजकर, खाने पीने का सामान, बर्तन, कपड़ा आदि सहित करीब 60 - 70 हजार का सामान उपलब्ध कराया है। मौके पर भगवानपुर कमला पंचायत के सरपंच पति जयराम सहनी, श्रीराम सहनी, रामश्रेष्ठ सहनी, सुजित कुमार, चन्दन सहनी, अधिवक्ता चंद्रकांत सिंह, राजेश कुमार सिंह, ललित कुमार सिंह, वरुण कुमार राय, सियाराम राय, रंजीत प्रसाद, सुखलाल सहनी, नकुल सहनी, मदन सहनी, बटोरन सहनी सहित दर्जनों की संख्या में स्थानीय समाजसेवी राजू सहनी के टीम मेंबर मौजूद थे।

चैत्र नवरात्रि में दुर्गा मंदिरों में उमड़ा जनसैलाब

श्रद्धालु कर रहे मां दुर्गा की आराधना

मुजफ्फरपुर। कलश स्थापना के साथ चैत्र नवरात्र की शुरूआत हो गई है। मुजफ्फरपुर के अलग-अलग जगहों से मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। भक्त 'जय माता दी' नारों के जयकारा लगाते हुए दुर्गा मंदिरों में पहुंचने लगे हैं। शहर के सुप्रसिद्ध राज राजेश्वरी शक्तिपीठ देवी मंदिर और माता बंगलामुखी मंदिर में भक्तों की भीड़ देखने में बन रही है। अहले सुबह से माता के दर्शन और पूजन करने के लिए भक्तों का तांता लग रहा है। देवी दुर्गा के पहले रूप माता शैल्यपुत्री का आज पूजन किया जा रहा है। मुजफ्फरपुर में नवरात्रि के आज पहले दिन देवी मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है। सभी भक्त मन में मनोकामना लिए माता के दर्शन के लिए मंदिरों में आ रहे हैं और माता का पूजन करते हुयें ध्यान करने में लगे हुए हैं। इसी कड़ी में मुजफ्फरपुर के सुप्रसिद्ध राज राजेश्वरी शक्तिपीठ देवी मंदिर मंदिर और बंगलामुखी महामाया देवी सिद्धिपीठ मंदिर में भक्तों की भीड़ देखी जा रही है। चैत्र नवरात्रि और हिन्दू नववर्ष धूमधाम से मनाया जा रहा है और देवी दुर्गा की सभी मंदिर में ही आज सुबह से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया है। चैत्र नवरात्र जिसे वासंतिक नवरात्र भी कहा जाता है, आज से इसकी शुरूआत हो गई है। भक्त आज अपनी आस्था और देवी के प्रति अपनी आस्था और सभी मनोकामना को लेकर पहुंच रहे हैं। वहीं मंदिर प्रशासन के द्वारा मंदिर में भक्त के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। मंदिर में दर्शन पूजन के लिए आने वाले भक्त को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो इसके लिए अलग से स्वयंसेवक को लगाया है, ताकि माता का दर्शन अच्छे से करवाया जा सके।राज राजेश्वरी शक्तिपीठ देवी मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित धर्मेंद्र तिवारी का कहना है कि हिन्दू पंचाग में शारदीय नवरात्र से भी अधिक महत्वपूर्ण यह नवरात्र होती है। इस समय में प्रकृति अपने सबसे अधिक विहंगम रूप में होती है। पेड़-पौधे और जीव-जंतु के लिए यह बेहद ही कल्याण प्रदान करने वाला होता है। यहां पर जो भी भक्त सच्चे मन से अपनी मनोकामना को लेकर आते हैं देवी दुर्गा उनकी सभी मनोकामना को पूरी करती है। कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं लौट सकता है। माता दुर्गा बहुत ही कृपा बरसाती है। माता बंगलामुखी मंदिर के प्रधान पुजारी ने बताया कि इस नवरात्र में भक्त पर असीम कृपा को बरसाती है और भक्त की सभी मनोकामना को पूरा कर देती है।आज से हिंदू नव वर्ष की शुरूआत होती है और उसका अपना विशेष महत्व है। इस मंदिर में माता के दर्शन पूजन के साथ लगातार हवन कराया जाता है ताकि माता की कृपा भक्त पर सदा बनी रहे और बरसती हुई रहे।यही नहीं हमारे यहां पर भक्तों के लिए विशेष प्रसाद का इंतजाम भी किए गए हैं।

संक्षिप्त डायरी

अफसोस की बात हैङ्ग इमारत है, शरियत नहीं!

लेखक: मोहम्मद रेयाज आलम

इमारत-ए-शरिया–जो कभी न्याय, मार्गदर्शन और इस्लामी सिद्धांतों के पालन की पहचान थी–आज एक दोराहे पर खड़ी है। इसकी भव्य इमारत तो मौजूद है, लेकिन इसका असली मकसद समय के साथ धुंधला होता जा रहा है। जो संस्था शरियत के अमल, इंसाफ, एकता और नैतिक मूल्यों की हिफाजत के लिए बनाई गई थी, वह आज आंतरिक मतभेदों, व्यक्तिगत स्वार्थों और अपनी मूल भावनाओं से बढ़ती दूरी की शिकार होती दिख रही है।

मजलूमों की पुकार, उम्मत की उम्मीदें और ईमान वालों का भरोसा–जो कभी ईमानदारी से सुरक्षित थे–अब सिर्फ.बीते जमाने की गूंज लगते हैं। वह संस्था, जो उम्मत की रहनुमाई और तरक्की के लिए बनाई गई थी, आज सियासत और सत्ता की खींचतान में उलझ कर रह गई है। सवाल यह उठता है कि क्या इमारत-ए-शरिया सिर्फ.ऊँची-ऊँची इमारतों का नाम है, या फिर शरियत के सच्चे अमल का?

उन ज़िम्मेदार लोगों के लिए एक चेतावनी, जिनके कंधों पर इस संस्था की रहनुमाई की ज़िम्मेदारी है–इतिहास केवल उन्हीं को याद रखता है जो न्याय के लिए खड़े होते हैं, न कि उन्हें जो सिर्फ.ऊँचे पदों पर बैठे रहते हैं। किसी संस्था की पहचान उसकी दीवारें नहीं, बल्कि उसके सिद्धांत होते हैं। अगर शरियत ही बाकी न रही, तो फिर क्या बचेगा? सिर्फ.एक नाम, एक इमारत और एक खोखली गूंज!

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में 300 से अधिक लोग हुए भाजपा में शामिल, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने सबों को दिलाई सदस्यता

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पीएम मोदी और एनडीए पर लोगों को भरोसा: डॉ. दिलीप जायसवाल*

गरीबों, वंचितों को भाजपा की विचारधारा से जोड़ना हमारा लक्ष्य: डॉ. दिलीप जायसवाल

भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा, बिहार के लोगों का भरोसा, एनडीए सरकार ही प्रदेश का विकास करेगी

अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने सबों की सदस्यता ग्रहण करवाई और पार्टी में स्वागत किया।

पटना, 30 मार्च। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बिहार प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में आज नालंदा, गया, भभुआ, जिलों से आए 300 से अधिक युवकों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने पार्टी में आए सभी लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि जब पार्टी का विस्तार होता है तो संगठन मजबूत होता है। उन्होंने भाजपा को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बताते हुए कहा कि इन सभी लोगों का ही नहीं, देश के लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए पर विश्वास और भरोसा है। इन सभी लोगों का भरोसा है कि एनडीए सरकार ही बिहार का विकास कर सकती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा धीरे-धीरे गांव के गरीबों से जुड़ने का काम करेगी। हमारा लक्ष्य गांव के गरीब, शोषित और वंचितों तक पहुंचना और अपनी विचारधारा से जोड़ना है।इस मिलन समारोह में अमित कुमार चंद्रवशी, वीरेंद्र प्रसाद, कुमार सानु, विशाल कुमार चंद्रवशी, धनंजय चंद्रवशी, शैलेन्द्र कुमार, प्रवीण कुमार, बाल्मीकि प्रसाद, रविदास चंद्रवशी, रुदल पंडित, रौशन कुमार, पुटूस कुमार, चुन्नू चंद्रवशी सहित 300 से अधिक लोगों ने भाजपा की सदस्यता लेकर पार्टी में शामिल हुए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि आज पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर ये युवा भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इन सभी लोगों ने पार्टी में आस्था व्यक्त की है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि इन सभी लोगों के आने से पार्टी मजबूत होगी और ये पार्टी को मजबूत करने के लिए काम करेंगे। इस अवसर पर बिहार के सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार, पूर्व विधान पार्षद लाल बाबू प्रसाद, नवीन केशरी, अनामिका पासवान, सुधीर कुमार, विशाल सिंह भी उपस्थित रहे।

सुरभि हत्याकांड : एचआर हेड का नार्को टेस्ट होगा

पटना। अगमकुआं स्थित एशिया अस्पताल की संचालक सुरभि राज हत्याकांड में अभी आधा सच ही सामने आया है। पुलिस का दावा है कि सुरभि के पति रौशन राज और उसी अस्पताल की एक महिला स्टाफ के बीच प्रेम-प्रसंग की वजह से हत्या की गई है। हालांकि अभी तक पुलिस को पता नहीं चला है कि गोलियां किन लोगों ने मारी थीं। पुलिस हथियार भी बरामद नहीं कर सकी है। पुलिस हत्या के आरोप में जेल गए अस्पताल के एचआर हेड मसूद आलम का नार्को टेस्ट कराने की तैयारी कर रही है। मसूद ने बार-बार बयान बदला है। नार्को टेस्ट से पुलिस यह पता लगाएगी कि हत्या के पीछे हकीकत क्या है? सूत्रों के अनुसार, पटना एम्स में नार्को टेस्ट होगा। मसूद के बाद पुलिस रौशन राज का भी नार्को टेस्ट कराएगी। अन्य तीन आरोपियों में महिला स्टाफ, सुरभि के देवर रमेश कुमार और अस्पताल के सुपरवाइजर अनिल कुमार का भी नार्को टेस्ट हो सकता है। 22 मार्च को सुरभि की हत्या उनके चैंबर में कर दी गई थी। पुलिस उनके पति, देवर, एचआर हेड, महिला स्टाफ और सुपरवाइजर को जेल भेज चुकी है। पटना सिटी एसडीपीओ वन ने बताया कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, वैसे-वैसे सभी आरोपियों का नार्को टेस्ट होगा। अभी एचआर हेड का होगा। सूत्रों के अनुसार, एफएसएल ने सुरभि के चैंबर से सैंपल लिया है। इससे पता चलेगा कि घटना से पहले, घटना के वक्त और बाद में उनके चैंबर में कौन-कौन आया, कितनी देर रहा। एफएसएल की इसी रिपोर्ट से पुलिस इस नतीजे पर पहुंचेगी कि गोली मारने में कितने लोग शामिल हैं।

छपरा में तेज रफ्तार पिकअप ने युवक को मारी टक्कर

छपरा । रविवार सुबह साढ़ा बाजार समिति के पास एक तेज रफ्तार पिकअप ने युवक को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। यह हादसा छपरा-मसरख मुख्य मार्ग पर हुई है। मृतक की पहचान अवतार नगर थाना क्षेत्र निवासी मुकेश कुमार के रूप में हुई है। मृतक के भाई के अनुसार, मुकेश मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बाजार समिति के पास अपना नया घर बनवा रहा था। घर का काम निपटाकर वह सड़क किनारे खड़ा था। तभी बाजार समिति की ओर से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मुकेश हवा में करीब 10 फीट ऊपर उछल कर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पिकअप का नंबर नोट कर लिया। लेकिन चालक मौका पाकर वाहन सहित मसरख की ओर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल मुकेश को छपरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया। बेहतर इलाज के लिए उन्हें पटना पीएमसीएच रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई।

31 को भूमि सर्वे पोर्टल बंद नहीं होगा, ऑनलाइन-ऑफलाइन दोनों काम जारी रहेगा

संवाददाता

पटना। 31 मार्च को जमीन सर्वे वाला पोर्टल बंद नहीं होगा। लोग ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से जमीन संबंधी दस्तावेज जमा कर सकेंगे। राज्य में 20 अगस्त से जमीन सर्वे के लिये लोग ह्वस्वघोषणाक्क कर रहे हैं क्योंकि 20 अगस्त 2024 तक सभी जिलों में सर्वे की उद्घोषणा कर दी गई थी। पहले एक महीने और फिर कैबिनेट से मार्च अंत तक स्वघोषणा जमा करने की छूट थी। पर अब तक राज्य के आधे रैयत भी स्वघोषणा नहीं कर पाये हैं।

बीते 6 माह में सरकार के पास 95 लाख स्वघोषणा दस्तावेज पहुंचे हैं। ऐसे में विभाग ने निर्णय लिया है कि 31 मार्च को पोर्टल बंद नहीं किया जाएगा। सभी जिलों से अद्यतन स्थिति की समीक्षा होगी। फिर निर्णय होगा कि ऑनलाइन स्वघोषणा कब बंद करनी है और ऑफलाइन दस्तावेज जमा कब तक करनी है। बीते 3 दिसंबर को रैयतों द्वारा अपने दस्तावेजों को जमा करने यानि स्वघोषणा की तिथि 30 दिन से बढ़ाकर 180 कार्यदिवस करने की कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। इसके लिए बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (संशोधन) नियमावली स्वीकृत की गई थी। हालांकि किस्तवार, जिसमें ग्राम की सीमा निर्धारित कर ग्राम का मानचित्र बनाया जायेगा एवं खानापुरी जिसमें प्रत्येक रैयत से उसकी भूमि के स्वामित्व संबंधी दस्तावेजों को प्राप्त कर उनके सत्यापन का कार्य कर खेसरा पंजी बनाने का काम शुरू होगा। जो दस्तावेजों को ऑनलाइन समर्पित नहीं कर पाएंगे वे अपने स्वामित्व संबंधी दस्तावेज ग्राम के शिविर/अमीन को उपलब्ध करा सकेगें। रैयतों से दावा आपत्ति प्राप्त कर दो बार सुनवाई की जाएगी। फिर लगान तय कर दिसम्बर, 2026 तक सर्वे पूरा करना है। दरअसल स्वघोषणा में जितना कागजात उपलब्ध है उसे प्रपत्र-2 में भरना हैं।

जमीन खतियानी है तो वंशावली खुद से बनाकर जमा करना है। पर जमीन दस्तावेज संबंधी पोर्टल में सर्वर में परेशानी के कारण बीते महीनों में लोगों को स्वघोषणा में कई बार परेशानी का सामना करना पड़ा है। स्वघोषणा के साथ स्वामित्व संबंधी दस्तावेज और वंशावली जमा की जा रही है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने कहा कि 31 मार्च को जमीन सर्वे वाला पोर्टल बंद नहीं होगा। मामले की समीक्षा के बाद आगे निर्णय लिया जाएगा।

नवादा में साइबर ठगों पर तगड़ा एक्शन

नवादा । साइबर पुलिस ने साइबर ठगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने रविवार को शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साइबर डीएसपी प्रिया ज्योति के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। पटना से पकड़े गए आरोपियों ने कुल 51 लाख की ठगी को अंजाम दिया है। पुलिस की छापेमारी में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वैशाली के निकेश कुमार (21) और विपुल कुमार (22) के रूप में हुई है। दोनों 'एवीवा इन्वेस्टर इमर्जिंग मार्केट इक्विटी फंड' नाम की फर्जी कंपनी बनाकर लोगों को ऑनलाइन ट्रेडिंग का झांसा देते थे। पुलिस ने आरोपियों से 7 लाख 5 हजार 850 रुपए नकद बरामद किए हैं। इसके अलावा एक मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, 12 एटीएम कार्ड, तीन आधार कार्ड, दो पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं। साइबर डीएसपी प्रिया ज्योति के अनुसार, आरोपी फर्जी वेबसाइट के जरिए लोगों को झांसा देते थे। वे एक व्यक्ति से 2 से

सीएम नीतीश कुमार ने पटना में किया जेवियर विश्वविद्यालय का उद्घाटन

संवाददाता

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को पटना जेवियर विश्वविद्यालय का शिलापट्ट अनावरण और फीता काटकर उद्घाटन किया।

उद्घाटन के बाद सीएम नीतीश ने विश्वविद्यालय भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सेंट जेवियर कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के शिक्षकों और छात्र-छात्राओं से भी मुलाकात की।इस दौरान शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुष्प गुच्छ भेंटकर अभिनंदन किया। वहीं, विश्वविद्यालय प्रबंधन ने अंगवस्त्र और प्रतीक चिह्न भेंट कर उन्हें सम्मानित किया।

ज्ञात हो कि 36 एकड़ के हरे भरे परिसर में फैला पटना जेवियर विश्वविद्यालय एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है जो चरित्र निर्माण, शैक्षणिक उत्कृष्टता और अनुसंधान नवाचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय कई विषयों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रदान करता है। इसका उद्देश्य छात्रों को लगातार विकसित हो रहे वैश्विक परिदृश्य में नेतृत्व करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार करना है। विश्वविद्यालय के उद्घाटन अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, अपर मुख्य सचिव, शिक्षा सह मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ, जिलाधिकारी चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार, जेवियर विश्वविद्यालय, पटना के कुलाधिपति फादर विमल किशोर एसजे समेत अन्य अधिकारी, शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद थे।

गृह मंत्री अमित शाह ने बताई 2025 और 2026 के लिए भाजपा की योजना

बतायाः किस मॉडल पर जीतेंगे बिहार

पटना। समाज के अंतिम पायदान पर रहे लोगों को लालू शासन की विभीषिका याद दिलाएं, ताकि लोगों के बीच एक बार फिर से जंगलराज की याद ताजा हो जाए। यह एनडीए गठबंधन के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में काफी फायदेमंद साबित होगा। यह निर्देश शनिवार की देर शाम दो दिवसीय दौरे पर बिहार पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए दिए। उन्होंने बिहार चुनाव 2025 के साथ कर्नाटक चुनाव 2026 के लिए भी भाजपा की तैयारियों पर बात की। रविवार को गोपालगंज जाने से पहले उन्होंने शनिवार शाम पटना पहुंचने के बाद उन्होंने पहले बिहार भाजपा के पदाधिकारियों के साथ डेढ़ घंटे बात की और फिर कोर

कमिटी से अलग बात की। गोपालगंज से लौटकर वह मुख्यमंत्री आवास में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं से बिहार चुनाव के लिए भाजपा की तैयारी पर बात करेंगे।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार की देर शाम दो दिवसीय दौरे पर बिहार पहुंचे। शनिवार को उन्होंने पार्टी कार्यालय में भाजपा के सांसदों, विधायकों, एमएलसी सहित अन्य वरीय अधिकारियों के साथ बैठक की। वहीं रविवार की सुबह वह पटना के बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेकर सहकारिता आंदोलन से जुड़े करीब सात हजार लोगों को संबोधित करेंगे। इस दौरान वह सैकड़ों योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे। बापू सभागार में कार्यक्रम की समाप्ति के बाद केंद्रीय गृह मंत्री गोपालगंज जाएंगे। गोपालगंज से लौटने के बाद वह मुख्यमंत्री आवास में एनडीए के घटक दल के नेताओं के साथ बैठक कर बिहार विधानसभा चुनाव के संबंध में चर्चा करेंगे।भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह शाह ने इस बैठक के दौरान बिहार सहित अगले साल कर्नाटक में होने वाले विधानसभा चुनावों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की हिंदू-विरोधी और भ्रष्टाचारी सरकार से अगले वर्ष विधानसभा चुनाव के दौरान वहां के नागरिकों को मुक्ति मिल जाएगी। बैठक के दौरान शाह ने कहा कि कांग्रेस की नब्ज उनके हाथों में है। कर्नाटक में हिंदुओं का विरोध किया जा रहा है, साथ ही वहां भ्रष्टाचार भी चरम पर है। लोकसभा क्षेत्रों के पुनः परिसीमन को लेकर विपक्षी दलों द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम पर भी बैठक के दौरान अमित शाह ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन के दौरान दक्षिण भारत के राज्यों को कोई भी नुकसान नहीं पहुंचेगा।

नई शुरूआत का वसंत

गीता दुबे

आज वसंत पंचमी का दिन है, लेकिन उसके भीतर न कोई उमंग है, न उल्लास। जब से दोनों बच्चों ने अमेरिका की नागरिकता ले ली है, उसके जीवन में एक रिक्तता घर कर गई है। वह धीरे-धीरे जीवन के प्रति उदासीन होती चली गई है।

सुबह से ही वह बरामदे में खड़ी सामने के मैदान में बने पंडाल को मूकदृष्टि से देख रही है, अतीत में खोई हुई। पच्चीस वर्ष पहले, जब वह इस घर में ब्याह कर आई थी, उसके मन में सपनों की एक दुनिया थी। उसने बी.ए. ऑनर्स प्रथम श्रेणी में किया था और आगे पढ़कर कुछ बनना चाहती थी। लेकिन जब उसने अपने पति से यह इच्छा जाहिर की, तो उसका उत्तर सुनकर वह भीतर तक टूट गई थी।

पति ने कहा था–

देखो, मेरे लिए तुम्हारी पढ़ाई का मतलब बस इतना है कि तुम मेरे बीमार माता-पिता और छोटे भाई-बहनों की अच्छी देखभाल कर सको।

पति के विरुद्ध बोलना न उसने देखा था, न ही सुना था। वह चुप रह गई। उस दिन के बाद उसने अपने सपनों को तिलांजलि दे दी और खुद को इस घर की जिम्मेदारियों के प्रति सुपुर्द कर दिया। वह उसी में अपनी खुशी तलाशने लगी।

समय बीता, और जब उसकी गोद में दो नन्हे फूल खिले, तो उसे लगा कि वह दुनिया की सबसे खुशनसीब स्त्री है। मातृत्व के सुख ने उसे बाकी सब चिंताओं से परे कर दिया। वह अपनी दुनिया में उलझी रही, अपने आप को बेहद व्यस्त और खुश पाती रही। पर वह यह नहीं समझ पाई कि उसके अपने सपने कब और कहाँ बिखर गए। धीरे-धीरे वह केवल माँ, बहू, भाभी, चाची बनकर रह गई।

माता-पिता ने जो नाम दिया था, वह तो कब का मिट चुका था।

अब, पच्चीस वर्षों बाद, उसे यही सवाल सताए जा रहा है- उसने आखिर पाया क्या?

बच्चे भी तो अब अपने नहीं रहे। इस बार जब रिंकू भारत आया था, तो वह अमेरिका से अपनी ममा के लिए एप्पल का लैपटाप लेकर लाया था। जाते समय उसने कहा था-

ममा अब हम आपसे इसी पर वीडियो कॉल किया करेंगे और हम ढेर सारी बातें किया करेंगे।

लेकिन वह वीडियो कॉल कैसे करेगी? उसे तो लैपटॉप चलाना ही नहीं आता !

वह खुद को पूरी तरह अकेला पा रही थी। घर वही था, दीवारें वही थीं, लेकिन अब वह उसमें अपने आप को तलाश रही थी। वह अपने अतीत में डूबी खड़ी थी, तभी एक बच्ची, जिसकी उम्र बारह या तेरह वर्ष की रही होगी, पास आकर बोली-

आंटी, आंटी, क्या पूजा के लिए आपके बगान से कुछ फूल ले सकती हूँ?

जरूर, जरूर, जितने चाहे ले लो, उसने हल्की मुस्कान के साथ कहा।

बच्ची फूल लेकर जाने लगी, फिर ठिठककर बोली-

आंटी, आप भी चलिए ना, पंडाल में!

वह न जाने किस अनकही शक्ति से बंधी उसके साथ पंडाल तक चली आई। माँ सरस्वती की मूर्ति के सामने पूरी श्रद्धा से नतमस्तक हो गई। और तभी, जैसे भीतर कहीं कुछ जाग उठा। एक अजीब-सी ऊर्जा ने उसे घेर लिया।

अब वह केवल फूल ही नहीं बाँट रही थी, बल्कि खुद अपने हाथों से कागज की झालर बना रही थी, पंडाल को सजा रही थी। उसी क्षण वह बच्ची मुस्कुराकर उसके पास आई और बोली-

थैंक यू आंटी! आप बहुत अच्छी हैं। मेरा नाम सोनल है, मैं आपसे दोस्ती करना चाहती हूँ। आपका नाम क्या है? मैं आपको फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजूँगी!

वह ठिठक गई।

उसका नाम?

कई सालों से तो किसी ने उसे उसके नाम से पुकारा ही नहीं था।

क्षणभर की चुप्पी के बाद, जैसे खुद को दोबारा पहचानते हुए उसने कहा– मेरा नाम... मेरा नाम अनामिका है। लेकिन मुझे कंप्यूटर चलाना नहीं आता। क्या तुम सिखा दोगी?

जी, आंटी! सोनल ने उत्साह से कहा।

उसने सोनल का हाथ थाम लिया। एक हल्की मुस्कान उसके चेहरे पर खिल उठी। आज, बरसों बाद, उसने खुद से एक वादा किया- वह अपने सारे सपने पूरे करेगी।

उसके भीतर से एक आवाज आई- जहाँ सब कुछ खत्म होता है, वहीं से एक नई शुरूआत होती है।

यह उसकी नई शुरूआत का वसंत था।

व्यंग्य वार्ता

सांढ़ होने का सुख

ललन शर्मा

सांढ़ दरअसल ऐसा जीव है जो विश्व के किसी भी कोने में पाया जाता है। हमारे देश में तो हर गली-मुहल्ले व बाजार में सांढ़ मिल जाते हैं दरअसल सांढ़ ही किसी राष्ट्र का रीढ़ होता है। जिस मुल्क में सांढ़ न हो या सांढ़ की पूजा न हो तो उस राष्ट्र का न तो कोई नैतिक मूल्य होता है और न ही उसकी राष्ट्रीय पहचान होती है।

सांढ़ बनने का सुख लार्ड महाबलेश्वर के किसी होटल में छुट्टियाँ बिताने से कहीं ज्यादा है क्योंकि यह सुख चिरस्थायी होता है हमारे समाज में, सांढ़ को भोले शंकर का ड्राइवर सह गाड़ी होने के कारण देवता तुल्य माना गया है और इसी कारण सांढ़ को भी भोले शंकर की तरह मस्त-मस्त रहने की आदत होती है। फलस्वरूप सांढ़ को हर कोई श्रद्धा की दृष्टि से देखता है (आँखें हो या ना हो), यह जिसके द्वार पर चला जाता है वहाँ कुछ न कुछ प्राप्त कर ही लेता है। इसी गुण सम्पन्नता का लाभ उठाते हुए हमारे एक नेता मित्र ने अपना नाम सांढ़ कुमार रख लिया।

हमारे यहाँ सांढ़ को बांध कर रखने की प्रथा नहीं है इसलिए हम उन्हें खुला-सांढ़ भी कहते हैं है यानी सांढ़ सभी प्रकार के बंधनों से मुक्त होता है। चाहे वह तिहाड़ जेल (कांजी हाउस) की दीवार हो या अदालत की फटकार हो। घटिया से घटिया सांढ़ की भी समाज में एक सांस्कृतिक पहचान होती है इसलिए लोगों को चाहिए कि वे सांढ़ होने सुख अवश्य प्राप्त करें। सांढ़ में एक और खास बात होती है कि वह जब चाहे जहाँ चाहे मूँह मार सकता है जैसे वह चाहे तो पशुपालन विभाग का चारा खा सकता है। किसी सेठ की तिजोरी खुलवा सकता है, हवाला मार्ग बनवा सकता है। मूँह मारने के इस सात्विक गुण के साथ देह मारने का भी गुण सांढ़ में होता है। पर सांढ़ को कोई नहीं मार सकता है कोई इसे नहीं टोकता। सभी लोग सांढ़ के इन पुनीत कारनामों को श्रद्धा से देखते हैं। सांढ़ पर किसी प्रकार की आचरण-संहिता लागू नहीं होती है पर इसके हित में सरकारी संहिता में काट-छांट जरूर की जाती है।

सांढ़ के रहने के लिए कोई स्थान फिक्स नहीं होता है उसके लिए वसुधा ही कुटूम्ब है अस्तु वह अपर हाउस से लेकर विधान हाऊस को अपना घर समझता है कुछ लोग बैल को सांढ़ की श्रेणी में रखते हैं पर इससे सांढ़ खानदान के लिए कापीराइट का मामला बनता है यानि सांढ़ाधिकार कानून के खिलाफ बात है क्योंकि बैल का काम रात दिन खेत-खलिहान या बैलगाड़ी से जुते रहना है। आजीवन चार पैरों पर खड़ा रह श्रम करना है और सांढ़ तो सारे बंधनों से मुक्त-उन्मुक्त होकर भारत की खोज करने वाला प्राणी है इसलिए सांढ़ को बैल कहकर उसका अनादर नहीं करना चाहिए।

अर्थमंत्री के अनुसार जब से उदारीकरण शुरू हुआ है। सांढ़ों का उत्पादन बढ़ा है। सांढ़ों की गुणवता में वृद्धि हुई है। हरेक सांढ़ चार कदम सदन की ओर बढ़ा है और भविष्य में सांढ़ों की निर्यात की संभावना भी हैं। इसलिए हर गली-मुहल्लों में सांढ़-उद्योग फलने-फूलने लगे हैं इस तरह हम सुनहरे सांढ़ युग की ओर बढ़ रहे हैं है। सांढ़ों की एक और विशेषता है कि जब ये युद्ध करते हैं तो उसे संवैधनिक दर्जा दिया जाता है चूँकि सांढ़-युद्ध भारतीय संस्कृति का मूलमंत्र है इसलिए इस विशेष युद्ध पर क्रिमिनल कानून लागू नहीं होता इसलिए सांढ़ बनकर आदमी कानून को अपनी जेब में रखकर आसानी से विचरण कर सकता है। आप सभी जानते है कि हमारे राष्ट्र का दोहन हो रहा है या राष्ट्र को दुहा जा रहा है। दुहने की बात पर स्पष्ट है कि राष्ट्र या तो गाय होगी या गांधी जी की बकरी चूँकि गाय ज्यादा दुध देती है इसलिए नई आर्थिक नीति में गाय ही लाभदायक है। अब आप ही बतायें गाय को दुधारू बनाने के लिए या राष्ट्र को अपनी पीढ़ी चलाने के लिए या यों समझिए कि अपनी सभ्यता-संस्कृति बचाने के लिए सांढ़ महोदय की जरूरत तो पड़ेगी या नहीं। अतः सांढ़ हमारे देश का भविष्य निर्माण कर्ता है अस्तु सांढ़ बनकर राष्ट्र सेवा करने का सुख प्राप्त करें तथा दूसरों को सांढ़ बनने के लिए प्रेरित करें और सभी को एक नारा दें- सांढ़ ही देश को महान बनाता है

सड़क यात्राएँ

रीना सिन्हा सलोनी

सड़क यात्राएँ कस्बों, गाँवों, खेतों और जंगलों से गुजरती हुई पतली-चौड़ी और चिकनी-ऊबड़खाबड़ सी अंतहीन सड़कें न जाने कहाँ जाकर रुकती हैं ... और इन्हीं सड़कों पर अपने गंतव्य की ओर दौड़ती भागती गाड़ियाँ, माल ढोते भारी भरकम ट्रकों की कतारें, दोपहिया और साइकिल पर सवार आते-जाते लोग यूँ तो हर जगह एक से ही लगते हैं ... पर अगर गौर किया जाए तो जैसे-जैसे यात्रा आगे बड़ती है और स्थान बदलते हैं वैसे-वैसे परिवेश के साथ-साथ स्थानीय लोग, उनके घरों की बनावट, कपड़े पहनने का ढंग और बोली बदलती जाती है और इस बदलाव को बेहद करीब से महसूस करने के लिए सड़क यात्राओं से बेहतर कोई विकल्प नहीं... रेल या विमान यात्रा से उलट अपनी गाड़ी से की गई सड़क यात्रा में आप जहाँ चाहें वहाँ रुक सकते हैं और रास्ते में पड़ने वाले गाँवों,जंगलों, खेतों और लोगों से परिचित ही नहीं बल्कि उनके बारे में बेहतर जान सकते हैं ...शायद यही है सड़क यात्रा का असल रोमांच जिसे महसूस करने हम निकल पड़े ओडिशा के झाँसुगोड़ा की ओर ... झारखंड से सीमा पार कर ओडिशा में प्रवेश करते ही हमें संथाल और आदिवासी लोगों की जगह अब उड़िया बोलते लोग मिलने लगे थे... रंग बिरंगी और खास आकृतियों से सजी संबलपुर की बुनी सूती साड़िओं को पारंपरिक तरीके से पहने औरतों को देखकर अंदाज लगाना मुश्किल न था की हम ओडिशा में हैं ...खेतों के पार फैली छोटी-छोटी पहाड़ियाँ धीरे-धीरे गायब होने लगीं थीं और उनका स्थान ले लिया था छिटपुट पहाड़ी चट्टानों, झाड़ियों और जंगलों नें... सड़क के दोनों और दूर दूर तक फैली खुली जमीन ज्यादातर सूखी और उजाड़ ही थी ... बीच-बीच में कहीं कोई गाँव आता तो उसके आस पास धान, टमाटर, आलू और अन्य सब्जियों वाले खेत हरे भरे हो उठते और झाड़ियों और पेड़ों के झुरमुट में लाल खपरैली झोपड़ियों के झुंड झाँकते नजर आ जाते...सूखी लकड़ियों के बाड़े से घिरी मिट्टी और इटों की दीवारों वाली खपरैल झोपड़ियाँ... पास बंधी गाय और बकरियों के झुंड... और पास ही खेलते बच्चों का झुंड... कई झोपड़ियों के लिए बना एक अकेला चापाकल और वहाँ बड़े बड़े तसलों में पानी भरती महिलाओं की भीड़ ...पपीते और अमरूद के कई पेड़ और पेड़ के नीचे खटिया पर बैठे लोग...बैर, सहजन, आम और कटहल के अलावा और कई तरह के पेड़ों से घिरे ये गाँव मन को सुकून तो दे रहे थे पर इन गाँवों के लोगों के तंग हालात यहाँ की फैली गरीबी की कहानी भी कह रहे थे... ओड़िशा के कालाहांडी और बलांगीर कभी भारत के सबसे गरीब गाँव हुआ करते थे पर अब यहाँ के गाँवों स्थिति धीरे धीरे बदल रही है...आज ओडिशा के सुदूर हर गाँव में बने सरकारी स्कूलों, ग्राम पंचायत का दफ्तर, जरूरी सामान वाली छोटी छोटी दुकानें और गाँव तक पहुँची बिजली के साथ-साथ मोबाइल नेटवर्क की उपलब्धता को देखना अपनेआप में सुखद था... यहाँ के गांवों में बस्ता लेकर स्कूल जाते छोटे छोटे बच्चे आज के भारत के गाँवों की बदलती तस्वीर थे... इन गाँवों को देखकर लगता है शायद यही असली भारत है... हमारे देश का ज्यादातर हिस्सा जो गाँवों में बसता है उसे देखने और उनकी समस्याओं के बारे में जाने के लिए उन्हें पास से देखने की जरूरत है...और सड़क से की गई यात्राओं के दौरान उन्हें देखा ही नहीं बल्कि जिया भी जा सकता है।

हम हिन्दुस्तानी है

सुदीप्ता जेठी राउत

राहुल एवं पंकज दोनों को साथ में खेलते देख राहुल की मां (मोनिका)आग बबूला होकर दौड़ती हुई आयी और राहुल की कान जोरों से खींचती हुई राहुल को डांटते हुए घर की ओर चल दी। पंकज की मां (तपस्या) सामने खड़ी थी। उसकी कानों में हर एक शब्द तीर की भांति बिन्ध रही थी। मोनिका अपने बेटे को डांटते हुए कहने लगी--- कितनी बार कहा है कि पंकज के साथ नहीं खेलना है बल्कि अपने स्कूल के दोस्तों के साथ खेलो।पता नहीं उसके साथ रह के तुम्हें क्या मिलता है। हम लोग कितने कष्ट से तुम्हें इंग्लिश स्कूल में दाखिला करवाएं है और तुम उस हिंदी मीडियम स्कूल में पढ़ने वाले लड़के के साथ चिपके रहते हो।उसका क्या अपने पापा जैसा मजदूर बनेगा, लेकिन तुम्हें इंग्लिश स्कूल में पड़कर अफसर बनना होगा। राहुल कुछ बोलना कि मोनिका फिर चिल्ला उठती। यह सुनकर तपस्या ओर धीरज न धर पायी और मोनिका को टोकते हुए कहने लगी--- क्या तुम्हें भविष्य देखना आता है? जो मेरा बेटा क्या बनेगा, वो बता दिया। ऐसी गलत सोच मत पालो कि सिर्फ इंग्लिश मीडियम में पढ़ने से ही बच्चा तरक्की की ओर बढ़ता और हिंदी मीडियम के बच्चे मजदूर. हम हिंदुस्तानी हैं, हिंदी भाषी है और यह हमारा सौभाग्य है।आगे की पीढ़ी को भी यही सिखाएंगे मजदूर या अफसर यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।हम अपनी भाषा के साथ विदेशी भाषा का भी ज्ञान देंगे। सिर्फ विदेशी भाषा का नहीं, तपस्या अपनी बात खत्म कर अपने घर की ओर चल दी और मोनिका स्तब्ध सी खड़ी रह गई।

क्या तुम पर अब कुछ खास लिखूं

डॉ मयंक मुरारी

क्या तुम पर अब कुछ खास लिखूं
कौन सा शब्दों में वो एहसास
लिखूं

उस दौर के अमिट ख्याल में खोया
सुवास में सिमटी तुम्हारी सांस
लिखूं

स्पंदन के तार से जुड़ तेरा बस
होना
बेहद नाजुक उस दौर का रास
लिखूं

दुखद, बीच राह में तुम्हारा छोड़
जाना
दिल की चाह का कैसे परिहास
लिखूं

हरएक पल नया रंग लाती यह
जिंदगी
बता, कैसे तेरा वो जादुई प्रकाश
लिखूं

लालसा

रंजना वर्मा उन्मुक्त

महेश बाबु अपनी पत्नी के साथ बैठे चाय पी रहे थे।

बेटे ने जो फ्लैट बुक किया था,उसकी चाभी उसे मिल गयी है।कहीं शह बहू और बच्चों के साथ वहीं न शिफ्ट कर जाये।....पत्नी ने कहा ।

अरे नहीं! उसने फ्लैट बुक करते समय ही कहा था,केवल पैसा इन्वेस्ट कर रहा था।मुझे यकीन है, हमलोग को छोड़ कर वह कभी नहीं जायेगा ।.....महेश बाबु ने मुस्कुराते हुए कहा ।पता नहीं क्यों उनकी आँखों के सामने उनकी माँ का चेहरा आ गया ।बीस साल पहले उन्होंने अपने माता-पिता का घर यह कहते हुए छोड़ दिया था कि ऑफिस की तरफ से इतना बढ़िया फ्लैट मिल रहा है,अगर अभी शिफ्ट नहीं करेंगे तो फ्लैट हाथ से चला जायेगा ।पत्नी का इतना दबाब था कि उन्होंने अपनी माँ का अश्रुपूरित आँखों को भी नजरअंदाज कर दिया ।माँ ने बड़ी धीमी आवाज और बेचारगी भरे आवाज में कहा था,तुमलोगों के बगैर हमलोग कैसे रह पायेंगे ।बच्चों के बिना घर खाने को दौड़ेगा।

माँ का उदास और बुझा हुआ चेहरा उनकी आँखों के सामने आ गया ।लेकिन पत्नी की हार्दिक इच्छा और सुखद स्वछन्द जीवन की लालसा ने उन्हें सरकारी आवास में रहने को मजबूर कर दिया ।

वे अभी ये सब सोच ही रहे थे कि तभी बेटा आया और उनकी बगल में बैठ गया ।बोला, पिताजी! एक बात कहनी है ।हमें नये फ्लैट की चाभी मिल गयी है ।हमलोग वहीं शिफ्ट होना चाहते हैं ।वहाँ से मेरा ऑफिस और बच्चों का स्कूल नजदीक है ।नीना को भी वहीं पास के स्कूल में टीचर की नौकरी लग गयी है ।

महेश बाबु ने अपनी पत्नी की तरफ देखा ......उसका चेहरा बिलकुल उनकी माँ की तरह दिख रहा था ..... उदास और बुझा हुआ ।

वर्षगाँठ

आनन्द बाला शर्मा

प्रभाकर जी और सुधा जी आज अपने विवाह चालीसवीं वर्षगाँठ मना रहे थे। सुबह से ही बधाइयों का तांता लगा हुआ था।आस पड़ोस वालों, मित्रों परिचितों और रिश्तेदारों की शुभकामनाओं के बीच समय का पता ही नहीं चला। बच्चे भले ही दूर थे पर उनकी फोन कॉल्स,मेसेज और विडियो कॉलिंग पर उनसे हुई बातचीत ने दूरी का अहसास ही नहीं होने दिया । मन उल्लास और खुशी से भरा था। सुधा जी ने आज दोपहर का भोजन प्रभाकर जी की पसंद का बनाया था। भोजन के बाद दोनों बालकनी में बैठकर बातें करने लगे। यादों का सिलसिला जारी था। बातों के बीच सुधा को विचार मग्न गुमसुम सा देख प्रभाकर ने सुधा के हाथों कों अपने हाथों में ले कोमल स्वर में पूछा- क्या बात है सुधा ? क्या सोच रही हो? 'कुछ नहीं, बस ऐसे ही'- सुधा ने धीमे स्वर में कहा 'नहीं कुछ तो है तुम्हें बताना ही होगा सुधा'- प्रभाकर जी ने जोर देकर पूछा। सुधा ने धीरे-धीरे कहना शुरू किया- यही कि जब मैं आपसे किसी बात पर रूठ जाती थी तो आप मुझे कभी मनाने की कोशिश क्यों नहीं करते थे। कुछ पूछते भी नहीं थे। मैं हमेशा यह चाहती थी कि आप कुछ मनुहार करें, मुझे मनाएं पर आपने कभी यह नहीं किया ।

'बात यह है सुधा कि मैं जानता था कि तुम नाराज हो 'पर मैं बात बढ़ाना नहीं चाहता था। अगर मैं कुछ पूछता तो तुम कुछ कहती और जवाब में मैं फिर कुछ कहता ।इस तरह बात बढ़ती ही जाती । मेरे

न बोलने पर शिकायतों का सिलसिला थम जाता था और कुछ समय बाद फिर सब नार्मल हो जाता था। इतनी सी ही बात थी बस।' सुधा के चेहरे की चमक लौट आई थी।

हिंदी मीडियम

निर्मला कर्ण

निकेत आज कार्यालय में अपने उच्च अधिकारी के रूप में सौरभ को देखकर आश्चर्यचकित हो गया। उन दोनों के पिता रविंद्र और मोहन अपने विद्यालय के समय के ही मित्र थे। मोहन तृतीय वर्ग की सरकारी नौकरी में थे और रविंद्र का अपना व्यवसाय था। व्यवसायी रविंद्र के बच्चे शहर के सबसे बड़े अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय में पढ़ते थे, वहीं मोहन बच्चों को हिंदी माध्यम के सरकारी विद्यालय में ही पढ़ाते थे। कुछ तो सामान्य आय और अधिक मातृभाषा के प्रति लगाव के कारण। रविंद्र इसके लिए कंजूस कहकर उनकी खिल्ली उड़ाते और उनके बच्चे भी मोहन के बच्चों को हेय समझते, जताते भी थे नीचे स्तर का बच्चा कहकर।

बच्चों के दुःखी होने पर मोहन अपनी भाषा का महत्व बताकर प्रोत्साहित करते लगन से पढ़ाई करने के लिए। उनकी पढ़ाई में वह पूरी सहायता करते । समय का महत्व बतला कर समय बर्बाद नहीं करने की बात भी समझाते । वह उनकी पढ़ाई,और उनके पूरे क्रियाकलाप पर स्वयं निगरानी करते ।

आज माता-पिता का मार्गदर्शन और प्रोत्साहन पाकर और पढ़ाई में लगन शील कुशाग्र बुद्धि सौरभ ने अधिकारी के रूप में जब कार्यालय में अपना योगदान दिया इसी कार्यालय में सहायक के रूप में कार्यरत निकेत जो हमेशा उसकी खिल्ली उड़ाता था हिंदी माध्यम का विद्यार्थी कहकर उसके समक्ष अपनी आँखें शर्म से झुकाये हुए था।

रविंद्र ने उसे समझाया - मित्र भाषा तो सिर्फ माध्यम है, हमारी अपनी भाषा में भी पढ़ाई के बहुत साधन हैं। हिंदी में हम अपनी पढ़ाई की सभी बातें आसानी से समझ सकते हैं क्योंकि वह हमारी मातृभाषा है। भाषा तो हम कभी भी सीख सकते हैं, सिर्फ अंग्रेजी बोलना बड़ी बात नहीं होती है। सफलता हमें भाषा से नहीं अपनी बुद्धि और लगन से मिलती है।

चुनावी परिणाम का रंग

बिनोद बेगाना

कार्यालय में 'आप' के, झाड़ू फॉके धूल।
वोटर नाचे जश्न में,लिए कमल का फूल।।

'महल' ;'जाम' में फॅस गए,आप केजरीवाल।
और प्रदूषण ने किया,बुरा आपका हाल।।

मैली यमुना रह गई, दिल्ली हुई न साफ।
कचरों के अंबार ने, नहीं किया तब माफ।।

हुई शिष्य की आज जो,बड़ी करारी हार।
अन्ना के दिल को मिले,चैन सुकून करार।।

चले नहीं सरकार में,बहुत दिनों तक झूठ।
इस कारण वोटर सभी,गए 'आप' से रूठ।।

पतझड़ की मानिंद ही,झड़े 'आप' के पात।
और बसंती फूल से,खिले 'कमल' के गात।।

सीधी टक्कर से हुआ,बीजेपी को लाभ।
धुमिल और भी हो गई, कांग्रेस की आभ।।

लो आ गया बसंत

डॉ आशा गुप्ता श्रेया

धीमी होती जीवन गति भरो नई उमंग सब में
स्पंदित जड़ टहनियाँ वसुधा मुसकाये जग में
प्रेम नगर में ढूँढें प्रियतम बंजारा फाल्गुन रंग
कुहू कुहू कर कोयलिया पुकारती उपवन में !

सुख पा पुष्प झूमते गाते हैं बासंती धुन में
दीपशिखा सी जिंदगी संभले आँधी के घन में
ईश्वर का वरदान है मानव जनम धरा पर
हृदय स्नेह विश्वास से चलो संग संग जीवन में !

थिरकन को तरसे मधुवन नवजीवन तरंग में
भ्रमर दल भी कर रहे गुंजन मद भरे चमन में
महकाने को साँसों को मंद बयार चल रही
माँशारदे वीणावादिनी आशीष फले तनमन में!

सिंदूरी दिवस फागुनी प्रकृति के आँगन में
केसरिया सा रंग लिए खिले पलाश वन में
उड़ते पराग देखो बिखेरे सुगंध चहुँ दिशाएं
पंक्षी चहके आओ ऋतुराज खिले हर्ष हरमन में !

ऋतुराज की चतुरंगिणी सेना हंसती जग में
तम हटा प्रकृति लाती है प्रकाश इस जग में
बासंती परिधान देख उड़ते खग धरा नभ तक
लो आ गया बसंत उठो हँसो मनु इस जग में!

कॉफी

पुष्पा पाण्डेय

आ गयी? मैदान जीत कर।

घर के अन्दर प्रवेश करते ही दादी सास ने इन शब्दों से मेरा स्वागत किया। हाथ में मेडल और सम्मान पत्र को तिरछी नजर से निहारती हुई उन्होंने कहा।

आज कितना नुकसान हुआ। चाय के बदले कमली कॉफी बनाकर पी और कटोरी भर कर सब्जी ले गयी।

दादी सास कुछ दिनों से मेरे साथ रह रही थीं। घुटनों के दर्द से परेशान थीं। इलाज कराने के लिए अपने पास लेकर आई थी। आज पहली बार उन्हें कमली के साथ अकेले घर में रहना पड़ा। बड़ी मुस्तैदी के साथ कमली की निगरानी करती रहीं। भला नौकरों पर घर कैसे छोड़ती।...

अटल जी की पुण्य तिथि पर आयोजित साहित्यिक समारोह में मुझे साहित्य-रत्न सम्मान के लिए आमंत्रित किया गया था।साढ़े ग्यारह बजे का समय था। नाश्ते का काम निपटाकर दोपहर का भोजन सहायिका कमली के सुपुर्द कर चली गयी थी। बेचारी दादी सास की नजरों में मेरे इस मामूली सा दिखने वाला मेडल एक कप दूध पर भारी कैसे दिखता? पीछे खड़े पतिदेव ने मेरी तरफ देखते हुए मुस्कुरा कर कहा।

कप दूध और एक कटोरी सब्जी या यह मेडल और सम्मान पत्र ?

मधुमास

गीता सिन्हा गीतांजलि

सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*
फूल - फूल मुस्काया,
फैलेगी मंजरियों की सुवास।
घर-घर, आँगन - आँगन,
ढ़ो रही हवा धीरे-धीरे .... फिर,
फलों में भर देगी मिठास।
बेरों की झाड़ियाँ गदराई।
हरे - हरे, पीले - पीले जो थे कल,
होने लगे लाल- लाल आज।
सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*
ठंढ़क भागी दूर-दूर,
बसंत आने का देने लगा आभास।
सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*
सूखे पौधे भी पहने अब,
हरियाली वाले परिधान,
जो कान तरसे थे हमारे,
अब आने लगी कोयलों की तान।
बेकार हुए सब ऊनी कपड़े,
देने लगे तन को त्रास।
अब ₹कोल्ड ड्रिंक₹ सज जाएगा,
सबको आएगा ये रास।
सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*
सरसों के पीले फूल सभी,
बदल गए हरी फलियों में।
पीला रंग फीका सा पड़ा,
जैसे खेतों में पड़ी कुहास,
सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*
महुआ के फल अब टपकेंगे,
हवाओं की फीकी सी वो ₹हास₹
घोलेगी मादक सुगंध
मदमस्त पवन की लगी है आस।
सूरज की रोशनी तेज हुई,
आया चुपके से *मधुमास।*

मैं वही धड़कन हूँ

मनीष कुमार

मैं वही धड़कन हूँ,
जो हर इंसान के सीने में एक जैसी
धड़कती है।
ना किसी मजहब की, ना किसी जाति की,
ना ऊँच-नीच की, ना सरहदों की मोहताज।

मैं उस बच्चे की हँसी में भी बसती हूँ,
जो भूख से बेखबर माँ की बाहों में सो
जाता है।
मैं उस मजदूर की साँसों में भी घुली हूँ,
जो ईंट-दर-ईंट अपना कल जोड़ता है।

मैं वही धड़कन हूँ,
जो हर इंसान के सीने में एक जैसी
धड़कती है।
पर तुमने मुझे बाँट दिया–
नामों में, बस्तियों में, पहचानों में।
कहीं मैं तेजी से धड़कती हूँ,
कहीं मैं सहमी हुई सिसकती हूँ।

मैं उस बूढ़े बाप के सीने में भी हूँ,
जो दरवाजे पर बैठा बेटे की राह तकता
है।
मैं उस माँ के दिल में भी धड़कती हूँ,
जो परदेस गए बेटे की चिट्ठी को सीने से
लगाती है।

मैं वही धड़कन हूँ,
जो हर इंसान के सीने में एक जैसी
धड़कती है।
फिर क्यों मुझमें इतनी दीवारें खड़ी कर
दी?
क्यों मेरा स्पंदन कहीं तेज, कहीं मंद
कर दिया?
मैं तो बस ज़िंदा रहना चाहती हूँ,
हर दिल में–बिना किसी दायरे, बिना
किसी भेद के।

मत बाँटो मुझे, मत जकड़ो मुझे–
मैं तो जीवन की पुकार हूँ,
मैं तो बस एक धड़कन हूँ,
जो हर इंसान के सीने में एक जैसी
धड़कती है।

टोरंटो में कनाडाई इंटरनेशनल ऑटो शो में 1886 की बेंच पेटेंट मोटर वैगन के प्रतिरूप को देखते हुए लोग। दस दिवसीय इस शॉ में 40 से अधिक ऑटोमाबाइल प्रतियोगियों ने भाग लिया।

नए आयकर बिल: टैक्स सरल बनाने की कवायद

- धारा 80सी के तहत किए गए हैं बड़े बदलाव

नई दिल्ली ।

लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चर्चा का विषय बना दिया है नया आयकर बिल का प्रस्ताव, जिसके अनुसार टैक्स संबंधी नियमों की भाषा सरल बनाई जाएगी। नए बिल में कोई इनकम टैक्स स्लैब या कैपिटल गेन्स टैक्स संशोधन नहीं है, लेकिन धारा 80सी के तहत बड़े बदलाव हैं। यदि आप पुरानी टैक्स व्यवस्था का अनुसरण करते हैं, तो धारा 80सी के बजाय धारा 123 के तहत टैक्स बचाने के विकल्पों से परिचित होंगे। अब इस धारा के अनुसार टैक्सपेयर को प्राप्त राशि के उत्तराधिकारी द्वारा भुगतान किया गया या जमा की गई राशि पर छूट मिलेगी, जो शेड्यूल एक्सवी में उल्लिखित राशियों के कुल के बराबर होगी, परन्तु 1.5 लाख रुपये से अधिक नहीं होगी। यह नया आयकर बिल 622 पन्नों का है और 536 धाराएं शामिल हैं, जबकि वर्तमान आयकर अधिनियम में 823 पन्नों में 298 धाराएं हैं।

नए बिल में हर धारा का एक खंड है, सिवाय उन अप्रासंगिक धाराओं के। जबकि बताया गया है कि इस बिल के माध्यम से कर कानूनों को सरल बनाया जाएगा।

भारतीय बाजार में 78 लाख करोड़ की गिरावट

- भारत के एमकैप ने 10 अप्रैल को पहली बार 400 लाख करोड़ पार किया था

नई दिल्ली ।

भारतीय बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) शुक्रवार को नीचे दिखा 400 लाख करोड़ रुपये से नीचे पहुंच गया। हालांकि, बाजार थोड़ा सुधरकर 400.2 लाख करोड़ रुपये पर रुका, जो इस साल का सबसे निचला स्तर है। भारत के एमकैप ने 10 अप्रैल को पहली बार 400 लाख करोड़ रुपये का स्तर पार किया था और 29 सिंतबर को यह 477.93 लाख करोड़ रुपये की ऊंचाई पर पहुंचा था। तब से बाजार पूंजीकरण में करीब 78 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। तेज गिरावट की मुख्य वजह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा बिकवाली की गई निवेशों के पीछे है। एफपीआई ने इस वर्ष कुल 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिकवाली की है। तीसरी तिमाही के नतीजे कमजोर रह सकते हैं, जिससे बाजार में ताजा बिकवाली का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन, यह खरीदारी के अवसर भी पैदा कर सकता है जिसमें मजबूत वृद्धि या सुधार की राह पर बढ़ रही कंपनियाँ शामिल हो सकती हैं। बाजार का मार्केट कैप डॉलर में 4.6 लाख करोड़ डॉलर है, जो पिछले कुछ महीनों में करीब 1.2 लाख करोड़ डॉलर की कमी दर्ज की गई है। भारतीय बाजार अब मल्टीपल मूल्यांकन पर चुनौती खड़ी कर रहा है, जिससे निवेशकों को सावधान रहने की आवश्यकता है।

ओपनएआई बोर्ड ने एलन मस्क के प्रस्ताव को ठुकराया

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप ओपनएआई के अधिग्रहण का मामला

नई दिल्ली । विश्वविख्यात उद्यमी और एलेक्ट्रिक वाहन निर्माता टेस्ला के मालिक एलन मस्क को उनकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप ओपनएआई की अधिग्रहण की हसरत पूरी होने में मुश्किले आ रही है। ओपनएआई बोर्ड ने एलन मस्क के 97.4 बिलियन के अधिग्रहण प्रस्ताव को ठुकरा दिया है, कहते हुए कि कंपनी बिक्री के लिए नहीं है। एलन मस्क जो पहले ओपनएआई के सह-संस्थापक थे, अब कंपनी से अलग हो चुके हैं। मस्क के वकील ने बताया कि ओपनएआई अपने लाभकारी उद्यम का निजी स्वामित्व बेचने की योजना बना रही है, जिससे कुछ बोर्ड सदस्य व्यक्तिगत लाभ उठा सकते हैं। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और मस्क के बीच वर्षों से चल रहा टकराव जारी है, जिसमें एलन मस्क ने ओपनएआई को लाभकारी बनाने के पक्ष में नहीं देखा। ओपनएआई ने अपने स्वर्णिम भविष्य के लिए एक पब्लिक बेनिफिट कॉरपोरेशन बनाने की योजना बनाई थी, जिसका उद्देश्य था अधिक पूंजी जुटाना और गैर-लाभकारी प्रतिबंधों को हटाना। ओपनएआई ने मस्क के प्रति कटु रूख अपनाया है, जिससे वार्षिक बोर्ड की चुनौतियों में नई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं। एलन मस्क के वकीलों ने ओपनएआई के साथ चल रहे संघर्ष को निपटाने के लिए अदालत में कानूनी कदम उठाया है, जिसमें वकीलों ने कहा कि यदि ओपनएआई अपनी लाभकारी इकाई बनाने की योजना छोड़ देता है तो उनकी बोली वापस ली जाएगी। ओपनएआई ने मानवता के लिए एआई के लाभ को पहुंचाने की मिशन में प्रतिबद्धता जताई है, और इस उद्देश्य को मजबूत बनाने के लिए अपने मिशन पर कड़ी नजर रखी है। एलन मस्क और ओपनएआई के बीच टकराव के बीच बढ़ते विवाद में, एक ओर ओपनएआई ने उनके प्रस्ताव को ठुकरा दिया है, जबकि दूसरी ओर मस्क और उनके वकील उसे निपटाने के लिए कड़ी कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं। इस संघर्ष के माध्यम से ओपनएआई की दिशा और उद्देश्य पर प्रकाश डालने के लिए और एलन मस्क की तकनीकी उच्चताओं को रक्षा करने के लिए एक सख्त स्तर पर कानूनी और नैतिक झगड़ा चल रहा है।

कुल यात्री वाहनों में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी 3 प्रतिशत से भी कम

नई दिल्ली ।

वर्तमान में, देश में बिकने वाले कुल यात्री वाहनों में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी 3 प्रतिशत से भी कम है। हालांकि भारत में इलेक्ट्रिक कारों का बाजार धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है और 2025 में इसकी बिक्री दोगुनी होने की संभावना जताई जा रही है।

नए मॉडल के लॉन्च और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार के चलते यह आंकड़ा तेजी से बढ़ सकता है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के अनुसार, 2023 में भारत में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 82,688 यूनिट थी, जो 2024 में 19.93प्रतिशत बढ़कर 99,165 यूनिट तक पहुंच गई। हालांकि, कुल यात्री वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी केवल 2.4प्रतिशत रही। हुंडई के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग के अनुसार, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार और नए मॉडल की बढ़ती संख्या से 2025 में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री दोगुनी हो सकती है।

उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ वर्षों में इलेक्ट्रिक कारें भारतीय बाजार में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं। वर्तमान में, भारतीय इलेक्ट्रिक कार बाजार में टाटा मोटर्स का दबदबा है, जिसकी हिस्सेदारी 2024 में 62.01प्रतिशतरही। हालांकि, नए कंपनियों के प्रवेश से यह परिदृश्य बदल सकता है।

2025 में मारुति ई-विटारा, हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक, महिंद्रा बीई6 और किआ कैरेंस ईवी जैसी कई नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च होने वाली हैं।

एनपीसीआई ने यूपीआई यूजर्स के लिए बढ़ाई राहत, अब रिफंड होगा जल्द

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए देश के करोड़ों यूपीआई यूजर्स के लिए राहत की खबर आगामी है। अब फेल होने वाले यूपीआई ट्रांजैक्शन या अटके हुए पैसों के रिफंड के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। एक सर्कुलर के माध्यम से हाल ही में एनपीसीआई ने घोषणा की है कि नए नियमों के बैठक, चार्जबैक अनुरोधों की प्रक्रिया को ऑटोमेटेड कर दिया गया है। इस नई प्रक्रिया के अनुसार, लाभार्थी बैंकों द्वारा दाखिल किए गए ट्रांजेक्शन क्रेडिट कन्फर्मेशन (टीसीसी) या रिटर्न रिक्वेस्ट (आरईटी) के आधार पर चार्जबैक अनुरोध या तो ऑटोमेटेड रूप से स्वीकार या अस्वीकार कर दिए जाएंगे। यह सुनिश्चित करेगा कि प्राथमिक ट्रांजेक्शन-रिलेटेड मुद्दों को तेजी से समाधान किया जा सके। इस ऑटोमेटेड प्रक्रिया की शुरुआत 15 फरवरी से हो गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो यूपीआई यूजर्स को फायदा पहुंचाएगा और उन्हें सुविधात्मक रूप से सेवाएं प्रदान करेगा। इस नई प्रक्रिया से चार्जबैक की प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और दक्षता आएगी, जिससे सिस्टम में सुधार होगा।

वेलेंटाइन डे के बाद चांदी 1 लाख के पार, सोना भी हुआ महंगा

नई दिल्ली । फरवरी के महीने में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। एक ही दिन में चांदी की कीमत में 2,350 रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई, इससे वह 1,00,600 प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। वेलेंटाइन डे के बाद सोने और चांदी की कीमतें और भी बढ़ गई हैं जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ रही हैं। भारत में 22 कैरेट सोने की कीमत 8,006 रुपए प्रति ग्राम तक पहुंच गई है, जबकि 24 कैरेट सोने की दर 8,732 रुपए प्रति ग्राम हो गई है। वहीं चांदी की भी कीमत 100.60 रुपए प्रति ग्राम और 1,00,600 रुपए प्रति किलोग्राम है। यह अचानक बढ़ोतरी ने चांदी को 1 लाख के पार पहुंचा दिया है। विभिन्न शहरों में सोने की कीमतों में इजाफा होने से लोगों के मुताबिक सोने-चांदी की कीमतों में और बढ़ोतरी की संभावना है। नई दिल्ली में 22 कैरेट सोने की कीमत 8,006 रुपए, जबकि 24 कैरेट सोने के दाम 8,732 रुपये प्रति ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है। लखनऊ में 22 कैरेट सोने की कीमत 8,006 रुपए, जबकि 24 कैरेट सोने के दाम 8,732 रुपये प्रति ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है। पटना में 22 कैरेट सोने की कीमत 7,996 रुपए, जबकि 24 कैरेट सोने के दाम 8,722 रुपये प्रति ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है। मुंबई में 22 कैरेट सोने की कीमत 7,991 रुपए, जबकि 24 कैरेट सोने के दाम 8,717 रुपये प्रति ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है। कोलकाता में 22 कैरेट सोने की कीमत 7,991 रुपए, जबकि 24 कैरेट सोने के दाम 8,717 रुपये प्रति ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है।

एलआईसी ने तीसरी तिमाही में कंसोलिडेटेड मुनाफा 11,008 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली । भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड मुनाफा 11,008 करोड़ रुपये रहा है, जो कि बीते साल की समान तिमाही में 9,468.99 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में कंपनी का कर के बाद मुनाफा 29,138 करोड़ रुपये रहा है, जो कि बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में 26,913 करोड़ रुपये पर था। यह सालाना आधार पर 8.27 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में कंपनी ने 3,40,563 करोड़ रुपये का कुल प्रीमियम जुटाया है। इसमें सालाना आधार पर 5.51 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। कंपनी का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) सालाना आधार पर 10.29 प्रतिशत बढ़कर 54,77,651 करोड़ रुपये हो गया है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में एलआईसी की नए बिजनेस प्रीमियम आय (व्यक्तिगत) सालाना आधार पर 9.73 प्रतिशत बढ़कर 42,441 करोड़ रुपये रही है। एलआईसी के सीईओ और एमडी सिद्धार्थ मोहंती ने कहा, हमारा ध्यान और रणनीति एक गतिशील वातावरण में अपने ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने उत्पाद और चैनल मिश्रण को बदलने की दिशा में लगातार बना हुआ है। मोहंती ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में वैल्यू ऑफ न्यू बिजनेस (वीएनबी) मार्जिन बेहतर होकर 17.1 प्रतिशत हो गया है, जो कि बीते साल समान अवधि में 16.6 प्रतिशत था। इस दौरान वैल्यू ऑफ न्यू बिजनेस 6,477 करोड़ रुपये रही है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 5,938 करोड़ रुपये थी। मोहंती ने बताया कि अब तक 1.25 लाख से अधिक महिलाओं को बीमा सखी योजना में पंजीकृत किया गया है और 70,000 से अधिक को बीमा सखी के रूप में नियुक्त किया है।

बीते हफ्ते बाजार में रही दो महीने में सबसे बड़ी गिरावट

मुंबई ।

ट्रंप की टैरिफ नीतियों पर अनिश्चितता, मिश्रित कारपोरेट आय, निरंत एफआईआई बिकवाली और डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट की वजह से बीते सप्ताह भारतीय बाजार में दो सप्ताह की बढ़त का सिलसिला टूट गया और ये दो महीने की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुआ। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो ताजा टैरिफ चिंताओं और विदेशी फंडों के निरंतर निकासी के बीच सोमवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 343.83 अंक गिरकर 77,516.36 अंक पर खुला और 548.39 अंक गिरकर सप्ताह के निचले स्तर 77,311.80 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 105.55 अंक गिरकर 23,454.40 अंक पर खुला और 178.35 अंक गिरकर 23,381.60 पर बंद हुआ। स्मॉल और मिडकैप शेयरों में बड़ी बिकवाली के कारण मंगलवार को भी सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट दिखी। सेंसेक्स 1,120.72 अंक गिरकर 76,191.08 पर खुला और 1,018.20 अंक गिरकर दो सप्ताह के निचले स्तर 76,293.60 पर बंद हुआ। निफ्टी 345.65 (अंक फिसलकर 23,035.95 के स्तर पर खुला और 309.80 अंक टूटकर 23,071.80 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 274.56 अंक की गिरावट के साथ 76,019.04 अंक पर खुला और 122.52 अंक की गिरावट के साथ 76,171.08 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 78.45 अंक फिसलकर 22,993.35 अंक पर खुला और एनएसई निफ्टी लगातार छठे दिन गिरावट के साथ 26.55 अंक गिरकर 23,045.25 पर बंद हुआ। लगातार गिरावट की मार झेल रहे निवेशकों के लिए गुरुवार की सुबह राहत भरी खबर लेकर आई। शुरुआती कारोबार में घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। इस दौरान सेंसेक्स 214.08 अंक बढ़कर 76,385.16 अंक पर खुला और 32.11 अंक गिरकर 76,138.97 पर बंद हुआ। निफ्टी 69.8 अंक चढ़कर 23,115.05 अंक पर खुला और 13.85 अंक गिरकर 23,031.40 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 282.82 अंक या फिर 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,856.15 पर खुला और 199 अंक की गिरावट के साथ 75,939 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी50 134.20 अंक की गिरावट पर खुला और 102 अंक की गिरावट रही, ये 22,929 के स्तर पर बंद हुआ।

फोर्टिस हेल्थकेयर श्रीमन सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का अधिग्रहण करेगी

मुंबई । फोर्टिस हेल्थकेयर ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी फोर्टिस हॉस्पिटल के माध्यम से श्रीमन सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का अधिग्रहण करने पर विचार कर रही है। इस सौदे के तहत फोर्टिस हेल्थकेयर ने श्रीमन अस्पताल के पूरे व्यवसाय संचालन, अस्पताल की इमारत और अस्पताल की जमीन का अधिग्रहण करेगी है। कंपनी ने कहा कि यह लेन-देन पूरी तरह से नकद में होगा और कुल खरीद मूल्य लगभग 462 करोड़ रुपये है। इसमें स्टांप ड्यूटी और अन्य नियामक खर्च शामिल नहीं है। एफएचएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए कई अधिग्रहण कर रहे हैं और इस अधिग्रहण को हम एक अच्छा कदम मानते हैं क्योंकि कंपनी की पहले से ही पंजाब में मजबूत उपस्थिति है, जिससे हमें इस अस्पताल के अधिग्रहण से अधिक लाभ मिलेगा।

पीएम मोदी के अमेरिका दौरे को शीर्ष उद्योग संगठनों ने बताया ऐतिहासिक, व्यापार और निवेश में होगा बढ़ावा

नई दिल्ली।

शीर्ष उद्योग संगठनों एसोचैम और फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा को व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने में ऐतिहासिक बताया।

एसोचैम के अध्यक्ष संजय नायर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी के निरंतर विश्वास और मजबूती का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा से कई ठोस परिणाम सामने आए हैं। इसमें रक्षा, आतंकवाद, जीवाश्म ईंधन और परमाणु ऊर्जा, दोनों देशों को कवर करने वाली ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और निवेश के अलावा भारत की मानव पूंजी का लाभ उठाने में सहयोग को मजबूत करना शामिल है। एक अन्य प्रमुख परिणाम, वर्ष के अंत तक एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को गति देने के लिए यूएस-भारत रोडमैप का विकास है।

वहीं फियो के अध्यक्ष अश्विनी कुमार के अनुसार, यह यात्रा गहन आर्थिक सहयोग, व्यापार का विस्तार, निवेश को बढ़ावा देने और दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अमेरिका भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक के रूप में उभर रहा है। ये घटनाक्रम भारतीय निर्यातकों को नए मौके प्रदान करेगा। टेक्नोलॉजी, डिफेंस और ग्रीन एनर्जी पर ध्यान केंद्रित करने से विशेष रूप से भारत के निर्यात क्षेत्रों को लाभ होगा और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। कुमार ने बढ़ते निवेश फोकस की सराहना की, जो भारत में नए उद्योगों और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा, मेक इन इंडिया पहल को गति प्रदान करेगा और भारतीय निर्यात की मांग को बढ़ाएगा।

फोकस क्षेत्रों में टेक्नोलॉजी, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और वस्त्र शामिल हैं, जिसका महत्वाकांक्षी लक्ष्य मिशन 500 के तहत 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार में 500 अरब डॉलर तक पहुंचना है। कुमार ने इस साल के अंत तक बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए प्रारंभिक समय-सीमा की सराहना की, जिसका उद्देश्य बाजार पहुंच बढ़ाना, व्यापार बाधाओं को कम करना और सप्लाई चेन इंटीग्रेशन में सुधार करना है। फियो प्रमुख कुमार ने कहा, ये निवेश भारतीय निर्यातकों के लिए नए मौके पैदा करेगा और भारत को नवाचार तथा विनिर्माण के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। आईटी, एआई और 5जी इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग बढ़ाने पर मुख्य ध्यान दिया गया, जिससे अमेरिकी बाजार में भारतीय तकनीकी व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण विकास संभावनाएं खुलेंगी।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट से निवेशक चिंतित

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार आठवें दिन गिरावट से निवेशकों की चिंता बढ़ गई है। इस गिरावट से निवेशकों के 25.31 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ नीतियों और वैश्विक ट्रेड वॉर की आशंका से बाजार की स्थिति और कमजोर हो गई है। विशेषज्ञों की राय बाजार के भविष्य को लेकर अब भी मिले-जुले संकेत दे रही है। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि कमजोर तिमाही नतीजों, रुपए में गिरावट और टैरिफ जैसे बाहरी फैक्टर्स से निकट भविष्य में बाजार धारणा कमजोर रहने का अनुमान है। इस हफ्ते लगातार आठ सत्रों में हुई बिकवाली से निवेशकों में चिंता है। अगले हफ्ते बाजार में तेजी आने पर दांव लगाने की भी संभावना है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में 3.24 फीसदी और मिडकैप इंडेक्स में 2.59 फीसदी की गिरावट आई। बीएसई के क्षेत्रवार सूचकांकों में भी गिरावट देखने को मिली। इस दौरान सिर्फ आईटी क्षेत्र फायदे में रहा, जबकि बाकी सेक्टर में निकली गिरावट। निवेशकों के लिए आगे का माहौल अनिश्चित है और विशेषज्ञों की मान्यता है कि सावधानी बरतनी चाहिए।

बीएसएनएल ने चालू वित्त वर्ष में 262 करोड़ का मुनाफा कमाया

नई दिल्ली । भारतीय संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने हाल ही में चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 262 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। इस साल उनके निगम ने 17 साल बाद पहली बार मुनाफा दर्ज किया है। सरकार ने हाल ही में बीएसएनएल की 4जी सर्विस के विस्तार के लिए अत्यधिक 6,000 करोड़ रुपये आवंटित किया था। इससे कंपनी ने सेवाओं और ग्राहक बेस को बढ़ाने पर फोकस किया। कंपनी ने अपनी लागत और व्यय में कटौती की है जिससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में घाटे में कमी आई है। उनके मोबाइल सेवाओं में आमदनी में 15 फीसदी की वृद्धि हुई है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बीएसएनएल के इस मुनाफे को एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया। उन्होंने यह भी बताया कि बीएसएनएल ने एबीआईटीडीए वित्त वर्ष 23-24 तक दोगुनी हो गई है, जिससे उनका अनुमानित राजस्व लगभग 2,100 करोड़ रुपये हो गया है। इन सभी नतीजों से साफ होता है कि बीएसएनल ने 4जी सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करके एक बड़ा कदम उठाया है और इससे कंपनी के लिए एक उज्जवल भविष्य की संभावना है।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला पलट दिखायी राह, किया उजाला

ललित गर्ग

देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए न्याय-व्यवस्था को अधिक सशक्त एवं निष्पक्ष बनाये जाने की अपेक्षा है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ मामलों में पाक्सो और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों का दुरुपयोग देखा गया है, मगर इसका अर्थ यह नहीं कि इससे किसी को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट मिल जाती है।

नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की कोशिश से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाकर न्याय की संवेदनशीलता को संबल दिया है, इससे जहां न्याय की निष्पक्षता, गहनता एवं प्रासंगिकता को जीवंत किया है, वहीं महिला अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की कोशिशों को गंभीरता से लिया गया है। शीर्ष अदालत के जजों ने इस फैसले को असंवेदनशील बताते हुए न केवल इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस विवादित फैसले पर गंभीर नाराजगी दर्शायी एवं खेद प्रकट किया है, क्योंकि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा था- नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट पकड़ना और उसके पायजामे के नाड़े को तोड़ना रेप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों की गंभीरता को कम करने वाली या पीड़ितों के अनुभवों को कमतर आंकने वाली भाषा एवं सोच का इस्तेमाल न करने की चेतावनी देते हुए हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को भी ऐसा फैसला देने वाले जज से ऐसे संवेदनशील मामलों की सुनवाई न कराने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने कहा कि यह फैसला तुरंत नहीं लिया गया, बल्कि सुरक्षित रखने के 4 महीने बाद सुनाया गया यानी पूरे विचार के बाद फैसला दिया गया है। नारी अस्मिता एवं अस्तिव को कुचलने की शर्मसार करने वाली निचली अदालतों की ऐसी न्यायिक घटनाएं चिन्ताजनक है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की पहल से समाज में सकारात्मक संदेश दिया गया और महिलाओं की सुरक्षा, अस्मिता एवं अस्तित्व सुनिश्चित करने का सार्थक प्रयास भी किया गया है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में जस्टिस राममनोहर नारायण मिश्रा ने अपने 17 मार्च के इस फैसले में कहा था कि 'पीड़िता के स्तन को छूना और पायजामे की डोरी तोड़ने को बलात्कार या बलात्कार की कोशिश के मामले में नहीं गिना जा सकता है।' उल्लेखनीय है कि यह घटना साल 2021 में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई थी। जिसमें तीन युवकों ने लड़की से बदतमीजी की थी और उसके प्राइवेट पॉर्टस को छुआ तथा पुल के नीचे घसीटकर उसके पायजामे की डोरी तोड़ थी। जिसे पास से गुजरने वाले ट्रैक्टर चालकों ने बचाया था। स्थानीय पुलिस से जब किशोरी के परिजनों को मदद नहीं मिली तब उन्होंने न्याय के लिये कासगंज की विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। जहां अभियुक्तों पर आईपीसी की धारा 376 व पॉक्सो एक्ट की धारा 18 लगाई गई। जिसको अभियुक्तों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। 11 साल की इस लड़की के साथ हुई इस घटना के बारे में जस्टिस मिश्रा का निष्कर्ष था कि यह महिला की गरिमा पर आघात का मामला है। इसे रेप या

रेप की कोशिश नहीं कह सकते। एकल पीठ का कहना था कि मामले में तथ्यों व आरोपों के आधार पर तय करना संभव नहीं है कि बलात्कार का प्रयास हुआ था। जिसके लिये अभियोजन पक्ष को सिद्ध करना था कि अभियुक्तों का यह कदम अपराध करने की तैयारी के लिये था। इस फैसले के बाद देशभर में गहरा आक्रोश, गुस्सा एवं नाराजगी सामने आयी, महिला संगठनों व बौद्धिक वर्गों में तल्ख प्रतिक्रिया देखी गयी, सोशल मीडिया एवं मीडिया ने इसे न्याय की बड़ी विसंगति एवं अमानवीयता के रूप में प्रस्तुत किया।

महिला संगठन वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था। शीर्ष अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने माना कि फैसला न केवल असंवेदनशील है बल्कि अमानवीय नजरिया भी दशार्ता है। जिसके चलते इस फैसले पर रोक लगाना आवश्यक हो जाता है। वहीं शीर्ष अदालत ने इस मसले पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया है। यह बात किसी के गले नहीं उतर पा रही कि जब पाक्सो कानून में स्पष्ट रूप से किसी बच्चे के साथ गलत हरकतों को आपराधिक कृत्य माना गया है, तब कैसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश को न्यायिक विवेचन करते समय यह गंभीर दोष नहीं जान पड़ा। महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों में तो उन्हें घूरने, गलत इशारे करने, पीछा करने आदि को भी आपराधिक कृत्य माना गया है। फिर उस लड़की के मामले में हर पहलू पर विचार क्यों नहीं किया गया? इस फैसले की निन्दा, भर्त्सना एवं आलोचना ने देश में एक बार फिर जताया है कि देश ऐसे संवेदनशील मामलों में जागरूक है, किसी भी तरह की लापरवाही एवं कोताही को बर्दाश्त नहीं करेगा। सुप्रीम अदालत ने देखा था कि पीछा करने, छेड़छाड़ करने और उत्पीड़न जैसे अपराधों को सामान्य बनाने वाले रवैये का 'पीड़ितों पर स्थायी और हानिकारक प्रभाव पड़ता है।' महिलाओं के सम्मान और गरिमा के प्रति सर्वोच्च न्यायालय संवेदनशील है, यही आशा की किरण है। यहां यह अपेक्षित हो जाता है कि महिला मामलों की सुनवाई करने वाले जजों को इसकी बारीकियों एवं गहनताओं का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। ऐसे प्रशिक्षित जजों को ही ऐसे मामलों की सुनवाई का मौका दिया जाना चाहिए। यह भी अपेक्षित है कि ऐसे मामलों में कोताही या दुराग्रह बरतने वाले जजों के लिये उचित जांच का भी प्रावधान होना चाहिए।

महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में फैसला देते वक्त अदालतों से अपेक्षा की जाती है कि वे घटना, तथ्यों और प्रमाणों पर संवेदनशील तरीके से विचार करें। मगर विचित्र है कि कई बार निचली अदालतें ऐसे मामलों में आग्रह एवं पूर्वाग्रहपूर्ण निर्णय सुना देती हैं। उल्लेखनीय है कि एक ऐसे ही मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के फैसले को पलट कर कानून की संवेदनशीलता को संबल दिया था। तब भी सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2021 में कहा था कि किसी बच्चे के यौन अंगों को यौन इरादे से छूना पॉक्सो अधिनियम की धारा 7 के तहत यौन हिंसा माना जाएगा। अब चाहे इसमें त्वचा का संपर्क नहीं हुआ हो। कोर्ट का मानना था कि अभियुक्त का इरादा ज्यादा मायने रखता है। दरअसल, इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की महिला जज ने अभियुक्त को इस आधार पर बरी करने का फैसला लिया था कि त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं हुआ था। इसी तरह कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी अक्टूबर, 2023 में एक फैसला सुनाते हुए टिप्पणी की थी कि किशोरियों को अपनी यौन इच्छाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए, वे दो मिनट के सुख के लिए समाज की नजरों में गिर जाती हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जज से यह उम्मीद नहीं की जाती है कि वे फैसला सुनाते समय अपने विचार व्यक्त करें। तब सुप्रीम कोर्ट ने यह दिशानिर्देश भी जारी किए थे कि फैसले किस तरह लिखे जाने चाहिए। इसके अलावा, कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को भी पलट दिया था। ऐसे फैसले न्यायिक भ्रष्टता, संवेदनहीनता एवं लापरवाही के प्रतीक है, जिससे महिलाओं अपराधियों, बलात्कारियों, व्यभिचारियों एवं यौन शोषकों का नारी से खिलवाड़ करने का हौसला बुलन्द होता है।

देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए न्याय-व्यवस्था को अधिक सशक्त एवं निष्पक्ष बनाये जाने की अपेक्षा है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ मामलों में पाक्सो और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों का दुरुपयोग देखा गया है, मगर इसका अर्थ यह नहीं कि इससे किसी को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट मिल जाती है। पहले ही महिला यौन उत्पीड़न के मामलों में शिकायतें दर्ज कराने को लेकर चुप्पी साध जाने या टालमटोल रवैया अपनाना एक गंभीर मामला है। जिसके चलते ऐसी घटनाएं बढ़ती ही जा रही है। आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं तो! ईमानदार स्वीकारोक्ति और पड़ताल से ही यह संभव होगा।

संपादकीय

भारत धर्मशाला नहीं

आप्रवास और विदेशियों विषयक विधायक 2025 अंततः लोक सभा से पारित हो गया। इधर के दिनों में विशेषकर भारत में बांग्लादेश में रोहिंग्या की भारी घुसपैठ के कारण इस विधायक की जरूरत ज्यादा ही महसूस की जा रही थी। कुछ एजेंटों तथा सक्रिय निहित स्वार्थ के कारण इन दोनों समुदायों के लोग भारत में आकर न केवल भारतीय पहचान पत्र बनवाने में सफल हो जाते हैं बल्कि अपने लिए अस्थाई और अस्थाई अजीविका भी तलाश लेते हैं। अगर मामला यहीं तक सीमित होता तब भी गनीमत थी, लेकिन इन समुदायों के लोग सामान्य से लेकर गंभीर अपराधों तक और यहां तक की भारत-विरोधी गतिविधियों में भी लिप्त पाए गए हैं। भारत सरकार तथा भारतीय हितों के पोषक लोग लंबे समय से इनके खतरे के प्रति आगाह भी करते रहे हैं और इसे नियंत्रित करने के प्रयासों पर चर्चा करते रहे हैं। इन्हीं सब की परिणति है यह नया विधेयक। इस विधेयक पर चर्चा करते हुए गृह मंत्री अमित शाह की इस बात से असहमत नहीं हुआ जा सकता कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है कि कोई भी यहां चला आए, बस जाए और बिना किसी रोक-टोक के जो मन आए करता रहे। वास्तविक समस्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की नहीं बल्कि उनकी है जो उनके आगमन को संभव बनाते हैं। उनके रहने और रोजगार की व्यवस्था करते हैं और फिर उन्हें भारत विरोधी गतिविधियों का हिस्सा बनते हैं। अब देखना है कि इस नाम इस कानून के लागू होने के बाद किस तरह से घुसपैठियों पर रोक लगेगी और किस तरह से उनके विरु द्ध कार्रवाई होगी जो भारत में घुसपैठ को सुगम बनाते हैं। याद रखना चाहिए कि इन घुसपैठियों की मदद करने वाले तथा इन्हें भारत में बसने के दस्तावेज उपलब्ध कराने वालों का एक वृहद तंत्र है जो समूचे भारत में फैला हुआ है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि गृह मंत्री ने इस घुसपैठ को रोकने में सहयोग करने का आरोप पश्चिम बंगाल की सरकार पर भी लगाया है। उन्होंने कहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के पास जो आधार कार्ड मिलते हैं वह पश्चिम बंगाल में 24 परगना जिले के होते हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि यह नया कानून और गृह मंत्री के प्रयास सही परिणति तक पहुंचेंगे, भारत को घुसपैठ से राहत मिलेगी और धर्मशाला खाली होगा।

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है। यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है।

एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

वैश्विकी: अमेरिका का टैरिफ युद्ध

डॉ. दिलीप चौबे

पूरी दुनिया का उद्योग और व्यापार क्षेत्र २ अप्रैल (बुधवार) का इंतजार कर रहा है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अन्य देशों से होने वाले आयात पर नई सीमा शुल्क की घोषणा करेंगे। भारत के उद्योग विशेष कर औषधि उत्पादक उद्योग सेक्टर पर इसका असर पड़ेगा। पिछले कुछ समय से राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ चेतावनी से निपटने के लिए विभिन्न देश अपनी तैयारी कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी 10 फरवरी को अमेरिका यात्रा के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप से इस मुद्दे पर विचारझविमर्श किया था। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अपने अमेरिकी कक्षा से इस जटिल मसले पर चर्चा की थी। फिलहाल भारतीय अधिकारी आश्वस्त हैं कि अमेरिका को भारत के प्रति अपेक्षाकृत अनुकूल रवैया अपनाने पर राज्य किया जा सकेगा। स्वयं राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के प्रति नरम रवैया अपनाने के संकेत दिए हैं। शुक्रवार को ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की तथा उन्हें चतुर नेता बताया। ट्रंप के अनुसार भारत उन देशों में शामिल है जहां विदेशी आयात पर सबसे अधिक सीमा शुल्क लगाया जाता है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह 2 अप्रैल को अपने यहां होने वाले आयात पर टैरिफ बढ़ोतरी की घोषणा करेंगे। उन्होंने इस दिन को मुक्ति दिवस करार दिया साथ। उन्होंने यह भी कहा कि वह विभिन्न देशों के साथ में व्यापारिक समझौते करने को राजी हैं, लेकिन इस पर बाद में बातचीत हो सकती है। जहां तक भारत का संबंध है वह टैरिफ के मुद्दे को एक व्यापक व्यापार समझौते के साथ जोड़ना चाहता है। भारत और अमेरिका के बीच पिछले काफी वर्षों से द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने पर चर्चा हो रही है। वास्तव में इसकी शुरू आत पिछले ट्रंप प्रशासन के दौरान हुई थी, लेकिन इस पर तत्परता से कार्रवाई नहीं की गई। दोनों देश यथास्थिति कायम रखने पर राजी रहे। लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने अपनी 'अमेरिका फर्स्ट नीति' को अपने दूसरे कार्यकाल में सबसे बड़ी प्राथमिकता माना है। इसी के अनुरूप उनकी नीति है कि हमारे माल पर जितना टैरिफ लगेगा दूसरे देशों से भी उतना टैरिफ वसूल किया जाएगा। इसमें यूरोप समेत अमेरिका के सहयोगी देशों को भी कोई रियायत नहीं दी जाएगी।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल में ही कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता के दौरान देश के हितों का ख्याल रखा जाएगा। कुछ विश्लेषकों के अनुसार भारत पर यह दबाव होगा कि वह अपने बाजार को अमेरिकी उत्पादन के लिए आसान बनाएं। मोदी सरकार देश के कृषि उद्योग के हितों के साथ किसी प्रकार का समझौता करने का जोखिम नहीं उठा सकती।

कुछ जानकारों के अनुसार द्विपक्षीय व्यापार समझौते के दौरान भारतीय पक्ष को अमेरिका में किसानों को मिलने वाली सब्सिडी का मुद्दा उठाना चाहिए। अमेरिका में किसानों को भारी सब्सिडी मिलती है जिसके कारण कृषि लागत कम होती है तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रतिस्पर्द्धा में उन्हें फायदा होता है। अमेरिका सब्सिडी के मुद्दे को व्यापार समझौते से अलग रखना चाहता है। अमेरिका की शर्तों को यदि मान गया तो भारत के खाद्यान्न, डेयरी और मुर्गी पालन क्षेत्र को नुकसान होगा।

राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ नीतियों को आर्थिक संरक्षणवाद ही नहीं बल्कि व्यापार युद्ध की संज्ञा दी जा रही है। सबसे अधिक पीड़ित अमेरिका के सहयोगी देश हैं। वास्तव में टैरिफ नीति अमेरिका की विदेश नीति का एक हिस्सा नजर आता है। यूक्रेन युद्ध के संबंध में ट्रंप प्रशासन ने जो रवैया अपनाया है उससे यूरोपीय देश पहले से ही क्षुब्ध हैं। अब अमेरिका के साथ यूरोप के राजनीतिक और सैन्य ही नहीं बल्कि आर्थिक संबंध भी प्रभावित होने का खतरा है।

प्रवासी लोगों का हिमाचल में दखल,घातक होगा आने वाला कल

नरेन्द्र भारती

देवभूमि के नाम से विख्यात हिमाचल में प्रवासी लोगों व मजदूरों व महिलाओं का दखल आने वाले कल के लिए घातक सिद्ध होगा। अपराधिक प्रवृति के प्रवासी हिमाचल को अपराध की शरणस्थली बना रहे है।सरेआम हत्याएं कर रहे है।बेखौफ होकर कत्लेआम व अपहरण कर रहे है। मंडी में दो वरदातें हुई हैं एक सप्ताह पहले प्रवासी लोगों ने एक ढाबा मालिक पर गोलीवारी से जनमानस खौफजदा है अभी इस घटना की स्याही भी नहीं सूखी थी की नेरचौक में प्रवासी महिलाओं ने एक महिला के 35000 हजार रुपए लूटने का असफल प्रयास किया लेकिन महिला की बहादुरी से यह डकैती करने वाली पकड़ी गई और पैसा बरामद हो गया ' ऐसी वरदातों पर संज्ञान लेना होगा ताकि आने वाले भविष्य में ऐसी घटना न हो सके '4 नवबंर 2018 रविवार को मण्डी जिला के कनैड में प्रवासी मजदूरों ने एक कारोबारी की हत्या कर दी थी ।खूनी वारदात से लोग दहशत के साए में थे ।पुलिस ने प्रवासी को राजस्थान से गिरफतार कर लिया था ।यह असम का रहने वाला था । दूसरा अपराधी अभी फरार हो गया था । प्रवासी लोगों की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है।प्रशासन व पुलिस को इन हत्याओं की घटनाओं पर संज्ञान लेना चाहिए ताकि फिर कोई प्रवासी ऐसा जघन्य अपराध न कर सके।प्रवासियों की वारदातें बढती ही जा रही है। गत वर्षो दिन-दहाडे ही संतोषगढ में बस में सवार एक गिरोह ने महिला की गले की चेन काटने व झपटने का प्रयास किया तो महिला ने उसे पकड़ लिया था जबकि गिरोह के दूसरे सदस्य फरार हो गए थे । विदेशी नेपाली व अन्य राज्यों से आए प्रवासी लोगों द्वारा प्रदेश में अपराधिक घटनाओं व चोरियों व हत्याओं की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है जिससे हिमाचली जनमानस खौफजदा है।प्रवासी बेखौफ होकर प्रदेश में अराजकता फैला रहे हैं इसे कानून व्यवस्था की लारपवाही कहना गलत नही होगा समझ नहीं आता कि यह प्रवासी बार-बार अपराधिक वारदातों को कर रहे है और प्रशासन कुभंकरणी नींद सोया हुआ है यह दुर्भाग्य की बात है कि बाहरी लोग प्रदेश की शांति को ग्रहण लगा रहे है यदि समय रहते इन प्रवासी लोगों के खिलाफ कारवाई न की तो फिर पछताने के सिवाए कुछ हासिल नहीं होगा।प्रवासी हर रोज प्रदेश में चोरियां-डकैतियां कर रहे है लोगों को लूट रहे है ऐसी वारदातें निरंतर बढ़ती जा रही हैं। गत वर्ष नेरचैक में कुछ प्रवासी महिलाओं के डकैती करने वाले गिरोह ने बैंक से पैसा निकालकर बाहर निकली एक युवती का बैग काटकर 50 हजार रुपये उडा लिए थे। बारदात को अंजाम देने के दूसरे दिन इन महिलाओं ने मंडी बाजार में भी एक महिला का बैग काटा तो मौके पर ही इन महिलाओं को पकड़ लिया था बाद में उनसे नेरचौक से महिला से चुराये पैसे भी बरामद हो गए थे।कुछ साल पहले से प्रवासी ने चलती बस में मंडी में एक युवती पर तेजाब फैंककर उसका चेहरा जला दिया था तेजाब के कारण लडकी की आखें व चेहरा बुरी तरह झुलस गया था।तेजाब के छीटों से अन्य यात्रियों को भी नुक्सान पंहुचा था। प्रवासीयों की करतूतों के रौगटें खडे. कर देने वाले प्रमाण जिला कांगड़ा के पालमपुर और राजधानी शिमला के ठियोग में देखने को मिले इन दोनों घटनाओं को अंजाम देने वाले प्रवासी ही थे पहली घटना में ठियोग में एक बाप ने अपनी तीन साल की बेटी की गला रेत कर निर्मम हत्या कर दी थी यह प्रवासी झारखंड़ का था तथा यहां मजदूरी करने आया था और दूसरी घटना में एक प्रवासी ने एक तीन साल की अबोध बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था यह कारपेंटर का काम करता था तथा यह प्रवासी लुधियाना का रहने वाला था। प्रवाासियों की इन वारदातों से देवभूमी की साख पर बटटा लगता जा रहा है।प्रवासियों द्वारा प्रदेश में अराजकता के मामले घटित होते रहते है प्रशासन द्वारा इन पर कुछ समय सख्ती बरती जाती है फिर भी प्रवासी लोग नई घटनाओं को अंजाम देते रहते हैं।हर जिला में प्रवासी लोगों के काले करानामों की करतूते देखने को मिलती रहती है।लगभग चार साल पहले कुल्लु में नेपाल के चोर नरबहादुर ने अधिष्ठाता भगवान रघुनाथ की मूर्ति को 8 दिसंबर 2014 को चुराया था मगर प्रदेश पुलिस की तत्परता से 45 दिनों की कड़ी मश्क्कत से इस मूर्ति चुराने वाले अपराधी को नेपाल में गिरफतार करके मूर्तियों को कुल्लू से बरामद कर लिया था। इसने मूर्तियों को कुल्लु के आसपास ही दबाया था जिसे पुलिस ने खोज लिया था।आज प्रदेश में हजारों की संख्या में प्रवासी प्रवास कर रहे है।हर जिलें में यह लोग नजर आ रहे है।कुछ लोगों बिना पंजीकरण के घूम रहे है प्रशासन और पुलिस को इनका पजीकरण करना चाहिए ताकि अपराधिक व असमाजिक तत्वों की पहचान हो सके।आज प्रवासी प्रदेश के हर शहर व गांव में नकली व घटिया सामान बेच रहे है गत वर्ष स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने सुन्दरनगर में प्रवासीयों की झुग्गियों-झोपडीयों में छापामारी करके नकली शहद पकड़ा था। हमीरपुर के एक बैंक से प्रवासियों द्वारा 32 लाख रुपयों से भरे बैग को चुरा लिया था जिसमें मध्यप्रदेश के लोग संलिप्त पाए गए थे।भले ही पुलिस ने इनसे कुछ पैसे बरामद कर लिए इन प्रवासियों ने यह पैसे करनाल के जंगल में जमीन में दबाकर रखे थे पुलिस की सक्रियता के कारण ही इन चोरों का पकड़ा गया था। इन चोरों ने बीते अगस्त माह में 32 लाख रुपयों से भरा बैग चुराया था। इसमें चोरी करने वाले बच्चो की उम्र महज 15 साल तक थी। ऐसे पता नहीं कितने गिरोह प्रदेश में है इस वारदात के बाद भी यह प्रवासी निरंतर चोरियां कर रहे हैं। प्रदेश में हर रोज एटीएम कार्ड बदल कर लोगों को लुटा जा रहा है उसमें अधिकतर प्रवासी लोग ही पकड़े जा रहे है।आज प्रदेश में नेपाल, बिहार, उतरप्रदेश, झारखंड,राजस्थान,व जम्मू कश्मीर के प्रवासी लोग आजिविका कमा रहे है यह लोग पेंटर, मिस्त्री, बढ़ई का काम करते है प्रदेश में खडडों में रेत बतरी छानने का काम करते है कुछ गरीब लोग परिवार पालने के लिए मेहनत मजदूरी कर रहे है और शांति से रहते है कई प्रवासी मेलों मे खिलौने बेचकर रोजी रोटी कमा रहे है, मगर कुछ अपराधिक प्रवृति के लोग यहां भी अपने राज्यों जैसी अपराधिक वारदातों को कर रहे है अपराधों की शरणस्थली बना रहे है। अगर प्रदेश के लोग एकजुट होकर इन पर नजर रखें तो उनके यह मसूबें पूरे नही होगें। प्रदेश में यह लोग काम कर रहे है अच्छा है मगर अपराध की जो इबारतें लिख रहे है वह अशुभ सकेंत है। प्रदेश के लोग चंद पैसों के लालच में इन प्रवासी लोगों मकान किराए पर देतें है जब यह लोग वारदाते करते है तब होश आती है मकान देने से पहले इन लोगों का पुलिस में पंजीकरण होना जरुरी है मगर कौन पूछ रहा है ऐसे मकान मालिको पर शिंकजा कसना चाहिए जो बिना पहचान पत्र व बिना पंजीकरण के इन प्रवासियों को आश्रय दे रहे है। प्रदेश की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ज्यादातर प्रवासी लोग की काम कर रहे है प्रशासन को इनका पंजीकरण करवाना चाहिए ताकि इनका रिकार्ड रखा जा सके ।यह लोग प्रदेश की भोली-भाली लड़कियों व विवाहित महिलाओं को भगाकर ले जा रहे हैं । आजकल सर्दियों के दस्तक देते ही कश्मीरी लोग कंबल व शाल बेचने के लिए गांव-गांव में घूमने शुरू हो गए है यह लोग सर्दियों के अंत तक प्रदेश मे रहते है इन लोगों का प्रदेश की सीमाओं पर ही पंजीकरण करना चाहिए जो अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होगा उसे वापस भेजकर कानूनी कारवाई करनी चाहिए ताकि ऐसे लोगों की पहचान हो सके।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवारे मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

ग्राउंड जीरो में बीएसएफ कमांडर बनेंगे इमरान हाशमी

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान रखने वाले मशहूर एक्टर इमरान हाशमी अपनी आने वाली फिल्म में एक बीएसएफ कमांडर का किरदार निभाएंगे। फिल्म का नाम ग्राउड जीरो है। एक्सेल एंटरटेनमेंट ने जब से फिल्म ग्राउंड जीरो का एलान किया है तब से ही फिल्म ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। यह फिल्म देश के लिए बलिदान और राष्ट्र की रक्षा करने वालों पर आधारित होगी। एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अब फिल्म का पोस्टर जारी किया है। पोस्टर में इमरान हाशमी नजर आ रहे हैं।

कब रिलीज होगी ग्राउंड जीरो?

एक्सेल इंटरटेनमेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। यह पोस्टर ग्राउंट जीरो का है। इसमें इमरान हाशमी को पीछे की तरफ से दिखाया गया है। इमरान हाश्मी ने टी-शर्ट पहनी हुई है और हाथ में बंदूक ले रखी है। पोस्टर में इमरान हाशमी काफी जोशीले नजर आ रहे हैं। पोस्टर के कैप्शन में लिखा है एक मिशन की अनकही कहानी जिसने कश्मीर को हमेशा के लिए बदल दिया। इसमें आगे लिखा है कि ये फिल्म 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ग्राउंड जीरो की कहानी

ग्राउंड जीरो के नए पोस्टर में लिखा है तुझे लाई यहां तेरी मौत फौज, कश्मीर का बदला लेगा गाजी। ग्राउंट जीरो फिल्म में इमरान हाशमी बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट नरेंद्र नाथ दुबे की भूमिका में होंगे। फिल्म की कहानी के मुताबिक वह दो साल तक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे की जांच करेंगे। ग्राउंड जीरो में मनोरंजक कहानी के साथ एक्शन भी है। फिल्म में इमरान हाश्मी के अलावा साई तमहांकर और मुकेश तिवारी भी हैं।

इमरान हाशमी ने लोगों के साथ मनाया था जन्मदिन

आपको बता दें कि इमरान हाशमी ने 24 मार्च को अपने फैंस और पैपराजी के साथ अपना जन्मदिन मनाया था। उन्होंने इसी दिन अपनी फिल्म आवारापन के दूसरे पार्ट आवारापन 2 का एलान किया था। इमरान हाश्मी ने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर एक वीडियो शेयर करते हुए ये भी बताया था कि ये फिल्म तीन अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जैसा काम करना चाहती हूं, वैसा मिलता नहीं, पर लोग मुझे भूले नहीं हैं

अपनी पहली ही फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी में गीता राव के किरदार से लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह स्क्रीन पर काफी कम नजर आती हैं। चित्रांगदा इसकी वजह मनमाफिक फिल्में ना मिलना बताती हैं। इन दिनों वह अपनी डेब्यू वेब सीरीज खाकी – द बंगाल चैप्टर को लेकर चर्चा में हैं।

आपके चाहने वालों को शिकायत है कि आप काफी कम काम करती हैं। ऐसा क्यों?

हां, मेरा काम थोड़ा काम है। मैं ये मानती हूं कि अभी तक का मेरा बॉडी ऑफ वर्क इतना ज्यादा नहीं है, लेकिन फिर भी दर्शकों ने मुझे याद रखा है। वे अभी तक मुझे भूले नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि मैं काम करना नहीं चाहती हूं या ऐसा सोचकर चलती हूं कि कम काम करना है, मगर अच्छा काम या जो काम मैं करना चाहती हूं, वो मिलता नहीं है और जो नहीं करना चाहती हूं, वैसा ही काम आता है। वो होता है ना कि जो आप नहीं करना चाहते, वही ज्यादा आता है। लेकिन अभी मेरी दो और फिल्में (हाउसफुल 5 और रात अकेली है 2) आएंगी तो प्लीज उन फिल्मों को देखिए और मुझे सपोर्ट कीजिए,क्योंकि थोड़ा अभी काम आ रहा है तो अब आप मुझे ज्यादा देखेंगे। शुरुआत खाकी- द बंगाल चैप्टर से हुई है, जो मेरी डेब्यू सीरीज है।

आपने फिल्म सूरमा से फिल्म निर्माण में भी कदम रखा था। उस ओर आगे क्या कर रही हैं? खुद के लिए कोई फिल्म नहीं बना रहीं?

सूरमा के बाद हम अभी एक और बायॉपिक पर काम कर रहे हैं। इसके अलावा, एक वेब सीरीज भी प्रड्यूस कर रही हूं, जो मैंने लिखी भी है तो उसे लेकर भी मैं बहुत एक्साइटेड हूं। इनमें से एक प्रोजेक्ट में मैं हूं, जबकि दूसरे में मैं फिट नहीं होती हूं।

सीरीज में आप बदलाव के लिए लड़ने वाली लीडर के किरदार में हैं, जिसने हजारों ख्वाहिशें ऐसी की गीता राव की याद ताजा करा दी। शो करते हुए आपको भी ऐसा महसूस हुआ?

बिल्कुल, मुझे सच में लगता है कि गीता राव अगर आज होती तो वहीं होती, जहां पर इस सीरीज का मेरा किरदार निवेदिता है। वह भी कॉलेज के दिनों में राजनीतिक चीजों में इन्वॉल्व थी। एक आदर्शवादी समाज के सपने के लिए सवाल खड़े करना, प्रोटेस्ट करना और बेहतर कल के लिए लड़ना, ये चीजों दोनों में हैं। फिर जो लुक था, कॉटन साड़ी और जब मैंने अपने बाल बांधे तो मुझे लगा कि ओह गॉड, अभी लगभग बीस साल हो गए हैं, मगर दोनों में कितनी समानता है, तो निश्चित तौर पर इसमें मुझे गीता राव की झलक दिखी।

पॉलिटिकल किरदारों में आप हमेशा जंची हैं। किसी रियल लाइफ नेता की बायॉपिक करना चाहेंगी?

रियल लाइफ नेता तो नहीं, मगर सुचित्रा सेन की जो फिल्म है आंधी, अगर उसका रीमेक हो, तो वो जरूर करना चाहूंगी। उन्होंने इतनी खूबसूरती से वो किरदार निभाया है, वो इतनी कमाल की ऐक्ट्रेस हैं और यह सिर्फ राजनीतिक किरदार निभाने की बात नहीं है, उसकी निजी जिंदगी में भी जो चीजें होती हैं, मतलब वो मर्दों की दुनिया में एक औरत की जंग वाली बात है। ऐसा अगर कुछ किरदार हो तो जरूर करना चाहूंगी।

खाकी की बात करें, तो आपका पसंदीदा ऑनस्क्रीन खाकी वाला किरदार कौन सा है?

दबंग चुलबुल पांडे, वह बहुत ही एंटरटेनिंग पुलिसवाले हैं। मैं दिल्ली से हूं। मैंने मेरठ में वक्त बिताया है, पढ़ाई-लिखाई की है, तो यूपी का जो करेक्ट फ्लेवर उन्होंने पकड़ा था, वो बहुत कमाल था।

सीरीज में आपका किरदार निवेदिता एक मजबूत महिला है, मगर एक मौके पर वह कमजोर भी पड़ती है। आपकी जिंदगी का सबसे मजबूत और कमजोर पल कौन सा रहा?

कमजोर पल वही होता है, जो परिवार से जुड़ा होता है। फैमिली को लेकर आप बहुत भावुक होते हैं, तो जब उसमें कुछ गलत होता है तो बहुत गहरा असर पड़ता है और वह असर बहुत समय तक रहता है। वह आपको तोड़ देता है। वहीं, मजबूत पल वही रहा, जब उस चीज से बाहर निकलकर आई। वो जरूरी भी है क्योंकि जब भी आप टूटते हैं, तो उस दौर से और ज्यादा मजबूत होकर उभरते हैं।

साउथ में क्यों नहीं चल पाती बॉलीवुड की फिल्में? सलमान ने बताई ये वजह

सलमान खान अपनी फिल्म 'सिकंदर' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच अभिनेता ने मीडिया से बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों पर खुलकर बात की। इस बातचीत में सलमान ने साउथ के कलाकारों के बॉलीवुड में प्रदर्शन और बॉलीवुड की फिल्मों के साउथ में प्रदर्शन पर बेबाकी से अपनी राय रखी। उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में बॉलीवुड फिल्मों की चुनौतियों और बजट पर भी बात की।

बॉलीवुड की फिल्मों को दक्षिण में करना पड़ता है संघर्ष

अभिनेता से जब साउथ मार्केट में बॉलीवुड फिल्मों के प्रदर्शन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी फिल्मों को वहां लोकप्रियता के मामले में कठिन संघर्ष का सामना करना पड़ता है। सलमान ने कहा, दक्षिण में फैंस की संख्या मजबूत है। हालांकि, मुझे प्रशंसकों से अपार प्यार मिलता है, लेकिन जब मेरी फिल्में वहां रिलीज होती हैं तो यह हमेशा बॉक्स-ऑफिस पर सफलता में तब्दील नहीं होती है।

बॉलीवुड फिल्में साउथ में क्यों नहीं कर पाती अच्छा प्रदर्शन?

सलमान खान ने बॉलीवुड में दक्षिण भारतीय फिल्मों के और बॉलीवुड फिल्मों के दक्षिण भारतीय इंडस्ट्री में प्रदर्शन के बीच अंतर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, रजनीकांत, चिरंजीवी, सूर्या और अन्य दक्षिण भारतीय सितारों को बॉलीवुड में बहुत ज्यादा फैंस मिले हैं और हम उनकी फिल्में देखने जाते हैं, लेकिन हमेशा उल्टा नहीं होता है। सलमान ने कहा कि जितना प्यार दक्षिण भारतीय फिल्मों को हिंदी पट्टी में मिलता है उसकी तुलना में बॉलीवुड की फिल्मों को नहीं मिलता और बॉक्स ऑफिस नंबर हासिल करने के लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ता है।

बड़ी बजट की फिल्मों की आलोचना की

सलमान ने पैन इंडिया फिल्मों की बढ़ती प्रमुखता और इन फिल्मों के बजट पर भी बात की। उन्होंने कहानी और बजट को महत्वपूर्ण बताया। सलमान ने कहा, पुष्पा और उसके जैसी फिल्में दिखाती हैं कि कैसे एक क्षेत्र का सिनेमा पूरे भारत में लोकप्रिय हो सकता है। इस तरह के पैमाने पर फिल्में बनाने के लिए पर्याप्त बजट और एक ऐसी स्क्रिप्ट की जरूरत होती है जो सभी को पसंद आए। इस दौरान सलमान खान ने अपने ज्यादा बजट की फिल्मों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, हम अपने बजट के साथ पूरी तरह से गलत हो रहे हैं। एक बार जब हम इसे नियंत्रित कर लेंगे, तो सब ठीक हो जाएगा।

नेपोटिज्म पर बोले?

इस बातचीत के दौरान सलमान खान ने बॉलीवुड में नेपोटिज्म पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि सेल्फ मेड जैसी कोई चीज नहीं होती। अभिनेता ने कहा, नेपोटिज्म हमेशा से इंडस्ट्री में रहा है। लोग नेपोटिज्म की आलोचना करते हैं, लेकिन अगर आप गौर करें तो पाएंगे कि हर किसी के किसी न किसी रूप में कनेक्शन होते हैं। इन मुद्दों के अलावा भी सलमान खान ने अपने निजी जीवन और अन्य विषयों पर भी चर्चा की।

द भूतनी में नफ़रत और प्यार दोनों से रुबरु कराएंगी मौनी रॉय

मौनी रॉय इस अप्रैल आपको डराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं! उनकी अगली बड़ी फिल्म द भूतनी 18 अप्रैल को रिलीज़ होगी, जो उनकी सबसे बहुप्रतीक्षित फ़िल्मों में से एक है। हॉरर-कॉमेडी में मौनी ने संजय दत्त, सनी सिंह, पलक तिवारी और आसिफ खान जैसे नामों सहित बहुत ही प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। इसके अलावा, यह फिल्म डिजिटल क्रिएटर बेयूनिक की बॉलीवुड में डेब्यू भी करेगी। फ़िल्म के निर्माताओं ने महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर फ़िल्म के टाइटल का अनावरण किया था, जिसके साथ एक छोटा सा टीज़र भी जारी किया गया था, जो काफी डरावनी थी! और अब, निर्माताओं ने फ़िल्म से मौनी का लुक भी जारी कर दिया है। उनके पहले लुक के पोस्टर में वह हरे रंग की पोशाक में नज़र आ रही हैं, जिसमें और भी अधिक आकर्षक हरी आँखें हैं। उनके किरदार का नाम मोहब्बत है, लेकिन पोस्टर के साथ लिखा गया टैगलाइन—प्यार या प्रलय आपको सिहरन पैदा कर देगी। मौनी का लुक आपको उनकी खूबसूरती से मंत्रमुग्ध कर देगा, लेकिन साथ ही उनके किरदार से डर भी लगेगा। मौनी को फिल्म द भूतनी के लिए तब से ही काफी सराहना मिल रही है जब से फिल्म का पहला लुक जारी हुआ है। उन्हें अलग-अलग तरह के किरदार निभाने और जोखिम उठाने के लिए नेटिज़न्स द्वारा भी सराहा जा रहा है। द भूतनी की रिलीज़ के बाद, अभिनेत्री अगली बार खुदा हाफ़िज़ के निर्देशक फ़ारूक कबीर के साथ सलाकार में नज़र आएंगी। फिल्म में उनकी भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी गुप्त रखी जा रही है। ऐसा लगता है कि हमें मौनी द्वारा खुद इसकी घोषणा करने का इंतज़ार करना होगा।

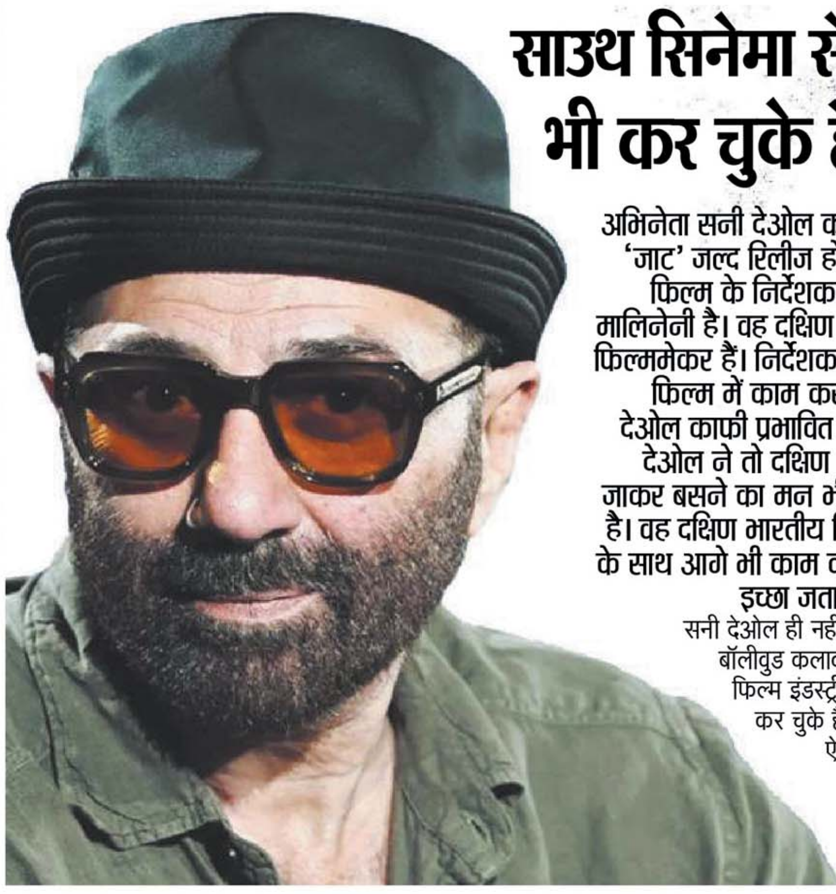

साउथ सिनेमा से इंप्रेस सनी देओल, ये बॉलीवुड एक्टर भी कर चुके हैं दक्षिण भारतीय फिल्मों में अभिनय

अभिनेता सनी देओल की फिल्म 'जाट' जल्द रिलीज होगी। इस फिल्म के निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी है। वह दक्षिण भारतीय फिल्ममेकर हैं। निर्देशक के साथ फिल्म में काम करके सनी देओल काफी प्रभावित हैं। सनी देओल ने तो दक्षिण भारत में जाकर बसने का मन भी बनाया है। वह दक्षिण भारतीय निर्देशकों के साथ आगे भी काम करने की इच्छा जता चुके हैं।

सनी देओल ही नहीं कई और बॉलीवुड कलाकार साउथ फिल्म इंडस्ट्री का रूख कर चुके हैं। जानिए, ऐसे ही कुछ बॉलीवुड एक्टर्स के बारे में जिन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों में दमदार किरदार निभाए हैं।

बॉबी देओल

सनी देओल के भाई बॉबी देओल ने साल 2024 में दक्षिण भारतीय फिल्म 'कंगुवा' में विलेन की भूमिका निभाई थी। फिल्म में मुख्य भूमिका में सूर्या नजर आए थे। फिल्म की कहानी में बॉबी और सूर्या ने योद्धाओं की भूमिका की। इस फिल्म के निर्देशक शिवा थे। इसी के साथ बॉबी कोली निर्देशित दक्षिण भारतीय फिल्म 'डाकू महाराज(2025)' में भी बॉबी देओल नजर आए थे।

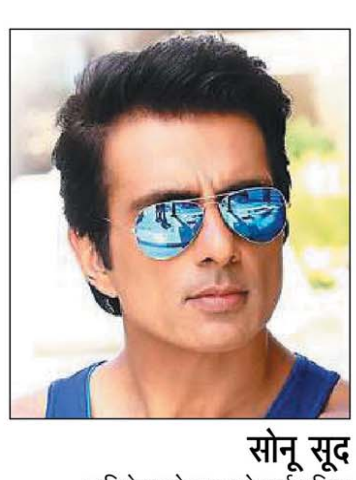

सोनू सूद

अभिनेता सोनू सूद ने कई दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम किया है। लेकिन उनकी सबसे चर्चित फिल्म 'अरुंधति (2009)' थी। फिल्म में अनुष्का शेट्टी मुख्य भूमिका में नजर आई। इस फिल्म में सोन सूद ने विलेन की भूमिका निभाई। वह एक प्रेत की भूमिका में थे। इस फिल्म के निर्देशक कोडी रामकृष्ण हैं।

विवेक ओबेरॉय

जब विवेक ओबेरॉय का करियर बॉलीवुड में ठीक नहीं चल रहा था तो उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम करना शुरू किया। विवेक ने कई साउथ की फिल्मों में नेगेटिव रोल किए। इन फिल्मों में 'विवेगम', 'लूसिफेर' और 'रुस्तम' जैसी फिल्में शामिल हैं। शिवा निर्देशित फिल्म 'विवेगम(2017)' में विवेक ने विलेन का रोल किया। इसमें मुख्य भूमिका में दक्षिण भारतीय अभिनेता अजीत नजर आए। इस फिल्म से विवेक दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री और दर्शकों के बीच काफी मशहूर हो गए।

संजय दत्त

संजय दत्त ने साल 2023 में एक तमिल फिल्म 'लीयो' की थी। इसमें विजय हीरो के रोल में दिखे। फिल्म को लोकेश कनगराज ने निर्देशित किया। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में संजय दत्त को काफी पसंद किया गया। वह अपने अभिनय से दक्षिण भारतीय दर्शकों को प्रभावित करने में सफल हुए।

सनराइजर्स हैदराबाद पर दिल्ली कैपिटल्स की धमाकेदार जीत, डुप्लेसी और स्टार्क ने मचाया गदर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का 10वां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला गया। वहीं इस मुकाबले दिल्ली ने हैदराबाद को 7 विकेट से रौंद दिया। इसी के साथ दिल्ली की ये लगातार दूसरी जीत है। स्त्रा ने विशाखापट्टनम के मैदान पर 164 रनों का टारगेट दिया, जिसे डीसी ने 16 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर आसानी से चेज कर लिया। उपकप्तान फाफ डुप्लेसी ने गर्दा उड़ाया। उन्होंने 27 गेंदों में तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 50 रन बनाए।

डुप्लेसी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत दिलाई। उन्होंने जैक फ्रेजर-मैकगर्क (चार चौके, दो छक्के की मदद से 32 गेंदों में 38 रन) के संग पहले विकेट के लिए 81 रनों की पार्टनरशिप की। केएल राहुल ने 5 गेंदों में 15 रनों का योगदान दिया। अभिषेक पोरेल 18 गेंदों में 34 और ट्रिस्टन स्टब्स 14 गेंदों में 21 के लिए 81 रनों की पार्टनरशिप की। केएल राहुल ने 5 गेंदों में 15 रनों का योगदान दिया। अभिषेक पोरेल 18 गेंदों में 34 और ट्रिस्टन स्टब्स 14 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहे। पोरेल ने दो चौके और इतने ही सिक्स लगाए। स्टब्स ने तीन चौके ठोके। हैदराबाद के लिए तीनों विकेट जीशान अंसारी ने झटके।

वहीं टॉस जीतने के बाद हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.3 ओवर में 163 रन ही बना पाई। डीसी ने तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने धमाल मचाया। उन्होंने पहली बार आईपीएल में पंजा खोला। उन्होंने 3.4 ओवर में 35 रन देकर पांच विकेट अपने नाम किए। स्पिनर कुलदीप यादव ने तीन जबकि मोहित शर्मा ने एक विकेट झटका। हैदराबाद के लिए सबसे ज्यादा रन अनिकेत वर्मा ने बनाए। उन्होंने 41 गेंदों में पांच चौकों और 6 छक्कों के दम पर 74 रनों की पारी खेली। ये अनिकेत की पहली आईपीएल फिफ्टी थी। हैदराबाद की शुरुआत अच्छी नहीं रही ओपनर अभिषेक शर्मा 1 रन बनाकर रन आउट हो गए।

स्टार्क ने तीसरे ओवर में ईशान किशन (2) और नीतीश कुमार रेड्डी (0) को पवेलियन की राह दिखाई। स्टार्क ने पांचवें ओवर में ट्रेविस हेड के रूप में बड़ा विकेट झटका। उनके बल्ले से 12 गेंदों में 22 रन निकले, जिसमें चौके भी शामिल हैं। हैदराबाद के 27 रनों पर चार विकेट गिर गए थे इसके बाद अनिकेत ने बखूबी मोर्चा संभाला। हेनरिक क्लासेन (19 गेंदों में 32, दो चौके, दो सिक्स) के साथ मिलकर उन्होंने पांचवें विकेट के लिए 77 रनों की साझेदारी की। मोहित ने 11वें ओवर में क्लासेन का शिकार किया। वियान मुल्डर (9), हर्षल पटेल (5), अभिनव मनोहर और पैट कमिंस दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाए।

हार्दिक पांड्या को लगा झटका, एक गलती से 12 लाख रुपए की 'चपत' लगी

अहमदाबाद (एजेंसी)। मुंबई इंडियन्स के कप्तान हार्दिक पांड्या पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच में उनकी टीम की धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियन्स को शनिवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टाइटंस के खिलाफ 36 रन से हार का सामना करना पड़ा।

आईपीएल ने रविवार को एक बयान में कहा, 'मुंबई इंडियन्स के कप्तान हार्दिक पंड्या पर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के नौवें मैच के दौरान उनकी टीम द्वारा धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है।' बयान के अनुसार, 'यह आईपीएल की आचार संहिता के न्यूनतम ओवर गति से जुड़े अपराधों से संबंधित नियम 2.2 के तहत उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध था इसलिए पंड्या पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।'

गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अहमदाबाद की काली मिट्टी वाली पिच पर 196 रन बनाए। मुंबई इंडियन्स को लक्ष्य का पीछा करते हुए संघर्ष करना पड़ा और अंततः टीम छह विकेट पर 160 रन ही बना सकी। गुजरात ने मौजूदा सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की। यह मुंबई इंडियन्स की लगातार दूसरी हार थी और टीम ने अभी अंकों का खाता नहीं खोला है।

बल्लेबाजों को नहीं रहा गेंजबादों का डर, पावरप्ले में बना रहे बड़ा स्कोर

-पार्थिव पटेल ने कहा- साइडआर्म थ्रो विशेषज्ञ कर रहे बल्लेबाजों की मदद

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल ने कहा कि बल्लेबाजों में खौफ नहीं है इसलिए आईपीएल के इस सीजन में पावरप्ले के दौरान बड़े स्कोर बन रहे हैं। पटेल ने कहा कि जब वह खेलते थे उन दिनों में आईपीएल टीमों का पावरप्ले में स्कोर 45 रन के आसपास होता था और साइडआर्म थ्रो विशेषज्ञों ने भी बल्लेबाजों की रफ्तार से सामंजस्य बिठाने में मदद की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पार्थिव पटेल ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं। रणनीति बहुत बड़े स्तर पर बनाई जाती है। कुछ साल पहले जब मैं खेल रहा था तब पावरप्ले का स्कोर 45 के आसपास अच्छा माना जाता था। उन्होंने कहा कि उसके बाद 50 और फिर 55 से 60 तक हो गया। अगर आप चेन्नई में खेल रहे हैं तो 150 अच्छा स्कोर है और वहां टीम से पावरप्ले में 70 या 80 रन की उम्मीद नहीं की जाती है। उन्होंने कहा कि अगर सभी मैचों को देखें तो 70 रन मानदंड है। आप किन्हीं भी हालात में खेले लेकिन बेंचमार्क 45 से ऊपर चला गया है। पटेल ने कहा कि अब बल्लेबाज गेंदबाजों से डरते नहीं हैं। वे बेखौफ होकर खेलते हैं। उनकी मदद के लिए विशेषज्ञ मौजूद हैं। हर कोई चौके-छक्के लगाने में सक्षम है। साइडआर्म विशेषज्ञों से भारत के घरेलू क्रिकेटरों को काफी मदद मिली है क्योंकि आम तौर पर आप 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार की गेंद का सामना नहीं करते। पटेल ने बीते दिनों गुजरात टाइटन्स द्वारा जोस बटलर को खरीदने पर अपने विचार व्यक्त भी किए थे। उन्होंने कहा था कि हम जोस बटलर को बोली में अपनी टीम में पाकर खुश हैं। उनका अनुभव और आक्रामक बल्लेबाजी हमारे लिए बड़ी संपत्ति होगी। यह टिप्पणी आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी के बाद आई, जिसमें बटलर को खरीदा गया था, जिसमें विस्फोटक बल्लेबाज के साथ टीम की संभावनाओं के बारे में पार्थिव की आशावादिता को दर्शाया गया है।

22 शतक व 1000 से ज्यादा छक्के लगाने वाले को आईपीएल में नहीं खरीदा

- महान खिलाड़ी गेल को इंडियन प्रीमियर लीग में झेलनी पड़ी बेइज्जती

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में यूं तो एक से बढ़कर एक तूफानी बल्लेबाज अपने खेल से लोगों को दीवाना बना चुके हैं लेकिन एक नाम ऐसा है जिसे भूलाया नहीं जा सकता। यूनिवर्स बॉल के नाम से मशहूर वेस्टइंडीज के क्रिस गेल को विस्फोटक बल्लेबाजों में सबसे ऊपर गिना जाता है। टी20 फॉर्मेट में तो इस खिलाड़ी ने गेंदबाजों की हेकड़ी निकाली दी। 22 शतक के दम पर 14 हजार से ज्यादा रन इसकी खेल की गवाही देते हैं लेकिन इस महान खिलाड़ी को भी इंडियन प्रीमियर लीग में बेइज्जती झेलनी पड़ी। क्रिस गेल जैसे तूफानी खिलाड़ी को भी फ्रेंचाइजी ने खरीदने से इनकर कर दिया था।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गेल के रिकार्ड पर एक नजर डाले तो उन्होंने 2009 से 2021 तक आईपीएल में 142 मैच खेला हैं। आईपीएल में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड भी गेल के नाम दर्ज है जो आज तक इसे कोई भी बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। 23 अप्रैल 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम से खेलते हुए पुणे वॉरियर्स के खिलाफ गेल ने महज 66 बॉल पर 175 रन की नाबाद पारी खेली थी। इसमें 13 चौके और कुल 16 छक्के क्रिस गेल के बल्ले से देखने को मिले थे। इस पारी का जवाब आज तक आईपीएल को नहीं मिल पाया है। गेल जैसे ऊंचे कद के खिलाड़ी को इंडियन प्रीमियर लीग में एक नहीं बल्कि दो बार बेइज्जत होना पड़ा है।

साल 2011 के मेगा ऑक्शन के लिए कोलकाता नाइटराइडर्स ने उनको रिलीज कर दिया था। किसी भी टीम ने गेल के लिए बोली नहीं लगाई और वह अनसोल्ड रहे। डर्क नेनिस के चोटिल होने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने उनको अपनी टीम में बतौर रिप्लेसमेंट शामिल किया था। 12 मुकाबले में गेल ने इस सीजन दो शतक जमाते हुए 608 रन ठोके और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए थे। 2017 में क्रिस गेल आरसीबी टीम से खेले लेकिन इसके बाद उनको रिलीज कर दिया गया। 2018 के ऑक्शन में दो बार उनका नाम आया लेकिन किसी ने नहीं खरीदा। आखिर में पंजाब किंग्स ने उनको बेस प्राइस पर अपने साथ जोड़ लिया। हालांकि यहां भी उनको प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला। विस्फोटक ओपनर को तीसरे नंबर पर भेजा गया। हद तो तब हो गई जब गेल को उनके जन्मदिन पर प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। गेल का टी20 रिकॉर्ड गजब का है और वह सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने साल 2005 से 2022 के बीच कुल 463 टी20 मुकाबले खेले जिसमें 22 शतक लगाने के साथ 14562 रन बनाए। इस दौरान क्रिस गेल के बल्ले से रिकॉर्ड 1056 छक्के निकले। दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के ही कीरोन पोलार्ड है जिसके खाते में 695 मैच में 908 छक्के हैं। भारत के रोहित शर्मा का नाम सूची में 8वें नंबर है। उन्होंने 449 टी20 मैच खेलकर कुल 525 छक्के लगाए हैं।

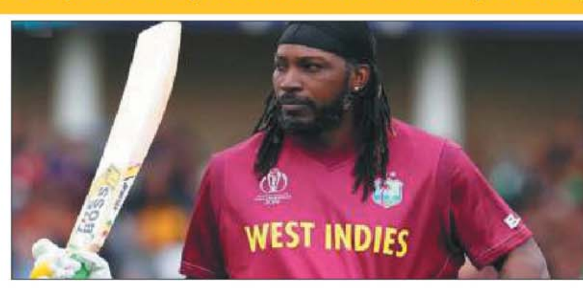

शुभमन ने बताया मुम्बई के खिलाफ जीत का राज

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि काले मिट्टी की पिच पर खेलने की रणनीति उन्होंने पहले ही बना ली थी। इस मैच में मुंबई इंडियंस की टीम 6 विकेट पर 160 रन ही बना पायी। ऐसे में गुजरात टाइटंस ने आसानी से मैच जीत लिया। इस प्रकार इस सत्र में गुजरात को पहली जीत मिली। के मौजूदा सीजन में गुजरात टाइटंस की पहली जीत और मुंबई इंडियंस की दूसरी हार है। इस हार से मुम्बई के कप्तान हार्दिक पंड्या को करारा झटका लगा है क्योंकि वह पहले गुजरात के कप्तान थे पर टीम छोड़कर मुम्बई पहुंच गये। पिछले सत्र में दर्शकों ने उनपर जमकर निशाना साधा था। इस मैच में जीत को लेकर शुभमन ने कहा कि ऐसी पिच पर बाउंड्री लगाना कठिन होता है। यही नहीं हार्दिक पांड्या ने भी माना है कि काली मिट्टी पर बल्लेबाजी करते समय बाउंड्री लगाना कठिन होता है। इसी कारण टीम ने पावर प्ले में आक्रामक बल्लेबाजी की।' गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाजों ने भी मैच में अच्छा प्रदर्शन किया जिससे भी अंतर पड़ा और मुम्बई दबाव में आ गयी। इससे अनुभवी स्पिनर राशिद खान को केवल दो ओवर ही फेंकने पड़े।

अनिकेत सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने

विशाखापत्तनम। सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अनिकेत वर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में 37 गेंदों पर ही 71 रन बना दिये। अनिकेत ने अपनी इस पारी में 5 चौके और 6 छक्के लगाये। अनिकेत का इस सत्र में अब तक का प्रदर्शन शानदार रहा है। वह आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की की सूची में तीसरे स्थान पर आ गए हैं। पहले नंबर पर 2 मैचों में रिकॉर्ड 13 छक्के लगाकर निकोल्स पूरन बने हुए हैं। पूरन ओरेंज कैप की दौड़ में 145 रन बनाकर शामिल हैं। वहीं दूसरे नंबर पर अनिकेत वर्मा है जिन्होंने अब तक खेले 3 मैचों में 11 छक्के लगाए हैं। वहीं सूची में तीसरे नंबर पर श्रेयस अय्यर है जिन्होंने अब तक 9 छक्के लगाये हैं। अनिकेत ने राजस्थान के खिलाफ उन्होंने डेब्यू मैच की दूसरी ही गेंद पर छक्का लगाया। इसके बाद लखनऊ सुपर जायंटस के खिलाफ मैच में चा छक्के लगाये। वहीं अब दिल्ली के खिलाफ छह छक्के लगाये। इस बल्लेबाज ने अब तक 137 रन बनाये हैं और उनका स्ट्राइक रेट 220 से भी ऊपर है।

बुमराह की वापसी न होने से कोच जयवर्धने का टूटा सब्र, कही यह बात

मेलबर्न (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को कहा कि भारतीय पुरुष टीम इस साल के अंत में तीन एकदिवसीय और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। मेहमान टीम 19 अक्टूबर से आठ नवंबर के बीच सफेद गेंद के मैच खेलेगी। 50 ओवर के मैच जहां दिन-रात के होंगे तो वहीं टी20 मुकाबले रात के मैच होंगे।

आगामी 2025-26 सत्र के दौरान पहली बार ऑस्ट्रेलिया के सभी आठ राज्यों और क्षेत्रों में पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का आयोजन होगा। कैनबरा और होबार्ट दोनों पांच मैच की टी20 श्रृंखला के दौरान भारत की मेजबानी करने के लिए तैयार हैं। विश्व कप 2023 के फाइनल में जगह बनाने वाले भारत और ऑस्ट्रेलिया इससे पहले पर्थ, एडीलेड और सिडनी में भी 50 ओवर के मैच खेलेंगे।

भारत 2024-25 में पांच टेस्ट मैच की बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद ऑस्ट्रेलिया लौटेगा। बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान ऑस्ट्रेलिया में दर्शकों की संख्या के नए रिकॉर्ड बने थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, 'हमने पिछली गर्मियों में मैदान पर दर्शकों की संख्या, टीवी पर दर्शकों की संख्या और डिजिटल जुड़ाव के कई रिकॉर्ड तोड़े और हमें विश्वास है कि यह अविश्वसनीय गति पूरे सत्र में जारी रहेगी।'

उन्होंने कहा, 'हम अपनी सभी सरकारों, आयोजन स्थलों, प्रसारण और वाणिज्यिक भागीदारों के सहयोग और समर्थन के लिए बेहद आभारी हैं जो यह सुनिश्चित करते हैं कि ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रीय खेल स्टेडियमों में शानदार अनुभव प्रदान करता रहे और पूरे देश में भागीदारी को बढ़ावा दे।'

शेड्यूल इस प्रकार है

एकदिवसीय श्रृंखला

19 अक्टूबर : पर्थ स्टेडियम, पर्थ (दिन-रात्रि)

23 अक्टूबर : एडीलेड ओवल, एडीलेड (दिन-रात्रि)

25 अक्टूबर : एससीजी, सिडनी (दिन-रात्रि)

टी20 श्रृंखला

29 अक्टूबर : मनुका ओवल, कैनबरा

31 अक्टूबर : एमसीजी, मेलबर्न

2 नवंबर : बेलरीव ओवल, होबार्ट

6 नवंबर : गोल्ड कोस्ट स्टेडियम, गोल्ड कोस्ट

8 नवंबर : द गाबा, ब्रिस्बेन

पाक टीम के खराब प्रदर्शन पर भड़के बासित

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही एक दिवसीय में टीम की करारी हार के बाद कहा कि अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजना गलत था। इस मैच में पाक टीम कीवी टीम से मिले 345 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हए 271 रनों पर ही सिमट गयी थी। बासित ने कहा कि पाक टीम टीम के खराब प्रदर्शन के पीछे वह लोग हैं जिन्होंने पहले बाबर को पारी की शुरुआत के लिए भेजा फिर उसे तीसरे नंबर पर उतारा गया। उन्होंने कहा, बाबर तीसरे नंबर पर क्यों खेला ? वह चैंपियंस ट्रॉफी में पारी की शुरुआत करने उतरा था। वह लोग अब कहां हैं जिन्होंने कहा था कि उसे पारी शुरु करनी चाहिये। ऐसे लोगों को बाहर किये जाने की जरुरत है। साथ ही कहा कि अब टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेने कोई नहीं आयेगा। जो लोग क्रिकेट के विशेषज्ञ बनने की कोशिश करते हैं, उन्हें भगाना चाहिये। बासित ने कहा कि जिस प्रकार पिछले कुछ समय में पाक क्रिकेट नीचे आया है। उसके लिए वही लोग जिम्मेदार हैं जिन्होंने बाबर और मोहम्मद रिजवान को सलामी बल्लेबाज बनाया। ऐसे लोग पाक क्रिकेट को बर्बाद कर रहे हैं। टीम एक फ्रेंचाइजी बनकर रह गई है।

रामनवमी के कारण 6 को नहीं 8 अप्रैल को होगा, केकेआर और लखनऊ सुपर जाइंट्स के बीच मैंच

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के बीच 6 अप्रैल को ईडन गार्डंस पर होने वाले मैच के दिन में बदलाव किया है। बीसीसीआई ने छह अप्रैल को रामनवमी होने के कारण मैच को 8 अप्रैल को कराने का फैसला किया है। बीसीसीआई (बीसीसीआई) ने कहा, बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) से मैच के कार्यक्रम में बदलाव का अनुरोध किया था क्योंकि त्यौहार के कारण शहर भर में पुलिस की भारी तैनाती होगी। अधिकारियों ने यह मैच आठ अप्रैल को 3.30 से कराने का अनुरोध किया था जिसे मान लिया गया है। अब आठ अप्रैल को दो मैच होने है। दोपहर में केकेआर और एलएसजी का मैच जबकि शाम को न्यू चंडीगढ में पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स का मैच खेला जाएगा। आईपीएल में 6 अप्रैल रविवार को अब एक ही मैच होगा। जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटन्स का सामना करेगी। यह मैच शाम 7 :30 बजे (मैच नंबर 20) खेला जाएगा, जैसा कि पहले से तय था। मंगलवार, 8 अप्रैल को दो मैच खेले जाने है। पहले मैच में दोपहर को कोलकाता में केकेआर और एलएसजी के बीच मुकाबला होगा, और शाम को पंजाब किंग्स अपने घरेलू मैदान न्यू चंडीगढ़ में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना करेगी (मैच नंबर 22), जैसा कि पहले से तय था।

सानिया मिर्जा की बहन अनम के दावत-ए-रमजान में चली गोलियां

स्पोर्ट्स डेस्क । टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा की बहन अनम मिर्जा द्वारा आयोजित दावत-ए-रमजान एक्सपो में शनिवार को गोलियां चली। रिपोर्ट्स के मुताबिक दो दुकानदारों के बीच विवाद के बाद हवाई फायर हुए। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है। हैदराबाद के गुडीमलकापुर इलाके में गोलीबारी के बाद तनाव का माहौल बन गया। यह घटना दो दुकानदारों के बीच विवाद बढ़ने के बाद हुई जिसके बाद उनमें से एक ने हवा में गोलियां चला दीं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और इसे लेकर कार्रवाई की। एसीपी कुलसुमपुरा के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) मोहम्मद मुनव्वर के अनुसार एक्सपो में परफ्यूम खरीदने आए फरहान और आयोजकों के बीच झड़प हो गई। एसीपी ने कहा, 'एक तीखी बहस के बाद फरहान और उसके दोस्तों ने अतीकुद्दीन सहित कुछ लोगों पर हमला कर दिया। अचानक, उसने अपनी लाइसेंसी बंदूक निकाली और हवा में दो राउंड फायर किए।' इस घटना के सिलसिले में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और पुलिस गोलीबारी के पीछे के कारणों की जांच कर रही है। अनम मिर्जा की इंस्टाग्राम प्रोफाइल के अनुसार, वह 2012 से एक फैशन क्यूरेटर हैं और उनका यूट्यूब चैनल भी है।

रूट की साथी खिलाड़ियों को नसीहत, भारत के खिलाफ प्रदर्शन में निरंतरता रखनी होगी

-भारतीय टीम जून में इंग्लैंड के दौरे पर जाएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के ज्यादातर क्रिकेटर जब आईपीएल में व्यस्त हैं, तब जो रूट टेस्ट सीरीज की प्लानिंग बनाने में लगे है। इंग्लैंड के जो रूट ने भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए अपने खिलाड़ियों को नसीहतें दे डाली है। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ प्रदर्शन में निरंतरता रखनी होगी क्योंकि इसतरह के मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कोई छुपने की जगह नहीं होती। रूट की गिनती मॉडर्न ग्रेट्स में होती है। उन्हें इस शताब्दी के फैब फोर में विराट कोहली, स्टीव स्मिथ और केन विलियम्सन के साथ शामिल किया जाता है।

भारतीय टीम को जून में इंग्लैंड के दौरे पर जाना है। दोनों टीमें 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेंगी। यह सीरीज 2025-27 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होगी। सीरीज का पहला मैच 20 जून से हेडिंग्ले में खेला जाएगा। इंग्लैंड के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले रूट ने कहा, भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में कोई छुपने की जगह नहीं है। यह एक लंबी और मुश्किल सीरीज होगी। इसमें जिताने के लिए हमें निरंतरता बनाए रखनी होगी।

बात दें कि रूट ने 2017 से 2022 तक इंग्लैंड टेस्ट टीम की कप्तानी की है। उन्होंने इस दौरान अपनी टीम को 64 मैचों में से 27 में जीत दिलाई। उन्होंने एशेज में हार के बाद कप्तानी छोड़ दी थी। लेकिन वे टीम के नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं। रूट ने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी में तीन पारियों में 225 रन बनाए थे। रूट ने कहा, 'चैंपियंस ट्रॉफी निराशाजनक थी। हम अपनी क्षमता के अनुसार नहीं खेल सके। लेकिन अब हमें आगे बढ़ना है। अब भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज अच्छा मौका है कि हम फिर से टीम के रूप में आगे बढ़ें और उन ऊंचाइयों पर जाएं, जिसमें हम सक्षम हैं। रूट ने जॉस बटलर के इस्तीफे के बाद वनडे में इंग्लैंड की कप्तानी करने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अब वह समय बीत चुका है। मैंने इंग्लैंड के कप्तान के रूप में अपना समय पूरा कर लिया है। हां, मुझे यकीन है कि जिसे भी यह मौका मिलेगा, वह गर्व महसूस करेगा और शानदार काम करेगा।

संक्षिप्त समाचार

एलन मस्क के खिलाफ विस्कोंसिन अटॉर्नी ने किया मुकदमा, मतदाताओं को 10 लाख डॉलर देने से रोकने की मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। विस्कोंसिन के डेमोक्रेट अटॉर्नी जनरल ने अरबपति कारोबारी एलन मस्क के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। यह मुकदमा एलन मस्क द्वारा विस्कोंसिन के मतदाताओं को 10 लाख डॉलर इनाम देने से रोकने के लिए दायर किया गया है। एलन मस्क ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर सुप्रीम कोर्ट जज के लिए मतदान कर चुके दो भाग्यशाली मतदाताओं को 10-10 लाख डॉलर देने का एलान किया था। अब अटॉर्नी जनरल जोश कोल ने डेन काउंटी सर्किट कोर्ट में मस्क के खिलाफ मुकदमा दायर किया है ताकि मस्क यह भुगतान न कर सकें। एलन मस्क ने गुरुवार को पोस्ट में लिखा था कि वे रविवार को विस्कोंसिन में रैली करेंगी और उसमें मतदान कर चुके दो भाग्यशाली लोगों को 10-10 लाख डॉलर देंगे। ये पैसे बतौर प्रोत्साहन राशि दिए जाएंगे। हालांकि मस्क की इस पोस्ट पर विवाद हो गया है। लोगों का कहना है कि मस्क का यह एलान विस्कोंसिन के मतदान कानूनों का उल्लंघन है। दरअसल विस्कोंसिन में मतदान के बदले मतदाताओं को पैसे या तोहफा देना कानूनी तौर पर प्रतिबंधित है। विवाद के बाद मस्क ने भी अपनी पोस्ट को डिलीट कर लिया है। बता दें कि विस्कोंसिन में सुप्रीम कोर्ट जज के लिए मतदान होना है। यह चुनाव तय करेगा कि विस्कोंसिन में अदालत पर वैचारिक नियंत्रण किस पार्टी का होगा। चुनाव में रूढ़िवादी उम्मीदवार ब्रैड शिमेल और उदारवादी सूसन क्राफोर्ड के बीच है। शिमेल का समर्थन राष्ट्रपति ट्रंप कर रहे हैं और क्राफोर्ड के समर्थन में पूर्व राष्ट्रपति और डेमोक्रेट नेता बराक ओबामा हैं। यही वजह है कि विस्कोंसिन के चुनाव पर पूरे देश की निगाहें हैं। सरकार के गर्भपात कानून, मतदान कानून और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर लाए गए प्रस्तावों के लिहाज से ये चुनाव अहम है।

यूक्रेन को संयुक्त राष्ट्र के शासन के अधीन रखा जाए : पुतिन

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के साथ युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान तलाशने के लिए शुक्रवार को पड़ोसी देश को संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में बाह्य शासन के अधीन रखने का प्रस्ताव रखा। माना जा रहा है कि पुतिन का यह बयान युद्ध लक्ष्यों को प्राप्त करने के उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। पुतिन ने रूसी परमाणु पनडुब्बी के चालक दल को संबोधित करते हुए अपने इस दावे को दोहराया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का कार्यकाल पिछले साल समाप्त हो गया है और उनके पास शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने की वैधता नहीं है। पुतिन के इस भाषण को शुक्रवार सुबह टेलीविजन पर प्रसारित किया गया। यूक्रेन के संविधान के अनुसार, जब देश में मार्शल लॉ लागू हो तो आम चुनाव कराना अवैध है। पुतिन ने दावा किया कि यूक्रेन की मौजूदा सरकार के साथ हस्ताक्षरित किसी भी समझौते को उसके उत्तराधिकारियों द्वारा चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि बाह्य शासन के तहत नए चुनाव कराए जा सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, ''संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में, अमेरिका के साथ, यहां तक ??कि यूरोपीय देशों के साथ और निश्चित रूप से हमारे साझेदारों और मित्रों के साथ, हम यूक्रेन में अस्थायी शासन की शुरुआत की संभावना पर चर्चा कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि इससे देश में ''लोकतांत्रिक चुनाव हो सकेंगे, एक व्यवहार्य सरकार सत्ता में आ सकेगी, जिस पर लोगों का भरोसा हो, और फिर शांति संधि पर उनके साथ बातचीत शुरू हो सकेगी।'' पुतिन ने कहा कि इस तरह का बाह्य शासन ''केवल एक विकल्प'' है, लेकिन उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया। पुतिन की यह टिप्पणी फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन के समापन के कुछ घंटों बाद आई, जिसमें अंततः शांति समझौते को मजबूत करने के लिए यूक्रेन में सेना तैनात करने की योजना पर विचार किया गया। मैक्रों ने कहा कि फ्रांस और ब्रिटेन के साथ-साथ ''कई'' अन्य देश भी इस बल का हिस्सा बनना चाहते हैं। रूस ने चेतावनी दी है कि वह भावी शांति सेना के हिस्से के रूप में नाटो सदस्यों के किसी भी सैनिक को स्वीकार नहीं करेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने फोन पर की बात, दोनों नेता जल्द करेंगे मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ फोन पर बात की. इसके साथ ही घोषणा की कि दोनों नेता कनाडा के आगामी चुनाव के बाद मुलाकात करेंगे. ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, यह एक बेहद अच्छी बातचीत थी. हम कई मुद्दों पर सहमत हैं और कनाडा के आगामी चुनाव के तुरंत बाद राजनीति, व्यापार और अन्य सभी कारकों पर काम करने के लिए मुलाकात करेंगे. उन्होंने यह भी कहा कि यह सहयोग अमेरिका और कनाडा दोनों के लिए लाभकारी साबित होगा. हालांकि, कार्नी और उनके कार्यालय की ओर से अभी तक इस बातचीत को लेकर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है. यह वार्ता ऐसे समय में हुई है जब कार्नी ने कनाडाई अर्थव्यवस्था को अमेरिका पर निर्भरता से मुक्त करने का संकल्प लिया है और ट्रंप ने 2 अप्रैल को संभावित नए टैरिफ की घोषणा करने की तैयारी कर रहे हैं. गौरतलब है कि अमेरिका और कनाडा लंबे समय से करीबी सहयोगी और व्यापारिक साझेदार रहे हैं, लेकिन ट्रंप के कार्यभार संभालने के बाद संबंधों में तनाव देखा गया है. ट्रंप न केवल नए टैरिफ की धमकियां दे चुके हैं, बल्कि कई बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की टिप्पणी भी कर चुके हैं।

डोनाल्ड ट्रंप को कोर्ट से झटका, वॉइस ऑफ अमेरिका से कर्मचारियों को निकालने के आदेश पर रोक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक बार फिर कोर्ट ने झटका दिया है। संघीय न्यायालय ने देश के सरकारी सहायता प्राप्त मीडिया समूह- वॉइस ऑफ अमेरिका को सरकारी आर्थिक मदद और कर्मचारियों को निकालने के आदेश पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि वॉइस ऑफ अमेरिका को चुप नहीं कराया जा सकता। कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के फैसले को मनमाना और मनमौजी निर्णय लेने का मामला कहा। न्यायाधीश जेम्स पॉल ओटकेन ने वॉइस ऑफ अमेरिका को चलाने वाली यूएस एजेंसी फॉर ग्लोबल मीडिया को 1200 से अधिक पत्रकारों, इंजीनियरों और अन्य कर्मचारियों को नौकरी से निकालने से रोक दिया। ओटकेन ने एक अस्थायी प्रतिबंध आदेश जारी करके एजेंसी को कर्मचारियों या कांट्रैक्टरों को नौकरी से निकालने, कर्मचारियों की संख्या कम करने, छुट्टी पर भेजने और किसी भी कार्यालय को बंद करने या विदेशी कर्मचारियों को अमेरिका लौटने के लिए मजबूर करने से रोक दिया है। इसके अलावा एजेंसी फॉर ग्लोबल मीडिया को रेडियो फ्री यूरोप/रेडियो लिबर्टी, रेडियो फ्री एशिया और रेडियो फ्री अफगानिस्तान सहित अपने अन्य प्रसारण आउटलेट के लिए दिए जाने वाले फंड को समाप्त करने से रोका गया है। एजेंसी ने गुरुवार को कहा कि वह न्यायाधीश के आदेश के बाद रेडियो फ्री यूरोप की फंडिंग बहाल कर रही है। जज ओटकेन ने ट्रंप प्रशासन को एक ऐसी

एजेंसी को नुकसान पहुंचाने के लिए दोषी ठहराया, जिसे कांग्रेस द्वारा वैधानिक रूप से अधिकृत और वित्त पोषित किया गया है। न्यायाधीश ने एजेंसी के नेतृत्व की आलोचना करते हुए कि उन्होंने अमेरिकी सरकार के वैश्विक, सॉफ्ट-पावर मेगाफोन पर प्रभावों पर विचार किए बिना रातोंरात हाथ खींच लिए। जज ने वॉइस ऑफ अमेरिका के पत्रकारों, श्रमिक संघों और गैर-लाभकारी पत्रकारिता वकालत समूह रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के गठबंधन के बाद पिछले हफ्ते ट्रंप प्रशासन पर कटौती को रोकने के लिए दायर मुकदमे पर सुनवाई की। 15 मार्च से बंद है काम संघीय अदालत में दर्ज किए गए मुकदमे में कहा गया है कि वॉइस ऑफ अमेरिका के कर्मचारियों को 15 मार्च को अपने लाइव प्रसारण समाप्त करने और फिर इमारत खाली करने के लिए कहा गया। इसके तुरंत बाद उन्होंने ईमेल सहित एजेंसी के कंप्यूटर सिस्टम तक पहुंच खो दी। वॉइस ऑफ अमेरिका की समाचार वेबसाइट को तब से अपडेट नहीं किया गया है। पूर्व टीवी समाचार एंकर और राजनीतिक उम्मीदवार लेक ने कहा कि वह यह निर्धारित कर रही हैं कि न्यूनतम स्टाफिंग स्तरों पर कुछ आउटलेट्स को संचालित करने के लिए कितने लोगों की आवश्यकता है? उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को काम पर वापस लाया गया है और क्यूबा में रेडियो मार्टी सेवा शुरू कर दी गई है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ये एजेंसियां हमारे अमेरिकी मूल्यों के अनुरूप हों। हम अमेरिका की कहानी बता रहे हैं। हम अपने विरोधियों की कहानियां नहीं बता रहे हैं। हम अमेरिका विरोधी कचरा नहीं फैलाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने 14 मार्च को एक आदेश जारी करके वॉइस ऑफ अमेरिका को बंद कर दिया था। ट्रंप ने समाचार एजेंसी पर पक्षपाती होने का आरोप लगाया। व्हाइट हाउस के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि वॉयस ऑफ अमेरिका वर्षों से देश के साथ तालमेल बिठाने में विफल रहा। यह कट्टरपंथी अमेरिका का प्रतिनिधित्व करता है और विभाजनकारी प्रोपेगेंडा को बढ़ावा दे रहा है। ट्रंप प्रशासन के एक बयान के अनुसार, यह एजेंसी (वॉयस ऑफ अमेरिका) अमेरिकी करदाताओं पर बहुत बड़ा बोझ है। वॉइस ऑफ अमेरिका, जो कि मुख्यतः रेडियो सेवा के तौर पर काम करता है, को तब स्थापित किया गया था जब दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी के नाजी शासन का प्रोपगैंडा तेजी से फैल रहा था।

यूके सांसद बोले-भारत से जलियांवाला पर माफी मांगे ब्रिटिश सरकार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने ब्रिटेन सरकार से 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड के लिए भारत के लोगों से औपचारिक तौर पर माफी मांगने को कहा है। उन्होंने गुरुवार को संसद में कहा कि ब्रिटिश सरकार को 13 अप्रैल से पहले माफी मांगनी चाहिए। अगले महीने जलियांवाला बाग हत्याकांड की 106वीं बरसी मनाई जाएगी। ब्रिटिश सांसद ब्लैकमैन ने अपने भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी शेयर किया है। ब्लैकमैन ने अपने भाषण में कहा- बैसाखी के दिन कई सारे लोग शांतिपूर्वक तरीके से अपने परिवार के साथ जलियांवाला बाग में शामिल हुए थे। जनरल डायर ने ब्रिटिश सेना की तरफ से अपने सैनिकों को भेजा और मासूम लोगों पर तब तक गोलियां चलाने का आदेश दिया था, जब तक उनकी गोलियां खत्म न हो जाएं। सांसद ब्लैकमैन ने कहा- जालियावांला हत्याकांड ब्रिटिश साम्राज्य पर एक धब्बा है। इसमें 1500 लोग मारे गए थे और 1200 घायल हुए थे। आखिरकार, ब्रिटिश साम्राज्य पर इस दाग के लिए जनरल डायर को बदनाम किया गया। ब्रिटिश सांसद ने आगे कहा- तो क्या हम सरकार से बस एक बयान हासिल कर सकते हैं जिसमें यह माना गया हो कि क्या गलत हुआ था।

हूती ठिकानों पर अमेरिका की बड़ी कार्रवाई, 40 से अधिक हवाई हमले किए

सना, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने शुक्रवार तड़के यमन की राजधानी सना में हूती ठिकानों पर 40 से ज्यादा हवाई हमले किए। हूती ग्रुप के अल-मसीरा टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, इन हवाई हमलों में सना अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, कमांड कैंप, सरीफ क्षेत्र, सनहान क्षेत्र के जरबन स्थान और उत्तरी प्रांतों के कई अन्य इलाकों को निशाना बनाया गया। टेलीविजन ने बताया कि एक व्यक्ति घायल हो गया। निवासियों के मुताबिक, मध्य साना में स्थित कमांड कैंप पर हुए हवाई हमलों से आसपास के आवासीय इलाकों में कई घरों, इमारतों और दुकानों को नुकसान पहुंचा। यह हमला हूती ग्रुप की ओर से गुरुवार दोपहर को मध्य इजराइल में बेन गुरियन एयरपोर्ट और तेल अवीव के दक्षिण में एक सैन्य ठिकाने पर दो बैलिस्टिक मिसाइल अटैक की जिम्मेदारी लेने के कुछ घंटों बाद हुआ। यह 15 मार्च को हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिकी एयर स्ट्राइक की नई श्रंखला शुरू करने के बाद से सबसे तीव्र और सबसे बड़े संख्या वाले हवाई हमले थे। पिछले दो हफ्तों में अमेरिकी एयर स्ट्राइक में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। ये हमले हूती ग्रुप की उस धमकी के बाद किए गए जिसमें उसने कहा था कि अगर गाजा में मानवीय सहायता नहीं भेजी गई, तो वे इजरायली ठिकानों पर हमले फिर से शुरू कर देंगे। बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिकी हवाई हमले जारी रहेंगे। स्थानीय निवासियों ने बताया कि गुरुवार को भी अमेरिकी सेना ने यमन की हूती-नियंत्रित राजधानी सना पर कई हवाई हमले किए।

ह्यूस्टन विवि में हिंदू धर्म पाठ्यक्रम पर विवाद, संस्थान ने कहा- शैक्षिणिक स्वतंत्रता को देते हैं महत्व

वॉशिंगटन, एजेंसी। ह्यूस्टन विश्वविद्यालय में हिंदू धर्म पाठ्यक्रम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। एक छात्र की ओर से पाठ्यक्रम को लेकर सवाल उठाए गए हैं। इस पर विवि प्रशासन ने अपनी सफाई दी है। विवि ने कहा है कि हम शैक्षिणिक स्वतंत्रता को महत्व देते हैं। संस्थान ने पाठ्यक्रम के महत्व और शामिल तथ्यों को लेकर छात्र से भी बात की है। ह्यूस्टन विवि के एक छात्र ने लिव्ड हिंदू रिलीजन पाठ्यक्रम को लेकर शिकायत की थी। इसे लेकर विवि ने कहा कि ह्यूस्टन विवि शैक्षिणिक स्वतंत्रता को महत्व देता है। इसमें संकाय को उनके शिक्षण में जटिल और चुनौतीपूर्ण विषयों का पता लगाने की अनुमति दी जाती है। इस आधार पर पाठ्यक्रम तय किए जाते हैं। विवि ने कहा कि लिव्ड हिंदू रिलीजन पाठ्यक्रम धार्मिक अध्ययन के शैक्षणिक अनुशासन पर आधारित है। इसमें हिंदू, बौद्ध और ईसाई धर्म में निहित परंपराओं और धार्मिक आंदोलनों को समझने के लिए विश्लेषणात्मक उपकरण के तौर पर कट्टरपंथ शब्द का उपयोग किया है। विवि ने कहा कि धार्मिक अध्ययन में कट्टरवाद ऐसे आंदोलन के बारे में हैं जो धर्म के सच्चे और मूल संस्करण को संरक्षित करता है। कट्टरवाद का अध्ययन निर्णय या पूर्वाग्रह नहीं है, बल्कि यह समझने का तरीका है कि धर्म कैसे विकसित होते हैं।

म्यांमार भूंकप के लिए रूस-चीन ने मदद के लिए भेजी रेस्क्यू टीम, जापान के प्रधानमंत्री ने आपदा पर जताया शोक

बैंकॉक, एजेंसी। म्यांमार और थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में शुक्रवार को विनाशकारी भूकंप आया, जिससे व्यापक विनाश हुआ। शुक्रवार को सुबह करीब 11ः50 बजे म्यांमार में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसके झटके भारत, थाईलैंड, बांग्लादेश, चीन और वियतनाम में महसूस किये गये। भारी तबाही को देखते हुए थाई प्रधानमंत्री पिथोंगथरुन शिनावात्रा ने देश में आपातकाल की घोषणा कर दी।

चीन और रूस ने म्यांमार में बचाव दल भेजे : चीन और रूस ने म्यांमार में बचाव दल भेजे हैं, जहां शक्तिशाली भूकंप के कारण व्यापक क्षति हुई है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, चीन के युन्नान प्रांत से 37 सदस्यीय दल शनिवार सुबह यांगून शहर पहुंचा। टीम अपने साथ आपातकालीन राहत उपकरण जैसे जीवन डिटेक्टर, भूकंप पूर्व चेतावनी प्रणाली और ड्रोन लेकर आई है। रूसी आपातकालीन मंत्रालय ने 120 बचावकर्मियों और रसद सामग्री लेकर दो विमान भेजे हैं। दोनों विमान मास्को के निकट जुकोवस्की हवाई अड्डे से म्यांमार के लिए रवाना हुए।

जापान के प्रधानमंत्री ने शोक व्यक्त किया : जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने म्यांमार और थाईलैंड में आए शक्तिशाली भूकंपों पर संवेदना व्यक्त की है, जिनमें 150 से अधिक लोग मारे गए। इशिबा ने शुक्रवार को भेजे संदेश में कहा, मध्य म्यांमार में भूकंप से हुई भारी क्षति के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है।

प्रभावित लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। उन्होंने शीघ्र सुधार की आशा व्यक्त की तथा इस कठिन समय में म्यांमार के साथ जापान की एकजुटता का वचन दिया। उन्होंने कहा, हम अपने करीबी मित्रों, म्यांमार के लोगों के साथ खड़े हैं। चीन ने म्यांमार को मानवीय सहायता देने का वादा किया चीन ने म्यांमार को मानवीय सहायता देने का वादा किया है, जो विनाशकारी भूकंप से प्रभावित हुआ है। चीन के विदेश मंत्रालय के एक बयान में पुष्टि की गई कि उनका देश बचाव और राहत प्रयासों में पूर्ण सहायता देने के लिए तैयार है। चीन प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन मानवीय सहायता और समर्थन प्रदान करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करने को तैयार है। प्रवक्ता ने म्यांमार के प्रति गहरी सहानुभूति भी व्यक्त की तथा दोनों देशों के बीच मजबूत पौक-फॉ मैत्री पर प्रकाश डाला, जो उनके ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ संबंधों को दर्शाता है। अमेरिका ने म्यांमार की मदद का वादा किया दक्षिण पूर्व एशिया में आए विनाशकारी भूकंप के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने म्यांमार और थाईलैंड की मदद करने का वचन दिया। उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन द्वारा अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) और विदेश विभाग में की गई बड़ी कटौती से राहत प्रयासों में बाधा आ सकती है, लेकिन हम मदद करेंगे। हमने पहले ही लोगों को चेतावनी दे दी है। इस बीच, विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि प्रशासन लोगों के अनुरोध के आधार पर अपनी प्रतिक्रिया निर्धारित करेगा। भारत ने म्यांमार को राहत सामग्री भेजी भारत ने भूकंप प्रभावित म्यांमार को 15 टन राहत सामग्री भेजी है। भारत सरकार ने शनिवार सुबह एक सैन्य परिवहन विमान के माध्यम से भूकंप प्रभावित सौर लैंप, जनरेटर सेट और दवाइयों सहित आवश्यक वस्तुओं के साथ हिंडन एयर फोर्स स्टेशन से उड़ान भरी।

दक्षिण सूडान को एक और गृहयुद्ध की खाई में गिरने से रोकें.., यूएन चीफ की क्षेत्रीय-वैश्विक नेताओं से अपील

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने शुक्रवार को सभी क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय नेताओं से आग्रह कि वे दक्षिण सूडान एक और गृहयुद्ध की खाई में गिरने से रोकें। उन्होंने कहा कि शांति की बहाली के लिए सभी एक स्वर में आवाज उठाएं। गुटेरेस ने चेतावनी दी कि दुनिया के सबसे नए और गरीब देशों में से एक दक्षिण सूडान गंभीर सुरक्षा संकट का सामना कर रहा है। वहां झड़पें बढ़ रही हैं और राजनीतिक अस्थिरता है। इस हफ्ते सरकार ने पहले उप राष्ट्रपति रिएक मचार को गिरफ्तार कर स्थिति को और भी जटिल बना दिया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने आगे कहा कि सुरक्षा बलों द्वारा जातीय और राजनीतिक आधार पर लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। सोशल मीडिय पर भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही है जिससे स्थिति और खराब हो रही है। उन्होंने चेताया, हम 2013 और 2016 के गृहयुद्ध जैसे हालात देख रहे हैं, जिनमें चार लाख लोगों की जान गई थी। गृहयुद्ध 2018 में एक शांति समझौते के साथ खत्म हुआ था, जिसमें राष्ट्रपति साल्वा

कीर और उप राष्ट्रपति रिएक मचार ने मिलकर एकता (यूनिटी) सरकार बनाई थी। यह सरकार अब दिसंबर 2026 में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों की ओर बढ़ रही है। लेकिन राष्ट्रपति कीर और उप राष्ट्रपति मचार की पार्टियों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। मार्च में यह तब और बढ़ गया जब मचार के समर्थक सशस्त्र समूह व्हाइट आर्मी ने ऊपरी नाइल राज्य में एक सैन्य अड्डे पर कब्जा कर लिया और संयुक्त राष्ट्र के एक हेलिकॉप्टर पर हमल किया। इसके जवाब में सरकार ने घातक हवाई हमले किए। गुटेरेस ने दक्षिण सूडान के नेताओं से टकराव की राजनीति खत्म करने, राष्ट्रीय एकता सरकार बहाल करने और गिरफ्तार सैन्य व नागरिक अधिकारियों को रिहा करने की अपील की।

उन्होंने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वे 2018 के शांति समझौते के संरक्षक के रूप में एकजुट होकर शांति प्रक्रिया का समर्थन करें और इसे कमजोर करने के किसी भी प्रयास का विरोध करें। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार को अफ्रीकी संघ आयोग के अध्यक्ष से बात की और दक्षिण सूडान में कूटनीतिक समाधान के लिए अफ्रीकी संघ के पांच सदस्य पैनल और केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो के विशेष दूत की तैनाती का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि पैनल और केन्याई दूत रैला ओडिंगा राष्ट्रपति कीर और उप राष्ट्रपति मचार से मुलाकात करेंगे। ओडिंगा केन्या के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। वह शुक्रवार को जुबा पहुंचे। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि वे मचार से मिल पाए या नहीं।

पैतोंगटार्न शिनावात्रा, थाईलैंड की वो प्रधानमंत्री जिनके परिवार में पीएम बनने की परंपरा है

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड में शुक्रवार को विनाशकारी भूकंप आया. जिस समय भूकंप आया, उस समय थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा फुकेत प्रांत में एक बैठक कर रही थीं. बैठक के दौरान ही उन्हें भूकंप की सूचना दी गई. थाई पीएम ने बैठक को बीच में रोककर अधिकारियों और अपने मंत्रियों को ऑनलाइन जोड़कर एक बैठक की और राहत और बचाव के लिए जरूरी निर्देश दिए. इसी बैठक में वो दो मोबाइल फोन पर बात करती हुई नजर आईं. उनकी यह फोटो वायरल हो गई. आइए जानते हैं कि कौन हैं पैतोंगटार्न शिनावात्रा और क्या है उनके परिवार की विरासत.

कौन हैं पैतोंगटार्न शिनावात्रा : पैतोंगटार्न शिनावात्रा अभी 38 साल की है. वो थाईलैंड की सबसे युवा प्रधानमंत्री हैं.शिनावात्रा परिवार थाईलैंड का एक प्रभावशाली राजनीतिक परिवार हैं. पैतोंगटार्न शिनावात्रा प्रधानमंत्री बनने वाली इस परिवार की तीसरी सदस्य हैं. उनके पिता थाकसिन शिनावात्रा और बुआ यिंगलक शिनावात्रा भी प्रधानमंत्री रह चुकी हैं. उनकी बुआ थाईलैंड की पहली महिला प्रधानमंत्री थीं.पैतोंगटार्न के पिता की सरकार को 2006 में एक सैन्य तख्तापटल के बाद पद से हटा दिया गया था.उस समय वो एक आधिकारिक यात्रा पर अमेरिका गए हुए थे. वहीं पैतोंगटार्न की बुआ यिंगलक शिनावात्रा को 2014 में एक अदालती फैसले के बाद पद से हटा दिया गया था. बैंकॉक में 21 अगस्त 1986 को पैदा हुईं पैतोंगटार्न शिनावात्रा अपने पिता थाकसिन शिनावात्रा की सबसे छोटी संतान हैं.उनका राजनीतिक सफर भी काफी छोटा रहा है.पैतोंगटार्न ने मार्च 2022 में राजनीति की दुनिया में कदम रखा था.उन्हें फ्यू थाई पार्टी के परिवार का प्रमुख चुना गया था.अक्टूबर 2023 में वो अपनी फ्यू थाई पार्टी की प्रमुख चुनी गई थीं. इस पार्टी की स्थापना उनके पिता थाकसिन शिनावात्रा ने 2007 में की थी.

पैतोंगटार्न शिनावात्रा का राजनीतिक सफर : प्रधानमंत्री स्रेथा थाविसिन ने एक सजायाफ्ता वकील को मंत्री नियुक्त कर दिया था. अदालत ने उनके इस कदम को गैरकानूनी मानकर प्रधानमंत्री पद से हटा दिया था. इसके बाद से पैतोंगटार्न शिनावात्रा को प्रधानमंत्री चुना गया.पैतोंगटार्न फ्यू थाई पार्टी की सदस्य हैं.थाईलैंड के दो सदनों वाली संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 141 सदस्य हैं. पैतोंगटार्न की सरकार को 10 दूसरे दलों का भी समर्थन हासिल है. प्रधानमंत्री के चुनाव में 493 सदस्यों वाले सदन में पैतोंगटार्न को 314 वोट मिले थे. कुल 145 सदस्यों ने उनके खिलाफ वोट किया था तो 27 सदस्य गैर हाजिर थे. साल 2023 में कराए गए आम चुनाव में पैतोंगटार्न शिनावात्रा ने अपनी पार्टी के लिए जोरदार प्रचार किया था. उनकी इस सक्रियता ने उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने में मदद की।

नेपाल में राजशाही समर्थकों की हिंसा के बाद सेना तैनात, काठमांडू में आगजनी, एक की मौत, कर्फ्यू लगा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में राजशाही की मांग को लेकर शुक्रवार को हिंसक प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू के तिनकुने में एक इमारत में तोड़फोड़ की और उसे आग के हवाले कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर भी फेंके, जिसके जवाब में सुरक्षाकर्मियों को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। इस घटना में एक युवक की मौत भी हो गई। प्रशासन ने काठमांडू में कर्फ्यू लागू कर दिया है और सेना की तैनाती कर दी है। इस आंदोलन में 40 से ज्यादा नेपाली संगठन शामिल हुए। प्रदर्शनकारी राजा आओ देश बचाओ, भ्रष्ट सरकार मुर्दाबाद और हमें राजशाही वापस चाहिए, जैसे नारे लगा रहे थे। उन्होंने सरकार को एक हफ्ते का अल्टीमेटम दिया है। उनका कहना है कि अगर उनकी मांगों पर एक्शन नहीं लिया गया तो और ज्यादा उग्र विरोध प्रदर्शन होगा। नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र ने 19 फरवरी को प्रजातंत्र दिवस के अवसर पर लोगों से समर्थन मांगा था। इसके बाद से ही देश में 'राजा लाओ, देश बचाओ' आंदोलन को लेकर तैयारियां चल रही थीं। किंग ज्ञानेंद्र पर परिवार के नरसंहार के आरोप नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह पर 1 जून, 2001 को हुए नारायणहिति हत्याकांड में अपने परिवार के सदस्यों की हत्या का आरोप लगा है। इस घटना में राजा वीरेंद्र, रानी ऐश्वर्या सहित शाही परिवार के 9 लोगों की मौत हुई थी। आधिकारिक तौर पर युवराज दीपेंद्र को इस हत्याकांड के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। हालांकि, कई लोगों का मानना है कि ज्ञानेंद्र ने सत्ता हासिल करने के लिए यह षड्यंत्र रचा, क्योंकि उस रात वे महल में मौजूद नहीं थे

और उनके परिवार को कोई नुकसान नहीं हुआ। इस रहस्यमयी हत्याकांड के पीछे सच्चाई आज भी विवादास्पद बनी हुई है। 87 साल के नवराज सुवेदी कर रहे आंदोलन का नेतृत्व आंदोलन का नेतृत्व नवराज सुवेदी कर रहे हैं। वे राज संस्था पुनर्स्थापना आंदोलन से जुड़े हुए हैं। इसका मकसद नेपाल में राजशाही को बहाल करना है। दरअसल, नेपाल में साल 2006 में राजशाही के खिलाफ विद्रोह तेज हो गया था। कई हफ्तों तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद तत्कालीन राजा ज्ञानेंद्र को शासन छोड़कर सभी ताकत संसद को सौंपनी पड़ी। लेकिन अब नेपाल की जनता देश में फैले भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और बार-बार सत्ता परिवर्तन से परेशान हो गई है। सुवेदी का नाम तब सुर्खियों में आया जब पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने उन्हें इस आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए उनका नाम आगे बढ़ाया। हालांकि, उनके इस नेतृत्व को लेकर नेपाल के प्रमुख राजवादी दलों, जैसे राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) और राप्रपा नेपाल, में कुछ असंतोष देखा गया है। नवराज सुबेदी ने कहा, हम अपनी मांगें शांतिपूर्ण तरीके से रख रहे हैं, लेकिन अगर हमें सकारात्मक जवाब नहीं मिला तो हमें प्रदर्शन तेज करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। हमारा आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक कि हमारा मकसद पूरा नहीं हो जाता।

प्रज्ञा ठाकुर मालेगांव में हिंदू वीर पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई (एजेंसी)। मालेगांव बम धमाके की मुख्य आरोपी तथा भोपाल की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर को मालेगांव में गुड़ी पड़वा के अवसर पर हिंदू वीर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। विराट हिंदू संत सम्मेलन द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम का विरोध महाराष्ट्र सरकार ने किया। इसके विरोध में आयोजक हाईकोर्ट चले गए। हाईकोर्ट ने प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया। सरकार ने नागपुर में औरंगजेब विवाद के बाद माहौल खराब होने की बात कहकर इस कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी थी। 25 मार्च को नासिक के कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने जब आयोजन की मजूँरी नहीं दी। तो आयोजक हाईकोर्ट पहुंच गए। मुंबई हाईकोर्ट ने नासिक के कार्यकारी मजिस्ट्रेट का आदेश निरस्त करते हुए कार्यक्रम की मंजूरी दी है। मुंबई हाईकोर्ट की खंडपीठ का कहना था, आजादी के 78 साल हो जाने के बाद समाज की समझदारी बढी है। आजादी और सह-अस्तित्व के मायने को देखते हुए इस तरह के आयोजन पर रोक नहीं लगाई जा सकती है। मुंबई हाईकोर्ट के न्यायाधीश रविंद्र घुघे और न्यायाधीश अश्विन भोवे की खंडपीठ ने जियो और जीने दो को आधार मानकर कार्यक्रम करने की अनुमति दी है। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है, कोई भी वक्ता ऐसा कोई भाषण नहीं दे। जिससे दूसरे धर्म के लोगों को ठेस पहुंचे। बम कांड की आरोपी प्रज्ञा ठाकुर अभी जमानत पर हैं। उनका सम्मान वहीं किया जा रहा है, जहां बम धमाका हुआ था। अभी भी यह मामला न्यायालय के पास विचाराधीन है।

टोल टैक्स बढ़ने के कारण दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल के बीच सफर होगा महंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक अप्रैल से टोल रेट में पांच रुपये से लेकर 40 रुपये तक की बढोतरी की गई है। इससे हरियाणा में हाईवे और एक्सप्रेसवे पर स्थित 24 टोल प्लाजा पर टोल टैक्स बढ़ जाएगा। इससे दिल्ली से हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, और जम्मू-कश्मीर जाने वाले वाहन चालकों का खर्च बढ़ जाएगा। यह बढ़ोतरी इस बात पर निर्भर करेगी कि आप कौनसा वाहन लेकर जा रहे हैं। जिन टोल प्लाजा पर टोल रेट बढा है उनमें गुरुग्राम के खेड़की दौला टोल प्लाजा, फरीदाबाद-पलवल के बीच में पड़ने वाला गदपुरी टोल प्लाजा, दिल्ली-पटियाला नेशनल हाईवे पर जींद में खटकड़ टोल प्लाजा, करनाल का घरौंडा टोल प्लाजा, केएमपी एक्सप्रेसवे पर बादली और मांडोठी टोल और हिसार का लांघड़ी टोल प्लाजा प्रमुख है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की तरफ से हर साल रेटों में इजाफा किया जाता है। वाहन चालकों को नए रेटों की जानकारी को लेकर कोई असमंजस न हो, इसे लेकर नई रेट सूची को टोल बूथों पर लगा दिया गया है। टोल रेट बढने से आम आदमी में नाराजगी है। वाहन चालकों का कहना है कि हर साल टोल रेट में भारी इजाफा उनकी जेब पर भार बढा रहा है।

यूपी में नवरात्र और ईद-उल-फितर पर संवेदनशील जगहों पर लगाई रूफटॉप ड्यूटी

-डीजीपी ने बाजारों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों के आसपास पैदल गश्त के दिए निर्देश

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने नवरात्र और ईद-उल-फितर को लेकर संवेदनशील स्थानों पर जरुरी साजो सामान के साथ रूफटॉप ड्यूटी तैनात करने का निर्देश दिया है। डीजीपी ने शनिवार को राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को जारी निर्देशों में कहा कि संवेदनशील स्थानों पर जरुरी उपकरणों के साथ 'रूफटॉप ड्यूटी' तैनात की जाए और सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करके उचित पुलिस व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि बाजारों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों और महत्वपूर्ण व्यापारिक प्रतिष्ठानों के आसपास पैदल गश्त की जाए और तोड़फोड़-रोधी जांच नियमित रूप से की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बाजारों में अग्निशमन के पर्याप्त प्रबंध किए जाएं और नमाज के दौरान ईदगाहों व अन्य मस्जिदों के पास मार्गों पर जानवरों को घूमने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। यह भी निर्देश दिए कि ईद-उल-फितर एवं रामनवमी के अवसर पर जनपद को सेक्टर एवं जोन में विभाजित कर संवेदनशील स्थानों पर पुलिस पिकेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं राजपत्रित अधिकारियों के साथ मजिस्ट्रेट एवं पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि रामनवमी पर रेलवे स्टेशनों, बस स्टेशनों, बाजारों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों, समारोह स्थलों, मनोरंजन केन्द्रों आदि पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाए।

कठुआ में अभी भी मौजूद हैं पांच आतंकी, 10 संदिग्ध हिरासत में

कठुआ(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकियों से तीन दिन से चल रही मुठभेड़ चुनौतीपूर्ण बन गई है। अब तक माना जा रहा था कि तीन आतंकी हैं, लेकिन शनिवार को जब सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और बढ़ाई तो पता चला कि अभी भी 5 आतंकी हैं, जो राजबाग इलाके के सफियान जाखोले गांव में छिप हैं। पुलिस के मुताबिक सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर रखा है। वे जाखोले की ऊंची पहाड़ियों पर हैं, जहां घने जंगल और गुफाएं हैं। पांचों आतंकी विदेशी बताए जा रहे हैं। सुरक्षा बलों ने 10 संदिग्ध मददगारों को हिरासत में लिया है। इन्होंने बताया है कि पांचों आतंकी वही हैं, जिन्हें 23 मार्च को हीरानगर सेक्टर में इंटरनेशनल बॉर्डर के पास सानियाल गांव में पुलिस ने रोका था। मुठभेड़ में अब तक 2 आतंकी मारे जा चुके हैं। 28 मार्च को ऑपरेशन ग्रुप के जवान तारिक अहमद, जसवंत सिंह, जगबीर सिंह और बलविंदर सिंह इस मुठभेड़ में शहीद हो गए थे। वहीं, घायल धीरज सिंह समेत तीन जवानों का इलाज जारी है।

दिल्ली की सरोजिनी नगर मार्केट में नकली नोट चलाने के आरोप में दो महिलाएं गिरफ्तार

कठुआ(एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली की सरोजिनी नगर मार्केट में जाली नोट चलाने के आरोप में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी महिलाओं के पास से 100 रुपये मूल्य के 33 नकली नोट (एफआईसीएन) भी जब्त किए।

बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर दलितों को साधने में जुटी पार्टियां

-अब जेडीयू बाबा साहेब की जयंती को भव्य तरीके से मनाएगी, कांग्रेस का ढूंढा तोड़

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है यहां के राजनीतिक दल दलित वोटों को साधने में लग गए हैं। कांग्रेस दलित को अध्यक्ष बनाकर अपना कार्ड खेल चुकी है। वहीं अब सत्ताधारी जेडीयू भी कांग्रेस के इस दांव का तोड़ ढूंढ रही है। जेडीयू ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती को भव्य तरीके से मनाने की योजना तैयार की है। मंत्री और जेडीयू के वरिष्ठ नेता अशोक चौधरी ने बताया कि बाबासाहेब के विचारों के प्रचार प्रसार के लिए उनकी जयंती भव्य तरीके से मनाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि 13 अप्रैल को बापू सभागार में कार्यक्रम होगा। इसके बाद 14 अप्रैल को दलित बस्तियों में दीपोत्सव होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले दलित वोटरों को एनडीए की तरफ लाना है। हमारे सीएम नीतीश कुमार ने दलितों के उत्थान को लेकर बहुत काम किया है। उन्होंने जितना काम किया और कोई नहीं कर पाया। उन्होंने दलितों का वर्गीकरण, कास्ट सर्वे जैसे काम किए जो कि पिछड़ों के उत्थान के लिए जरूरी थे।

बता दें कांग्रेस भी दलितों को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। उसने हाल ही में अखिलेश प्रसाद को हटाकर राजेश कुमार राम को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। राम जाटव समुदाय से आते हैं। राज्य में जाटव समुदाय की आबादी 5.25 फीसदी है। वहीं इससे पहले अशोक चौधरी ही कांग्रेस के एससी अध्यक्ष थे जो कि अब जेडीयू में हैं।

बीते साल कांग्रेस ने भी अनुसूचित जाति के नेता जगलाल चौधरी की 130वीं जयंती मनाई थी। इसमें राहुल गांधी भी शामिल हुए थे। बिहार में कुल 19.65 फीसदी एससी आबादी है। विधानसभा में 38 सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित हैं। 2020 में 38 में से 19 सीटों पर एनडीए को कामयाबी मिली थी। आरजेडी को 10 सीटों पर जीत मिली थी वहीं बीजेपी और जेडीयू को 8-8 सीटों मिली थी। कांग्रेस और सीपीआई (एमएल) को चार-चार और हम को तीन सीटें मिली थी।

राज्य में सबसे ज्यादा पासवानों की आबादी है। इनकी आबादी 5.3 फीसदी के आसपास है। एलजेपी (रामविलास) के वोट इसमें काफी हैं। एलजेपी भी एनडीए का ही हिस्सा है। वहीं 2020 में

चिराग पासवान अकेले ही चुनाव लड़े थे। हालांकि इस बार एनडीए को चिराग पासवान का भी फायदा मिलेगा। चिराग मोदी सरकार में मंत्री हैं। वहीं हम नेता जीतनराम मांझी भी केंद्रीय मंत्री हैं। बिहार में 3 फीसदी के आसपास मुसहरों के भी वोट हैं।

जम्मू कश्मीर वक्फ बोर्ड के कर्मचारी हुए खुश, वेतन और मानदेय बढ़ा

-बोर्ड में एक हजार से ज्यादा नियमित और अनियिमित कर्मचारी करते हैं काम

जम्मू। प्रदेश में वक्फ बोर्ड के कर्मचारियों के वेतन और मानदेय में बढ़ोतरी हो गई है। वक्फ में कार्यरत समेकित, मस्टर शीट और स्टाप गैप अरेंजमेंट के कर्मियों के वेतन में 400 फीसदी तक तो इमाम और खतीब समेत कई नियमित कर्मियों के वेतन में 20 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। इंजीनियरिंग स्टाफ का मासिक यात्रा भत्ता भी तीन हजार रुपए कर दिया गया है। बता दें जम्मू कश्मीर वक्फ बोर्ड में सालों से कार्यरत समेकित, मस्टर शीट और स्टाप गैप अरेंजमेंट के कर्मियों में से ज्यादातर को मात्र तीन हजार रुपए मासिक मानदेय मिल रहा था। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष ने बोर्ड में कार्यरत कई श्रेणियों के कर्मचारियों के वेतन में बढोतरी का आदेश दिया है। समेकित, मस्टर शीट और स्टाप गैप अरेंजमेंट के तहत नियुक्त कर्मियों को कुशल, अर्धकुशल और अकुशल कर्मचारियों की श्रेणी में बांटा गया है। इनका वेतन क्रमशः 18 हजार, 16 हजार और 15 हजार रुपए प्रति माह तय किया गया है। सूत्रों के मुताबिक यह कदम वर्तमान बोर्ड के अथक प्रयासों का परिणाम है, जिससे संगठन की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है और इसका उद्देश्य कश्मीर संभाग में दशकों से कम सैलरी पर काम कर रहे एक हजार से ज्यादा कर्मचारियों के जीवन स्तर में सुधार करना है। बोर्ड के नियमित कर्मियों जिनमें इमाम और खतीब शामिल हैं, उनके अलावा पारिवारिक पेंशनधाकरों के वेतन व पेंशन में 20 फीसदी की बढ़ोत्तरी की गई है।

केंद्रीय मंत्री अठावले का दावा कहा-लालू से ज्यादा फिट हैं नीतीश, 10 साल रहेगी उनकी सत्ता

पटना (एजेंसी)। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले बिहार के तीन दिवसीय दौरे पर आए। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और कहा कि जद (यू) अध्यक्ष का स्वास्थ्य अच्छा है और वह कम से कम पांच से दस साल तक सत्ता में रहेंगे। वहीं उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जवाहर लाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ेंगे और लगातार चौथी बार सत्ता बरकरार रखेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी ने लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटकर नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। मुझे विश्वास है कि वह रिकॉर्ड तोड़ देंगे और लगातार चौथी बार सत्ता में आएंगे। दलित नेता ने कहा, एक बौद्ध के रूप में, मैं बिहार का बहुत सम्मान करता हूं, वह भूमि जहां बुद्ध ने 2,500 साल से भी पहले ज्ञान प्राप्त किया था। महाबोधि मंदिर परिसर, जो यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है, पर पूर्ण नियंत्रण की मांग कर रहे बौद्धों के साथ एकजुटता दिखाते हुए बोधगया का दौरा करने के एक दिन बाद अठावले ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को मुख्यमंत्री के समक्ष भी उठाया है। उन्होंने कहा कि मैंने नीतीश जी से

बौद्धों की चिंताओं का समाधान करने का आग्रह किया है, जो एक महीने से बोधगया में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मैंने खुद प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच करने का निर्देश दिया है।

सांप्रदायिक तनाव के लिए छावा जिम्मेदार

आठवले ने अपने गृह राज्य महाराष्ट्र में हाल में हुए सांप्रदायिक तनाव के लिए ब्लॉकबस्टर फिल्म छावा को जिम्मेदार ठहराया और औरंगाबाद में स्थित औरंगजेब के मकबरे को हटाने की मांग को बंद करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, मुझे नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली टीम का हिस्सा होने पर गर्व है, जिनके कार्यकाल में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं।

चीन को फिर झटका: भारत में परमाणु रिएक्टर बनाएगी अमेरिका की कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे इंतजार के बाद भारत-अमेरिका नागरिक परमाणु समझौते के तहत भारत में परमाणु रिएक्टरों के निर्माण और डिजाइन के लिए अमेरिकी कंपनी को एक ऐतिहासिक मंजूरी मिल गई है। इस समझौते के बाद, भारत की परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में एक नई क्रांति देखने को मिल सकती है। इससे देश को नई, सुरक्षित और प्रभावी परमाणु रिएक्टर तकनीकों का लाभ मिल सकता है।

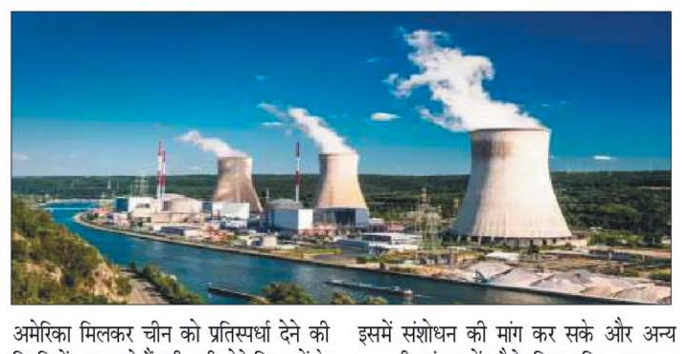

होल्टेक को भारतीय कंपनियों को केवल शांतिपूर्ण परमाणु गतिविधियों के लिए यह तकनीक ट्रांसफर करने की अनुमति है। यह भी सुनिश्चित किया गया है कि इसका उपयोग परमाणु हथियारों या किसी भी सैन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाएगा। यह कदम भारत के ऊर्जा क्षेत्र में एक नई दिशा दिखा सकता है। भारत और अमेरिका मिलकर चीन को प्रतिस्पर्धा देने की स्थिति में आ सकते हैं। चीन भी छोटे रिएक्टरों के क्षेत्र में अग्रसर है और इसे वैश्विक दक्षिण में अपनी कूटनीतिक पहुंच बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में देखता है। इस मंजूरी के बाद होल्टेक के लिए यह भी संभव है कि वह बाद में इसमें संशोधन की मांग कर सके और अन्य सरकारी संस्थाओं जैसे कि न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, एनटीपीसी और एटॉमिक एनर्जी रिव्यू बोर्ड को भी इस सूची में जोड़ सके। हालांकि, इसके लिए भारत सरकार से जरूरी गैर-प्रसार आश्वासन की आवश्यकता होगी, जो कि इन सरकारी संस्थाओं से अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है।

अमेरिकी ऊर्जा विभाग (डीओई) से 26 मार्च को मिली मंजूरी के बाद होल्टेक इंटरनेशनल को हरी झंडी मिल गई है। अब अमेरिकी कंपनी को भारत में न्यूक्लियर रिएक्टर बनाने और डिजाइन करने की अनुमति मिल सकती है। होल्टेक को भारत की तीन कंपनियों (होल्टेक एशिया, टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स लिमिटेड और लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड) को अप्रशिक्षित छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) तकनीक ट्रांसफर करने की अनुमति दी गई है। होल्टेक इंटरनेशनल भारतीय-अमेरिकी उद्योगपति क्रिस पी सिंह द्वारा प्रमोट की गई कंपनी है। इसने 2010 से पुणे में एक इंजीनियरिंग यूनिट और गुजरात में एक निर्माण यूनिट स्थापित की है।

शाह और पलानीस्वामी की नजदीकियों पर भड़के स्टालिन बोले- मुस्लिमों से धोखा किया

चेन्नई। एआईएडीएमके नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी (ईपीएस) और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बीच हो रहे मेल मिलाप को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन काफी नाराज हैं। उन्होने ईपीएस पर मुस्लिमों के साथ धोखा करने का आरोप लगाया है। ईपीएस ने हाल ही में दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। स्टालिन ने उनकी कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ईपीएस ने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ विधानसभा सत्र में चर्चा के दौरान अनुपस्थित रहकर मुस्लिम समुदाय के अधिकारों पर कुठाराघात किया। स्टालिन का कहना था कि यह विधेयक मुस्लिमों के अधिकारों को छीनने का प्रयास कर रहा है। उनका दावा है कि तमिलनाडु ही नहीं बल्कि पूरे भारत में मुस्लिम समुदाय ने राज्य सरकार के इस बिल के खिलाफ प्रस्ताव का स्वागत किया है। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा, आप सभी जानते हैं कि वह क्यों अनुपस्थित थे। सुबह-सुबह बिना किसी को सूचित किए उन्होंने दिल्ली की उड़ान भरी। वहां पहुंचने के बाद उन्होंने चार गाड़ियां बदल लीं जैसे कि वह किसी घोटाले में शामिल हों। इसके बाद वह अमित शाह से मिले। स्टालिन ने एआईएडीएमके के नेताओं की स्थिति पर भी तंज कसा।

ईद से पहले सड़कों पर नमाज पढ़ने का मुद्दा गरमाया, विवाद पर क्या बोले चिराग पासवान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ सालों में सड़कों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर नमाज अदा करना एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनकर उभरा है। हाल ही में, यह मुद्दा तब सुर्खियों में आया जब उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में जिला प्रशासन ने ईद के दौरान सड़कों पर नमाज अदा करने की अनुमति देने के खिलाफ सख्त रुख अपनाया।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के सहयोगी चिराग पासवान ने मुसलमानों द्वारा सड़कों पर नमाज अदा करने के खिलाफ किए जा रहे प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि ये बेकार के विषय हैं और देश में कई अन्य बड़े मुद्दे हैं जिन पर चर्चा की जरूरत है।

टाइम्स नाउ के एक कार्यक्रम में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता से पूछा गया कि सड़कों पर नमाज अदा करने के विरोध पर उनका क्या कहना है। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'यह बेकार की बात है। इस पर चर्चा ही नहीं होनी चाहिए, यह निरर्थक है। देश में कई बड़े मुद्दे हैं जिन पर हमें चर्चा करने की जरूरत है। समस्या यह है कि जब हम इन अप्रासंगिक विषयों पर बात करना शुरू करते हैं, तो समाज और देश में तनाव का माहौल पैदा होता है। बिना किसी कारण के समुदायों और लोगों के बीच दरार पैदा होती है। यह निरर्थक है।'

पासवान ने कहा कि लोग सालों से सड़कों पर नमाज अदा करते आ रहे हैं। अगर हम इस बारे में बात नहीं कर रहे होते, तो आप शायद पूछ रहे होते कि खाद्य प्रसंस्करण मंत्री के तौर पर मैंने क्या काम किया। लेकिन ये बातें अब गौण हो गई हैं।

जब उनसे कहा गया कि उनकी सहयोगी पार्टी भाजपा के लोग इस बारे में बात कर रहे हैं, तो मंत्री ने जवाब दिया, 'लेकिन मैं इससे सहमत नहीं हूं। मैं यही कह रहा हूं। मैं 21वीं सदी का शिक्षित युवा हूं। हमें धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। यह व्यक्तिगत आस्था का मामला है। मैंने इफ्तार पार्टी दी और मैं वहां तिलक लगाकर गया। यह मेरी आस्था है। मैं आपके धर्म का सम्मान करने के लिए अपने धार्मिक मूल्यों को नहीं भूलूंगा, लेकिन ये बंद दरवाजों के पीछे के मुद्दे हैं। यह व्यक्तिगत आस्था का मामला है। कुछ लोग किसी धर्म का पालन करते हैं, तो कुछ नहीं करते। कई हिंदुओं के सिर पर तिलक नहीं है। क्या वे हिंदू नहीं हैं? यह व्यक्तिगत आस्था है। इसे सामान्य बनाने का प्रयास क्यों किया जा रहा है?'

पासवान ने कहा, 'मैं अपने सहयोगियों के बारे में भी बात कर रहा हूं। अगर आप कह रहे हैं कि वे ऐसा कर रहे हैं, तो मैं इस तरह की राजनीति से सहमत नहीं हूं। मेरा मानना है कि हिंदू और मुस्लिमों के बारे में बात करने के बजाय और भी बड़ी चीजें हैं, जिन पर ध्यान देने की जरूरत है।'

जस्टिस वर्मा के चक्कर में चर्चा में आया 17 साल पुराना जस्टिस निर्मल का केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा का नाम कथित कैश कांड को लेकर सुर्खियों में है। आरोप है कि जस्टिस वर्मा में अपने सरकारी बंगले के आउटहाउस में करोड़ों रुपए की नकदी रखी थी, जो उनके घर पर लगी आग में जल गई। सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए जांच बैठा दी है और उनका इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया है।

हालांकि इस बीच एक और जज का 17 साल पुराना कैश कांड चर्चा में आ गया। यह मामला तत्कालीन पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट जज निर्मल यादव से जुड़ा था, जिन पर 15 लाख रुपए की रिश्वत लेने का आरोप था। न्यायिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाले इस मामले पर आज हाईकोर्ट का फैसला आने वाला है। यह घटना 13 अगस्त 2008 की है, जब एक प्लास्टिक बैग में रखे 15 लाख रुपए गलती से जस्टिस निर्मल यादव की जगह हाईकोर्ट की ही दूसरी जज, जस्टिस निर्मलजीत कौर के घर पहुंच गए थे। यह रकम कथित तौर पर एक ज़मीन सौदे में पक्षपात के बदले रिश्वत के रूप में भेजी गई थी।

जस्टिस निर्मलजीत कौर के पीए अमरीक सिंह ने जब यह रकम देखी, तो तुरंत इसकी सूचना अधिकारियों को दी। बात हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तक पहुंची और मामला चंडीगढ़ पुलिस के पास चला गया। हालांकि, कुछ ही दिनों बाद तत्कालीन चंडीगढ़ प्रशासक, जनरल (रिटायर्ड) एसएफरोड्रिग्स ने इसे सीबीआई को सौंप दिया। 28 अगस्त 2008 को सीबीआई ने इस मामले में नई एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। इस मामले में जस्टिस निर्मल यादव के अलावा दिल्ली के होटल कारोबारी रविंदर सिंह भसीन, प्रॉपर्टी डीलर राजीव गुप्ता और निर्मल सिंह भी आरोपी बनाए गए थे।

वहीं, इस मामले के एक अन्य आरोपी, हरियाणा के पूर्व एडिशनल एडवोकेट जनरल संजीव बंसल की बाद में मौत हो गई थी। सीबीआई कोर्ट में इस मामले की 300 से ज्यादा सुनवाई हो चुकी है और कुल 76 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। हालांकि, इनमें से 10 गवाह मुकदमे के दौरान अपने बयान से पलट गए।

अपने बचाव में जस्टिस यादव ने कोर्ट में कहा, 'मैंने कोई अपराध नहीं किया है और पूरे मुकदमे के दौरान मेरे खिलाफ कुछ भी ठोस नहीं मिला। हालांकि, सीबीआई ने लगातार इस बात पर ज़ोर दिया कि रिश्वत की रकम जस्टिस यादव के लिए ही भेजी गई थी और यह पूरा मामला भ्रष्टाचार से जुड़ा हुआ था। चंडीगढ़ की सीबीआई विशेष अदालत इस चर्चित मामले में आज अपना फैसला सुनाने जा रही है। विशेष सीबीआई जज अल्का मलिक ने गुरुवार को दोनों पक्षों की अंतिम बहस सुनने के बाद इस पर निर्णय सुरक्षित रख लिया था।

नक्सली हथियार छोड़ मुख्यधारा में हो जाएं शामिल, नहीं तो मरने के लिए रहें तैयार: सेना अधिकारी

-सुरक्षाबल अब आर-पार की लड़ाई लड़ने को तैयार, बड़े ऑपरेशन की तैयारी

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ बड़े ऑपरेशन से सुरक्षाबलों ने साफ कर दिया है कि वह अब आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। सरकार और एजेंसियों की तरफ से स्पष्ट संदेश है कि अगर नक्सली समर्पण नहीं करते हैं तो उन्हें मौत की नींद सुला दिया जाएगा। नक्सल नेताओं को आखिरी मौका दिया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पहाड़ हों या जंगल अब नक्सली कहीं भी सुरक्षित नहीं रह सकते और ना ही छिप सकते हैं। जवानों ने सुकमा के जिन इलाकों में ऑपरेशन चलाया वो पूरा इलाका पहाड़ों से घिरा हुआ है। चार साल में इस इलाके में पहली बार सुरक्षाबलों ने नक्सलियों को घेर कर ढेर किया है। टीम को यहां बड़े नक्सली नेता जगदीश के होने की सूचना मिली थी। इसके बाद फोर्स ने ऑपरेशन शुरु किया था।

जवानों को इनपुट मिला था कि करीब 25 नक्सली इलाके में छिपे हैं। इसके बाद गोगुंडा पहाड़ी को जवानों ने घेर लिया और मुठभेड़ में 17 नक्सली मारे गए। अधिकारियों ने कहा नक्सल खात्मे की समय सीमा अपने आप में सख्त संदेश है। नक्सली चाहें तो वे मुख्यधारा में शामिल होकर सरकार की नीतियों का फायदा उठा सकते हैं। इसके बाद उन्हें कोई और मौका नहीं दिया जाएगा। ऑपरेशन अधिकारियों ने बताया कि महाराष्ट्र चुनाव के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने नक्सिलयों के खिलाफ सबसे बड़ा ऑपरेशन शुरू किया। महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के दंडकारण्य के जंगलों में नक्सलियसों के खिलाफ शुरू हुए ऑपरेशन हैंडशेक में सुरक्षा बलों के साथ कमांडो शामिल किए गए थे।

मीडिया रिपोर्ट में गृहमंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। 2023 में कुल 50 नक्सली मारे गए थे। पिछले साल ऑपरेशन तेज हुआ और 290 नक्सली मारे गए। अब ड्रोन कैमरे से देखकर नक्सलियों का ठिकाना पता चल रहा है। अब आधुनिक हथियार कई किलोमीटर तक वार कर सकते हैं। ऑपरेशन के साथ नक्सलियों के ट्रेनिंग सेंटर, हथियार और गोला बारूद के गोदाम, प्रेस और बंकरों को तबाह करने की योजना पर काम किया जा रहा है। सुरक्षा बल ड्रोन, बम निरोधक दस्ते और आधुनिक हथियारों के साथ नक्सलियों के गढ़ पर धावा बोल रहे हैं। गुरिल्ला और बड़े कमांडर ने अबूझमाड़ के जंगलों को सेंटर बना रखा है।

अधिकारियों ने कहा कि इस साल नक्सल प्रभावित इलाकों में 50 से ज्यादा संयुक्त अभियान चलाए गए हैं। 90 से ज्यादा नक्सली मारे जा चुके हैं। ऑपरेशन ग्रीन हंट, ऑपरेशन प्रहार, हॉट परस्यूट और ड्राइव फॉर हंट और ऑपरेशन शेक हैंड जैसे अभियान ने नक्सलियों की कमर तोड़ दी है।